www.anantgyaan.in

# अनंत ज्ञान

चैत्र नवरात्र व हिंदू नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाएं

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | वीरवार, 19 मार्च 2026 | 6 चैत्र, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 3, अंक 79, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | डाक पंजीकरण संख्या : HP/DO/DEHRA/01/2026-2028 follow us on: | 8894521702

## चैत्र नवरात्र

**प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री**

**नवरात्र** पूजन के पहले दिन कलश पूजन के साथ मां शैलपुत्री का पूजन किया जाता है। शैलराज हिमालय की पुत्री होने के कारण इन्हें शैलपुत्री कहा गया है। मां शैलपुत्री एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में कमल का पुष्प लिए हुए हैं। इनका वाहन वृषभ है। भक्तों में मां शैलपुत्री का महत्व और आराधना विशेष रूप से है। इनकी पूजा से परिवार में सुख-समृद्धि और खुशहाली आती है। इनकी पूजा से मानसिक तनाव दूर होता है। शैलपुत्री का पूजन करने से 'मूलाधार चक्र' जागृत होता है। शैलपुत्री का पूजन करने से जीवन में स्थिरता और रिश्तों में मजबूती आती है, जिससे परिवार में सौहार्द एवं प्रेम बढ़ता है। साधक इस दिन केसरिया वस्त्र पहनते हैं। मनोविकारों से बचने के लिए मां को सफेद कनेर का फूल चढ़ाते हैं।

**मंत्र : या देवी सर्वभूतेषु मां शैलपुत्री रुपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः ।।**

**बजट सत्र** दूसरे चरण के पहले दिन विधानसभा में सेवा विस्तार पर सत्ता पक्ष और विपक्ष में आर-पार

# संदिग्ध व भ्रष्टाचार में लिप्त अफसरों की होगी छुट्टी : सीएम सुक्खू

अनंत ज्ञान

**सत्येदव भारद्वाज, शिमला।** सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार ने संवेदनशील पदों पर तैनात अधिकारियों और कर्मचारियों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे चरण के पहले दिन प्रश्नकाल के दौरान घोषणा की है कि ऑफिसर्स ऑफ डाउटफुल इंटिग्रिटी (ओडीआई) सूची में शामिल ऐसे अधिकारियों और कर्मचारियों को तुरंत उनके पदों से हटाया जा रहा है। इसके साथ ही, जिन लोगों को सेवा विस्तार (एक्सटेंशन) के बाद संवेदनशील पदों पर तैनाती दी गई है, उनकी सेवाएं भी तत्काल प्रभाव से समाप्त की जाएंगी।

यह मामला उस समय उठा जब ऊना के विधायक सतपाल सिंह सत्ती ने अपने क्षेत्र से जुड़ा मुद्दा विधानसभा में उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि एक तहसीलदार, जो रिश्वत के मामले में पकड़ा गया था, उसे सरकार ने सेवा विस्तार देकर फिर से तैनात कर दिया। उन्होंने कहा कि इसको लेकर स्थानीय लोग विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं और आरोप लगा रहे हैं कि प्रभावशाली लोगों के दबाव में ऐसी नियुक्तियां की जा रही हैं, जिनके जरिए जमीनों के मामले प्रभावित हो रहे हैं।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू सदन में अपनी सरकार का पक्ष रखते हुए। अनंत ज्ञान

### ◆विधायक सत्ती के सवाल पर ओडीआई सूची पर सख्त हुई सुक्खू सरकार

इस पर मुख्यमंत्री ने अपने जवाब में बताया कि फिलहाल ओडीआई सूची में शामिल तीन अधिकारी संवेदनशील पदों पर तैनात पाए गए हैं और सरकार ने उनकी सेवाएं समाप्त करने का निर्णय लिया है। इनमें विजय कुमार राय, तहसीलदार युद्धवीर सिंह ठाकुर (ओएसडी) और राय बहादुर सिंह नेगी शामिल हैं। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि पिछले दो वर्षों में दो कर्मचारी ओडीआई सूची से बाहर भी आए हैं, जिनमें महेंद्र लाल (वरिष्ठ सहायक) और राय बहादुर नेगी (रीडर) शामिल हैं।

वहीं, इस मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश उच्च न्यायालय ने सरकार से ओडीआई सूची मांगी है, लेकिन मुख्यमंत्री ने सदन में केवल तीन नामों का ही जिक्र किया है। उन्होंने पूछा कि क्या यही सूची अदालत में पेश की जाएगी या इसमें और नाम भी शामिल हैं। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके पास फिलहाल पूरी जानकारी नहीं है और यदि विपक्ष के पास अन्य नाम हैं तो वे सरकार को दें, उन पर भी कार्रवाई की जाएगी।

विधानसभा में एक अन्य सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले तीन वर्षों में विभिन्न मामलों की जांच के लिए राज्य सरकार ने कुल दस जांच समितियां गठित की थीं, जिनमें से नौ अपनी रिपोर्ट सरकार को सौंप चुकी हैं। इन रिपोर्टों के आधार पर संबंधित विभागों द्वारा कार्रवाई भी की गई है।

इसके अलावा उन्होंने बताया कि 31 जुलाई 2025 तक सरकार ने विभिन्न विभागों में कुल 25 मंत्रिमंडलीय उप समितियां बनाई थीं, जिनका उद्देश्य अलग-अलग प्रशासनिक और नीतिगत मामलों की समीक्षा करना है। राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी की अध्यक्षता में एक विशेष कैबिनेट उप समिति भी बनाई गई है, जो मंत्रिमंडल के लागू और लंबित फैसलों की समीक्षा कर रही है। इस समिति ने 31 दिसंबर 2024 तक के फैसलों की समीक्षा पूरी कर ली है, जबकि एक जनवरी 2025 से 30 जून 2025 तक के फैसलों की समीक्षा अभी जारी है।

### शासन प्रणाली को देंगे सुदृढ़ दिशा

**अब** निगाहें इस बात पर टिक गई हैं कि सरकार इस घोषणा को किस तेजी और कठोरता के साथ लागू करती है। सियासी गलियारों में यह फैसला एक बड़े प्रशासनिक शुद्धिकरण अभियान के रूप में देखा जा रहा है, जो आने वाले समय में शासन-प्रणाली की दिशा तय कर सकता है। मुख्यमंत्री ने सदन में दृढ़ स्वर में कहा कि संदिग्ध निष्ठा वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को अब संरक्षण नहीं मिलेगा, बल्कि सरकार व्यवस्था को ईमानदार और जवाबदेह बनाने के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगी।

### ओडीआई ?

**ऑफिसर्स** ऑफ डाउटफुल इंटिग्रिटी (ओडीआई) यानी संदिग्ध ईमानदारी वाले अधिकारी वे सरकारी कर्मचारी या अधिकारी होते हैं जिनकी नैतिकता और ईमानदारी पर भरोसा नहीं किया जा सकता। ये अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग करके भ्रष्टाचार, गड़बड़ी या अनैतिक कार्य कर सकते हैं। ऐसे लोग न केवल कानून और नियमों का उल्लंघन करते हैं, बल्कि आम जनता के विश्वास को भी चोट पहुंचाते हैं। इनके कारण प्रशासनिक तंत्र कमजोर होता है और समाज में अविश्वास फैलता है। इसलिए इन्हें चिन्हित करना और सुधारना आवश्यक है।

### 23 मार्च को होगी कैबिनेट की अहम बैठक

**शिमला।** विधानसभा के जारी बजट सत्र के बीच प्रदेश सरकार ने एक अहम कदम उठाते हुए 23 मार्च को कैबिनेट बैठक बुलाने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में होने वाली यह बैठक सुबह साढ़े दस बजे सचिवालय में आयोजित होगी। सत्र के दौरान बढ़ती सियासी हलचल और विभिन्न मुद्दों पर जारी बहस के बीच इस बैठक को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें सरकार आगामी रणनीति और फैसलों को अंतिम रूप दे सकती है।

## न्यूज शॉर्ट्स

### असम कांग्रेस के सांसद बोरदोलोई भाजपा में शामिल

**एजेंसी, गुवाहाटी।** असम के नगांव से लोकसभा सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देकर बुधवार को भाजपा में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया की मौजूदगी में यह औपचारिकता पूरी हुई। बोरदोलोई ने अपना इस्तीफा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेजा, जिसमें उन्होंने सभी पदों, विशेषाधिकारों और सदस्यता से अपने इस्तीफे की जानकारी दी। यह कदम राज्य में 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। (अनंत ज्ञान)

### आदि कैलाश यात्रा 1 मई से होगी शुरू

**एजेंसी, पिथौरागढ़।** एक मई से आदि कैलाश यात्रा शुरू हो जाएगी, जब शिव-पार्वती मंदिर के कपाट खुलेंगे। 14,500 फुट की ऊंचाई पर स्थित इस पावन धाम के द्वार खुलना यात्रा के औपचारिक शुभारंभ का प्रतीक है। ग्रामीणों का शीतकालीन प्रवास समाप्त होकर सीमांत गांवों में वापसी का सिलसिला भी शुरू होगा। ग्राम प्रधान नगेंद्र सिंह कुटियाल और पुजारियों ने व्यवस्थाओं पर बैठक कर कपाट खोलने का निर्णय लिया। श्रद्धालु आदि कैलाश और पार्वती सरोवर के दर्शन व पूजन कर सकेंगे। (अनंत ज्ञान)

### अंदर के पन्नों पर पढ़ें


- प्रदेश में वीआईपी कल्चर पर सर्जिकल वार -पेज 2
- शिक्षा की गुणवत्ता में हो रहा सुधार: आरएस बाली -पेज 5
- 27 घंटे बाद बहाल हुआ पठानकोट भरमौर एनएच -पेज 7
- छह दिन बाद गुमशुदा महिला सुरक्षित बरामद, पति के सुपुर्द -पेज 9
- बस किराया बढ़ा तो बुजुर्ग को पार्सल करने की कोशिश -पेज 13


### हिमाचल के 12 आईएएस 5 राज्यों के विस चुनाव में बनाए चुनाव पर्यवेक्षक

**अनंत ज्ञान, शिमला।** पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए हिमाचल प्रदेश के 12 आईएएस अधिकारियों को चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। इसे देखते हुए राज्य सरकार ने इनके विभागों का अतिरिक्त कार्यभार 9 अन्य अफसरों को सौंपा है। 2004 बैच की प्रियंका बासु इंगिटी, सचिव पशुपालन रितेश चौहान, डायरेक्टर ऊर्जा राकेश कुमार प्रजापति, विशेष सचिव युवा सेवाएं हरिकेश मीना, डायरेक्टर ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज राघव शर्मा सहित अन्य अफसरों की ड्यूटी चुनाव में लगी है। इसके अलावा डीसी नेगी को डायरेक्टर परिवहन विभाग, आईएसएस आशीष सिंहमार को सचिव पशुपालन, आबिद हुसैन सादिक को डायरेक्टर ऊर्जा और तोरुल एस रविश को डिजिटल तकनीक एवं एचआरटीसी का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। अन्य आईएसएस अधिकारियों को भी स्वास्थ्य, ऊर्जा और ग्रामीण विकास जैसे विभागों का अतिरिक्त जिम्मा दिया गया है।

# हिमाचल में सरकारी कर्मचारियों के लिए ड्रेस कोड जारी

अनंत ज्ञान

**सत्यदेव भारद्वाज, शिमला।** हिमाचल सरकार ने सभी विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए ड्रेस कोड और सोशल मीडिया के उपयोग को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सरकारी कर्मचारियों को कार्यालय में साफ-सुथरे, शालीन और औपचारिक कपड़े पहनना अनिवार्य होगा। पुरुष कर्मचारियों को शर्ट-पैंट और महिला कर्मचारियों को साड़ी, सूट या अन्य औपचारिक परिधान पहनने के निर्देश दिए गए हैं। जींस और टी-शर्ट जैसे अनौपचारिक कपड़ों से परहेज करने को कहा गया है।

### ◆सुक्खू सरकार ने जींस टीशर्ट पर लगाई रोक

सरकार ने अपने आदेश कहा है कि सरकारी कर्मचारियों को हमेशा औपचारिक, साफ-सुथरे और सादे रंगों के कपड़े पहनने चाहिए। कोर्ट में पेशी या कार्यालय में उपस्थिति के दौरान कैजुअल या पार्टी वियर से पूरी तरह परहेज करना होगा। आदेश में कहा गया है कि सरकारी कर्मचारी का पहनावा उसके पेशेवर व्यवहार और कार्यस्थल की गरिमा को दर्शाता है।

### सोशल मीडिया पर अनुशासन बनाए रखने के दिए निर्देश

**सीएम** सुक्खू ने कर्मचारियों को सोशल मीडिया पर अनुशासन बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। आदेश में कहा गया है कि कोई भी कर्मचारी व्यक्तिगत सोशल मीडिया अकाउंट से सरकारी नीतियों, फैसलों या राजनीतिक/धार्मिक विषयों पर टिप्पणी नहीं करेगा। साथ ही, बिना अनुमति किसी भी आधिकारिक जानकारी को सार्वजनिक करने पर रोक लगाई गई है। वहीं, कार्मिक विभाग के निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि बिना अनुमति कोई भी अधिकारी या कर्मचारी किसी आधिकारिक दस्तावेज या जानकारी को सार्वजनिक नहीं करेगा। यदि कोई कर्मचारी किसी सार्वजनिक मंच या मीडिया में अपनी राय रखता है तो उसे यह स्पष्ट करना होगा कि यह उसके निजी विचार हैं, सरकार के नहीं। सरकार ने चेतावनी दी है कि इन निर्देशों का उल्लंघन करने पर संबंधित कर्मचारी के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों को भी अपने अधीन कर्मचारियों में इन नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।

### सोशल मीडिया पोस्ट मामला

## गगरेट के कांग्रेसी नेता अनिल डढवाल न्यायिक हिरासत में, तिहाड़ जेल भेजे

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक पोस्ट करने के आरोप में दिल्ली पुलिस की जांच का सामना कर रहे गगरेट के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनिल डढवाल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पटियाला हाउस कोर्ट ने बुधवार को उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजकर तिहाड़ जेल भेजने का आदेश दिया। उनकी जमानत याचिका पर वीरवार को सुनवाई होगी। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने 25 फरवरी को इस मामले में केस दर्ज किया था। पुलिस टीम डढवाल के पैतृक गांव पहुंची थी, लेकिन न मिलने पर नोटिस चस्पा किया गया। इसके बाद डढवाल स्वयं जांच में शामिल होने दिल्ली आए, जहां लंबी पूछताछ के बाद उन्हें गिरफ्तार कर एक दिन का पुलिस रिमांड मिला।

हिमाचल प्रदेश अनुसूचित जाति आयोग के चेयरमैन कुलदीप कुमार धीमान ने इस कार्रवाई को केंद्र सरकार की तानाशाही करार देते हुए कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित होती जा रही है और आम नागरिक भी सोशल मीडिया पर अपनी राय व्यक्त करने में डर रहे हैं, जो लोकतंत्र के लिए चिंताजनक संकेत हैं।

# इंदौर में कार चार्जिंग करते समय घर में लगी आग, आठ की गई जान

**एजेंसी, इंदौर**

इंदौर में इलेक्ट्रिक कार टाटा पंच में चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई, जिसने तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में कारोबारी मनोज पुगलिया, उनकी गर्भवती बहू सिमरन सहित 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हैं। मारे गए लोगों में से 6 मनोज के रिश्तेदार थे, जो मंगलवार को बिहार के किशनगंज से आए थे। घटना बुधवार तड़के 3.30 से 4 बजे के बीच बंगाली चौराहे के पास ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी की है।

पुलिस के अनुसार, आग ने घर के अंदर रखे गैस सिलेंडरों को अपनी चपेट में ले लिया। इससे एक के बाद एक सिलेंडर फटने लगे। धमाका इतना तेज था कि मकान का एक हिस्सा ढह गया। घर में लगे डिजिटल लॉक खुल नहीं पाए, इसके कारण अंदर सो रहे लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। शहरवासियों ने बताया कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सूचना देने के करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंचीं। परिवार ने तिलकनगर मुक्तिधाम में शवों का अंतिम संस्कार किया।

वहीं, पीएम मोदी ने ट्वीट कर हादसे पर दुख जताया। उन्होंने मृतकों के परिजन को 2-2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की है। (अनंत ज्ञान)

# दिल्ली में 4 मंजिला इमारत में लगी आग एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत

**एजेंसी, नई दिल्ली**

दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के साध नगर, पालम इलाके में बुधवार को चार मंजिला इमारत में आग लग गई। आग की इस घटना में 3 बच्चों समेत एक ही परिवार के 9 लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग अस्पताल में भर्ती हैं।

जानकारी के अनुसार, आग लगने के बाद इमारत के अंदर एक ही परिवार के लोग फंस गए थे। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग, दिल्ली पुलिस और एंबुलेंस की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और राहत-बचाव अभियान शुरू किया गया।

आग लगने की वजह नीचे भूजल पर शॉट सर्किट होना माना जा रहा है। नीचे की मंजिलों से ही आग ऊपर के मंजिलों में पहुंची और परिवार फंस गया। भूजल पर परिवार की कॉस्मेटिक एवं कपड़ों की दुकानें हैं, जबकि ऊपर की मंजिलों में परिवार रहता है।

अधिकारियों के अनुसार हादसे में घायल हुए तीन बच्चों को पालम स्थित दिव्य प्रस्थ अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार चल रहा है। मौके पर तीन एंबुलेंस तैनात की गई थीं, जबकि अन्य एंबुलेंस संकरी और भीड़भाड़ वाली जगह के कारण कुछ दूरी पर खड़ी रहीं। (अनंत ज्ञान)

## चिट्टा मामले में नवविवाहित दंपती अदालत में पेश

अनंत ज्ञान

### ◆तीन दिन पहले किया था प्रेम विवाह, सुंदरनगर होटल से हुई थी गिरफ्तारी

**सुंदरनगर।** जिला मंडी के सुंदरनगर में चिट्टा बरामदगी मामले में गिरफ्तार नवविवाहित दंपती को बुधवार को अदालत में पेश किया गया, जहां से आगे की कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच तेज करते हुए नशे की खेप के स्रोत और इसके संभावित नेटवर्क की पड़ताल शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि सुंदरनगर पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत मंगलवार शाम बस अड्डा क्षेत्र के एक निजी होटल में दबिश देकर मंडी के जेल रोड निवासी युवक और कांगड़ा के द्रंग क्षेत्र की युवती को 21.017 ग्राम हेरोइन सहित गिरफ्तार किया था। दोनों ने महज तीन दिन पहले ही प्रेम विवाह किया था और होटल के कमरे में ठहरे हुए थे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि युवक कथित रूप से क्षेत्र की एक कुख्यात महिला नशा तस्कर का बेटा है, जिससे मामले को और गंभीरता से लिया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ जारी है और यह पता लगाया जा रहा है कि नशे की खेप कहां से लाई गई थी और इसे आगे कहां पहुंचाया जाना था।

# वेनेजुएला-ईरान के बाद क्यूबा पर हमला कर सकता है अमेरिका

**एजेंसी, वॉशिंगटन**

### ◆डोनाल्ड ट्रंप बोले- क्यूबा को हासिल करके रहूंगा, 65 साल से है दोनों देशों में विवाद

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने ओवल ऑफिस में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वह 'क्यूबा को अपने कब्जे में लेने' का इरादा रखते हैं। उन्होंने कहा कि किसी न किसी रूप में क्यूबा को लूंगा... चाहे मैं उसे आजाद करूं या अपने नियंत्रण में ले लूं। मैं उसके साथ कुछ भी कर सकता हूं।

न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक ट्रंप के इस बयान को काफी चौंकाने वाला माना जा रहा है। अमेरिका के इतिहास में कई राष्ट्रपति क्यूबा के साथ तनावपूर्ण रिश्तों में रहे हैं, लेकिन किसी ने भी इस तरह खुले तौर पर क्यूबा पर कब्जा करने की बात नहीं कही थी। इस साल ट्रंप पहले ही वेनेजुएला और ईरान में सैन्य कार्रवाई कर चुके हैं। ऐसे में उनके बयान को सिर्फ मजाक या अचानक कही गई बात नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे एक संभावित अगला कदम समझा जा रहा है। अमेरिका और क्यूबा के संबंध 65 साल से खराब चल रहे हैं। ट्रंप ने इससे पहले रविवार को एयर फोर्स वन में भी कहा था कि मैं क्यूबा को संभाल रहा हूं, जल्द ही हम कोई डील करेंगे या जो करना होगा करेंगे। उन्होंने यह भी साफ किया कि उनकी प्राथमिकता पहले ईरान, उसके बाद क्यूबा है। (अनंत ज्ञान)

**सेवानिवृत्ति** पीएम बोले-संसद एक ओपन यूनिवर्सिटी, राजनीति में कभी फुल स्टॉप नहीं

# राज्यसभा में 59 सांसदों को दी भावपूर्ण विदाई

**एजेंसी, नई दिल्ली**

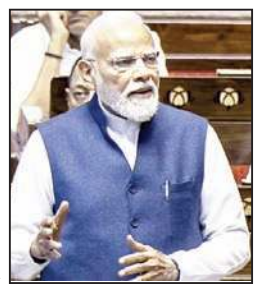

राज्यसभा में बुधवार को एक भावुक और गरिमामय माहौल देखने को मिला, जब अप्रैल से जुलाई के बीच सेवानिवृत्त होने जा रहे 59 सांसदों को औपचारिक विदाई दी गई। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद की भूमिका, वरिष्ठ नेताओं के योगदान और लोकतांत्रिक परंपराओं की अहमियत पर विस्तार से बात की। विदाई पाने वाले प्रमुख नेताओं में पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख शरद पवार, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के नेता रामदास आठवले शामिल रहे। हालांकि, शरद पवार और रामदास आठवले दोबारा राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो चुके हैं।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में संसद को 'ओपन यूनिवर्सिटी' बताते हुए कहा कि यहां हर दिन सीखने और सिखाने का अवसर मिलता है। संसद में होने वाली बहसें, चर्चाएं और विचार-विमर्श लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं। उन्होंने कहा कि यह सदन एक ऐसा मंच है जहां विभिन्न विषयों पर चर्चा होती है, अलग-अलग विचार सामने आते हैं और हर सदस्य का योगदान महत्वपूर्ण होता है।

पीएम ने एक महत्वपूर्ण संदेश देते हुए कहा कि राजनीति में कभी पूर्ण विराम नहीं होता। उन्होंने विदा हो रहे सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि उनका अनुभव और योगदान हमेशा देश के काम आएगा। उन्होंने कहा, भविष्य आपका इंतजार कर रहा है। कुछ लोग फिर से सदन में लौट सकते हैं, तो कुछ सामाजिक जीवन में अपने अनुभव का उपयोग करेंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि जो नेता अब सक्रिय संसदीय भूमिका में नहीं रहेंगे, उनका योगदान फिर भी राष्ट्रीय जीवन का स्थायी हिस्सा बना रहेगा।

प्रधानमंत्री ने इस मौके पर सभी सांसदों से दलीय राजनीति से ऊपर उठकर एक-दूसरे का सम्मान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत आपसी सम्मान और संवाद में है। जब विदाई का समय आता है, तो हम सब पार्टी की भावना से ऊपर उठकर एक समान भाव से अपने साथियों के योगदान को याद करते हैं।

वरिष्ठ नेताओं के योगदान की सराहना पीएम मोदी ने अपने भाषण में कई वरिष्ठ नेताओं का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और शरद पवार की सराहना करते हुए कहा कि इन नेताओं ने अपने जीवन का बड़ा हिस्सा सार्वजनिक सेवा और संसदीय कार्य में समर्पित किया है। उन्होंने कहा कि नए सांसदों को इन अनुभवी नेताओं से सीखना चाहिए और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाना चाहिए। (अनंत ज्ञान)

### खड़गे मजाकिया अंदाज में देवगौड़ा से बोले- प्रेम हमसे, शादी मोदी से

**इस** अवसर पर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने भी अपने अंदाज में माहौल को हल्का किया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा का जिक्र करते हुए मजाकिया लहजे में कहा कि 'मुझे नहीं पता क्या हुआ, उन्होंने मुहूर्त हमारे साथ देखा, लेकिन शादी मोदीजी के साथ कर ली।' खड़गे के इस बयान पर सदन में हल्की हंसी भी देखने को मिली। उन्होंने यह भी कहा कि शरद पवार जैसे नेता दोबारा सदन में लौटेंगे और अपनी सक्रिय भूमिका जारी रखेंगे।

# राजधानी में महंगाई की मार के बीच भक्ति का उजाला

## नवरात्र को लेकर मंदिरों में सजी आस्था की चौकियां, मां के आगमन की आहट, शहर में भक्तिमय माहौल

अनंत ज्ञान

**सत्यदेव भारद्वाज, शिमला।** शहर-ए-शिमला में आस्था की फिजा फिर से महक उठी है, क्योंकि चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व 19 मार्च से शुरू हो रहा है। मंदिरों में रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों की सजावट और भक्ति गीतों की गूंज के बीच मां दुर्गा के स्वागत की तैयारियां अपने शबाब पर हैं। यह पर्व न केवल देवी आराधना का प्रतीक है, बल्कि हिंदू नववर्ष की शुरुआत का भी शुभ संकेत लेकर आता है, जिससे श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

इस बार नवरात्रि की शुरुआत विशेष शुभ योगों के संयोग में हो रही है, जिससे इसका धार्मिक महत्व और बढ़ गया है। पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा के साथ घटस्थापना की जाएगी। इसके लिए सुबह 6:54 से 7:58 बजे तक पहला शुभ मुहूर्त और दोपहर 12:05 से 12:53 बजे तक अभिजीत मुहूर्त रहेगा। ज्योतिषीय दृष्टि से राजयोग, सर्वार्थ सिद्धि योग और ब्रह्म योग का संगम इस नवरात्र को अत्यंत मंगलकारी बना रहा है।

हालांकि, इस बार आस्था के इस पर्व पर महंगाई की हल्की परछाईं भी पड़ती नजर आ रही है। व्यावसायिक गैस सिलिंडरों की किल्लत और बढ़ती कीमतों ने मंदिरों में होने वाले भंडारों की व्यवस्था को प्रभावित किया है। कई प्रमुख मंदिरों में अब लकड़ी और डीजल भट्ठियों का सहारा लिया जा रहा है, ताकि भक्तों के प्रसाद और भंडारे में कोई कमी न आए। यह बदलाव जहां प्रबंधन के लिए चुनौती है, वहीं श्रद्धालुओं की सेवा भावना इसे सहज बना रही है।

### चलाई जाएंगी विशेष बसें

**शहर** के प्रमुख मंदिरों में सुबह छह बजे से ही कपाट खुल जाएंगे और सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं। अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती के साथ-साथ श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विशेष बस सेवाएं भी चलाई जाएंगी, खासकर तारादेवी मंदिर के लिए। कालीबाड़ी और अन्य मंदिरों में भी सुबह से ही पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठान शुरू हो जाएंगे। नवरात्रि के इन नौ दिनों में भक्ति, संयम और श्रद्धा का जो संगम देखने को मिलता है, वह हर दिल को सुकून देता है। महंगाई और संसाधनों की चुनौतियों के बावजूद श्रद्धालुओं की आस्था में कोई कमी नहीं आई है। यही वजह है कि हर साल की तरह इस बार भी शिमला देवीमय रंग में रंगने को तैयार है, जहां हर गली, हर मंदिर और हर दिल में मां दुर्गा का वास महसूस होगा।

# पंचायत चुनाव को लेकर हलचल तेज, पहली अप्रैल तक 18 साल के युवाओं के बनेंगे वोट

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, शिमला।** हिमाचल प्रदेश में प्रस्तावित पंचायत चुनावों को लेकर निर्वाचन प्रक्रिया तेज कर दी गई है। राज्य में पहली अप्रैल तक 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं के नाम मतदाता सूची में शामिल किए जाएंगे। इसके साथ ही प्रदेश की 392 पंचायतों में नई मतदाता सूचियां तैयार करने का निर्णय लिया गया है, जबकि अन्य पंचायतों में विशेष पुनरीक्षण के माध्यम से मौजूदा मतदाता सूचियों को अपडेट किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार हाल ही में 64 पंचायतों के वार्डों के परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब राज्य निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची तैयार करने की दिशा में अगला चरण शुरू करने की तैयारी कर ली है। आयोग 22 मार्च से इस प्रक्रिया को शुरू करने पर विचार कर रहा है। उपायुक्त कार्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि वे 20 मार्च तक परिसीमन से संबंधित कार्य पूरा करें, ताकि मतदाता सूची का काम समय पर शुरू हो सके।

चुनाव आयोग के पास अप्रैल का केवल एक महीना ही उपलब्ध है, क्योंकि मई में पंचायत चुनाव प्रस्तावित हैं। ऐसे में इस अवधि के दौरान मतदाता सूची तैयार करना, उसका प्रकाशन, आपत्तियां आमंत्रित करना और उनका निपटारा करना जैसी सभी औपचारिकताएं पूरी की जाएंगी। इसके अलावा चुनाव से संबंधित अन्य जरूरी प्रक्रियाओं को भी इसी समयसीमा में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

### विशेष पुनरीक्षण से अपडेट होंगी पुरानी सूचियां

**जिन** पंचायतों में वार्डों में बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, वहां विशेष पुनरीक्षण के तहत मौजूदा मतदाता सूची को आधार बनाया जाएगा। इस दौरान नए मतदाताओं को जोड़ा जाएगा और मृत या स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाए जाएंगे। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव सुरजीत सिंह राठौर ने बताया कि परिसीमन का कार्य पूरा होते ही प्रभावित पंचायतों में नई मतदाता सूचियां बनाई जाएंगी, जबकि अन्य पंचायतों में विशेष पुनरीक्षण किया जाएगा। इस पूरी प्रक्रिया में बूथ स्तर अधिकारियों की अहम भूमिका रहेगी।

◆ **392 पंचायतों में नई मतदाता सूचियां तैयार**

## न्यूज ब्रीफ

### विनय कुमार ने नवरात्र पर दी शुभकामनाएं

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने चैत्र नवरात्र के पावन अवसर पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि नवरात्र का पर्व केवल पूजा-अर्चना का ही नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि, अनुशासन और आदर्श जीवन मूल्यों को अपनाने का संदेश भी देता है। उन्होंने कहा कि नौ दिनों तक देवी के विभिन्न स्वरूपों की आराधना करते हुए मनुष्य अपने भीतर श्रद्धा, संयम और धर्म के प्रति आस्था को प्रबल करता है, जो जीवन को सही दिशा देने में सहायक होती है। विनय कुमार ने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे इस पावन अवसर पर समाज में सद्भाव, भाईचारा और सकारात्मकता को बढ़ावा दें तथा अपने आचरण और विचारों में पवित्रता लाकर एक बेहतर समाज के निर्माण में योगदान दें।

### पंचायत समिति मशोबरा में 15 वार्ड निर्धारित

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** पंचायत समिति मशोबरा के वार्ड नंबर सात (पीरन) के परिसीमन को लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई है। खंड विकास अधिकारी मशोबरा अंकित कोटिया ने प्रस्तावना आमजन के अवलोकन के लिए सार्वजनिक करते हुए कहा है कि इस संबंध में कोई भी व्यक्ति अपनी आपत्तियां, दावे अथवा सुझाव तीन दिन के भीतर खंड विकास अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत कर सकता है। अधिसूचना के अनुसार पंचायत समिति मशोबरा में कुल 15 वार्ड निर्धारित किए गए हैं, जिनमें प्रत्येक वार्ड में दो या तीन पंचायतों को शामिल किया गया है। इनमें गुम्मा, बलदेयां, मशोबरा, मूलकोटी, ढल्ली, दरभोग, पीरन, कोटी, जनेडघाट, चमियाणा, मल्याणा, पुजारली, भौंट और नालदेहरा सहित विभिन्न वार्डों की संरचना तय की गई है।

### आंगनबाड़ी केंद्र में सजा बचपन का रंगीन संसार

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** शिमला के कैथू स्थित मेफील्ड स्कूल के आंगनबाड़ी केंद्र में रोटरी क्लब शिमला के रोटरी पार्टनर्स ने 'हैप्पी स्कूल्स' परियोजना के तहत एक सुसज्जित टॉय रूम स्थापित किया। इस पहल ने बच्चों के सीखने और खेलने के अंदाज को नई रौनक दी है। टॉय रूम में रंग-बिरंगे खिलौने, रचनात्मक खेल सामग्री और आरामदायक फ्लोर मैट्स रखे गए हैं, जो बच्चों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित करते हैं। अध्यक्ष अंकिता बंबा और सान्या गोयल ने बिल्डिंग ब्लॉक्स, स्लाइड, रंग और अन्य शिक्षाप्रद सामग्री भेंट की। इन संसाधनों से बच्चों की कल्पनाशक्ति, मानसिक और शारीरिक विकास को मजबूती मिलेगी। उपस्थित लोगों ने इसे समाज और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए प्रेरक कदम बताया, जो शिक्षा को आनंदमय बनाता है।

### मेहनत और आत्मविश्वास का दिया संदेश

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** शिमला के राजकीय कन्या महाविद्यालय में स्नातक अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए विदाई समारोह 'उड़ान' बेहद खूबसूरत और जज्बाती अंदाज में आयोजित किया गया। महाविद्यालय सभागार में प्राचार्य अनुरिता सक्सेना, पीटीए प्रतिनिधियों, प्राध्यापकों और छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समारोह में वरिष्ठ छात्राओं की शैक्षणिक उपलब्धियों और महाविद्यालय में उनके योगदान को याद किया गया, जिससे आत्मीय माहौल बना। जूनियर छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, मॉडलिंग और मनोरंजक गतिविधियों के जरिए अपनी सीनियर्स के प्रति सम्मान और मोहब्बत जताई। प्राचार्य ने जीवन के अगले पड़ाव के लिए मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास का संदेश दिया। कार्यक्रम का समापन सामूहिक भोज के साथ हुआ, जिसमें सभी ने मिलकर यादों के इस खूबसूरत सफर को संजोया।

### निःशुल्क कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** शिमला में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा अनुसूचित जाति वर्ग के युवाओं के लिए प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अनुदान योजना के तहत निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया है। नीलिट शिमला के सहयोग से दो कोर्स संचालित किए जाएंगे- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी और ऑफिस ऑटोमेशन, अकाउंटिंग एवं पब्लिशिंग असिस्टेंट। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स तीन माह का होगा, प्रतिदिन दो घंटे प्रशिक्षण के साथ, जबकि दूसरे कोर्स की अवधि तीन माह और प्रतिदिन चार घंटे निर्धारित है। आवेदक का अनुसूचित जाति वर्ग का होना और हिमाचल प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। चयन मेरिट और दस्तावेज सत्यापन पर होगा। प्रशिक्षण में 85% उपस्थिति पर प्रतिमाह 2000 रुपए का मानदेय मिलेगा। महिला अभ्यर्थियों के लिए 30% सीटें आरक्षित हैं और जिला शिमला के लिए कुल 50 सीटें निर्धारित की गई हैं।

# शिमला के जंगलों में गुच्छी का इंतजार

## बारिश से जमीन में लौटी नमी, बढ़ी आस लेकिन कम बर्फबारी ने तोड़ी शुरुआती उम्मीदें

अनंत ज्ञान

**सत्यदेव भारद्वाज, शिमला।** जिला शिमला के ऊंचे-नीचे पहाड़ी जंगलों में आजकल खामोश इंतजार का आलम पसरा हुआ है, जहां कुदरत के इस नायाब तोहफे गुच्छी की आमद हर साल फरवरी से शुरू हो जाया करती थी, मगर इस बार मौसम की बेरुखी ने इसकी दस्तक को टाल दिया। रोहड़ू, कोटखाई, चौपाल, रामपुर, निरथ, निरथ, रोहड़ू, गोपालपुर सहित कई दुर्गम इलाकों में जंगलों की सैर करने वाले लोगों को इस बार गुच्छी की झलक तक नसीब नहीं हुई, जिससे ग्रामीणों के चेहरों पर मायूसी और बेचैनी साफ झलकने लगी थी। लेकिन मार्च माह में हुई ताज़ा बारिश ने इस मायूसी के दामन में उम्मीद की रौशनी भर दी है, और अब हर किसी की निगाहें जंगलों की जमीन पर टिकी हैं, जहां से जल्द ही गुच्छी के उभरने की उम्मीद की जा रही है।

दरअसल, इस वर्ष सर्दियों में बर्फबारी का सिलसिला कमज़ोर रहा और लंबे वक्त तक सूखे जैसे हालात बने रहे, जिससे जंगलों की मिट्टी में वह नमी पैदा नहीं हो सकी जो गुच्छी के उगने के लिए बेहद ज़रूरी मानी जाती है। गुच्छी एक बेहद दुर्लभ और कीमती जंगली मशरूम है, जो केवल हिमालयी क्षेत्रों में प्राकृतिक रूप से उगती है और इसके लिए मौसम का मिजाज नाज़ुक और संतुलित होना लाजिमी है। ठंडक, नमी और हल्की बारिश का संगम जैसे ही बनता है, वैसे ही यह अनमोल नेमत ज़मीन से बाहर झांकने लगती है। इस बार फरवरी में इसकी गैरमौजूदगी ने लोगों को हैरान किया, लेकिन अब बारिश के बाद जंगलों में नमी लौटने से हालात बदलते नज़र आ रहे हैं।

स्थानीय ग्रामीण गुलाब सिंह, संत राम, विजय थापा, प्रकाश, मोती लाल और अन्य बताते हैं कि गुच्छी उनके लिए महज़ एक जंगली उत्पाद नहीं, बल्कि रोज़ी-रोटी का अहम ज़रिया है।

शिमला जिले के दुर्गम गांवों में रहने वाले लोग सुबह-सवेरे जंगलों की राह पकड़ते हैं और बड़ी मेहनत व सब्र के साथ गुच्छी की तलाश करते हैं। इसे इकट्ठा कर सुखाया जाता है और फिर बाजार में ऊंचे दामों पर बेचा जाता है। इसकी कीमत गुणवत्ता के अनुसार चार हजार से लेकर पंद्रह हजार रुपये प्रति किलो तक पहुंच जाती है। यही नहीं, गुच्छी का इस्तेमाल लज़ीज़ व्यंजनों में होता है और आयुर्वेदिक दृष्टि से भी इसे ताकत बढ़ाने वाली और कई रोगों में लाभकारी माना जाता है, जिससे इसकी मांग देश ही नहीं, बल्कि बाहरी बाजारों में भी बनी रहती है। व्यापारी इसे खरीदकर बड़े शहरों तक पहुंचाते हैं, जहां यह और भी महंगे दामों में बिकती है।

### देर से सही, लेकिन खुशहाली की दस्तक संभव

**अगर** आने वाले दिनों में मौसम मेहरबान बना रहता है, बीच-बीच में बारिश होती रहती है और जंगलों की मिट्टी में नमी कायम रहती है, तो इस बार भले ही गुच्छी का मौसम देर से शुरू हो, मगर इसकी पैदावार अच्छी होने की पूरी उम्मीद जताई जा रही है। विशेषज्ञों और स्थानीय जानकारों का भी मानना है कि अप्रैल की शुरुआत तक जंगलों में गुच्छी नज़र आ सकती है, जिससे ग्रामीणों की आमदनी में इजाफा होगा और पहाड़ की अर्थव्यवस्था को भी सहारा मिलेगा।

### पहाड़ की अनमोल दौलत की नई उम्मीद

**बारिश** के बाद जंगलों में लौटे पानी और नमी ने गुच्छी के उगने की संभावना बढ़ा दी है। यह न सिर्फ स्थानीय ग्रामीणों की आजीविका का मुख्य स्रोत है, बल्कि पहाड़ी समुदायों के सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन का अहम हिस्सा भी है। गुच्छी की उच्च कीमतें और इसकी औषधीय व पाक उपयोगिता इसे मूल्यवान बनाती हैं। विशेषज्ञों के अनुसार यदि मौसम अनुकूल बना रहा, तो अप्रैल तक जंगलों में गुच्छी दिखाई दे सकती है, जिससे ग्रामीणों की आमदनी बढ़ेगी और पहाड़ की अर्थव्यवस्था में सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

# आरटीआई में जानकारी देने से इनकार बना विवाद

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, शिमला।** हिमाचल प्रदेश के सरकारी उपक्रम एचपीएमसी एक बार फिर पारदर्शिता को लेकर विवादों में घिर गया है। सूचना का अधिकार के तहत मांगी गई महत्वपूर्ण जानकारी देने से इनकार करते हुए निगम ने जिस तरह कानून का हवाला दिया, उसने इसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस मामले ने न केवल आरटीआई कानून की प्रभावशीलता बल्कि सरकारी तंत्र की जवाबदेही को भी कटघरे में ला खड़ा किया है।

राज्य के पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त नरेंद्र चौहान ने एचपीएमसी के इस रुख को अनुचित करार दिया है। उनका कहना है कि मुख्यमंत्री कार्यालय का ईमेल, एमआईएस योजना के तहत सेब खरीद से जुड़े प्रस्ताव, खरीद केंद्रों की कार्यप्रणाली और टेंडर दस्तावेज जैसी जानकारियां स्पष्ट रूप से आरटीआई के दायरे में आती हैं। ऐसे में इन सूचनाओं को साझा न करना नियमों और पारदर्शिता दोनों के खिलाफ है।

मामले की शुरुआत तब हुई जब शिमला के शिलारू निवासी सेवानिवृत्त मुख्य अभियंता एवं सेब बागवान सुरेंद्र ठाकुर ने 30 जनवरी 2026 को नौ बिंदुओं पर जानकारी मांगते हुए आरटीआई आवेदन दायर किया। हालांकि, उन्हें केवल दो बिंदुओं पर ही जानकारी दी गई, जबकि शेष 7 बिंदुओं को आरटीआई के दायरे से बाहर बताकर खारिज कर दिया गया। इस निर्णय को लेकर अब सवाल उठने लगे हैं और पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया है।

◆ **एचपीएमसी की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल**

### हाईकोर्ट की राह पकड़ सकते हैं आवेदक

**सुरेंद्र** ठाकुर ने एचपीएमसी के रवैये को निराशाजनक बताते हुए कहा कि आरटीआई कानून का मूल उद्देश्य शासन में पारदर्शिता लाना और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना है, लेकिन यहां उल्टा सूचना को छिपाने का प्रयास किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि सूचना आयोग में लंबे समय से पद खाली होने के कारण वह अपने अधिवक्ता से सलाह लेकर इस मामले को हाईकोर्ट में चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं।

# नवनियुक्त राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे से की शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से शिष्टाचार भेंट करते राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, शिमला।** नवनियुक्त राज्यसभा सांसद अनुराग शर्मा ने आज नई दिल्ली में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से शिष्टाचार मुलाकात की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच समसामयिक राजनीतिक परिस्थितियों, संसद के आगामी सत्र और जनहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

अनुराग शर्मा ने राज्यसभा में अपने नए दायित्वों को प्रभावी ढंग से निभाने के लिए मार्गदर्शन भी प्राप्त किया। मुलाकात के दौरान खड़गे ने अनुराग शर्मा को राज्यसभा सदस्य के रूप में नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। उन्होंने उम्मीद जताई कि शर्मा संसद में जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाएंगे और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने में अपनी भूमिका निभाएंगे। ये मुलाकात राजनीतिक शिष्टाचार के साथ-साथ संगठनात्मक समन्वय की तरफ भी संकेत करती है।

### पर्यटन निगम के होटलों के निजीकरण के विरोध में काले बिल्ले लगाकर जताया रोष

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** हिमाचल प्रदेश विधानसभा परिसर में आज उस वक्त अलग ही मंजर देखने को मिला, जब पर्यटन निगम के होटलों को निजी हाथों में सौंपने के प्रस्ताव के खिलाफ कर्मचारियों ने अपने बाजुओं पर काले बिल्ले बांधकर खामोश एहतिजाज दर्ज किया। कर्मचारियों का कहना है कि यह फैसला न केवल उनके रोज़गार पर खतरा बनकर मंडरा रहा है, बल्कि प्रदेश की सार्वजनिक संपत्तियों के निजीकरण की राह भी खोल रहा है। विरोध के इस अनोखे तरीके के बीच कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन भी करते रहे, जिससे व्यवस्था पर कोई प्रतिकूल असर न पड़े। इसी दौरान विधानसभा परिसर में भोजन और चाय की व्यवस्था भी बदली नजर आई, जहां पारंपरिक तरीकों की जगह इंडक्शन पर खाना और चाय तैयार की जा रही है। कर्मचारियों ने साफ तौर पर चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने इस फैसले पर पुनर्विचार नहीं किया, तो उनका विरोध और तेज़ किया जाएगा। उन्होंने मांग उठाई कि पर्यटन निगम की संपत्तियों को निजी हाथों में देने के बजाय इन्हें सुदृढ़ कर कर्मचारियों और प्रदेश के हितों की हिफाज़त की जाए।

# भाजपा ने आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की

## केंद्र की योजनाओं को पहुंचाने पर दिया जोर, कांग्रेस पर साधा निशाना

जिला भाजपा की बैठक में उपस्थित पदाधिकारी व कार्यकर्ता। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, शिमला।** जिला शिमला बीजेपी की एक विशेष बैठक जिलाध्यक्ष केशव चौहान की अध्यक्षता में प्रदेश कार्यालय दीपकमल, चक्कर में आयोजित की गई। बैठक में आगामी संगठनात्मक कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाध्यक्ष केशव चौहान ने कहा कि केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और पार्टी के कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक प्रभावी रूप से लागू करने के लिए बूथ समितियों का गठन किया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जिला के सभी मंडलों में जाकर पूर्व भाजपा सरकार के विकास कार्यों और केंद्र की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य सुनिश्चित करें।

बैठक में पूर्व मंत्री सुरेश भारद्वाज ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार के समय शुरू किए गए कई विकास कार्य आज भी अधूरे पड़े हैं और वर्तमान कांग्रेस सरकार केवल उन पर श्रेय लेने का प्रयास कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्मार्ट सिटी सहित कई योजनाएं धरातल पर नहीं उतर पा रही हैं, जबकि शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन व्यवस्था भी प्रभावित हुई है। इस अवसर पर संगठन के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें संसदीय क्षेत्र प्रभारी अक्षय भरमौरी, प्रदेश सचिव कुसुम सदरेट, आईटी संयोजक निखिल कुमार सहित अन्य प्रमुख नाम शामिल रहे।

# शिमला विवि परिसर में नवीनीकृत उपडाकघर शुरू, अब एक छत के नीचे मिलेंगी सभी सेवाएं

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, शिमला।** शिमला डाक मंडल के तहत प्रदेश विश्वविद्यालय परिसर स्थित समरहिल उपडाकघर को एन-जेन नेक्स्ट जेनरेशन पहल के तहत नवीनीकृत कर मंगलवार को लोकार्पित किया गया। इस आधुनिक डाकघर का उद्घाटन मुख्य पोस्टमास्टर जनरल संजय सिंह और विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. महावीर सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर निदेशक डाक सेवाएं हरजिंदर सिंह भट्टी, प्रवर अधीक्षक कंचन सिंह चौहान, उप अधीक्षक देव राज सहित छात्र, मीडिया प्रतिनिधि और डाक विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे। यह पहल शैक्षणिक समुदाय को नागरिक-हितैषी और तकनीक-सक्षम सेवाएं सुलभ कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

मुख्य पोस्टमास्टर जनरल संजय सिंह ने बताया कि 'एन-जेन' पहल के तहत पहले चरण में देशभर में 46 डाकघरों का आधुनिकीकरण किया जा चुका है, जबकि दूसरे चरण में 80 डाकघरों को उन्नत किया जा रहा है, जिनमें समरहिल और नौणी उपडाकघर शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह नई व्यवस्था ग्राहक-हितैषी, डिजिटल रूप से सशक्त और एक ही छत के नीचे बचत योजनाएं, बीमा, डाक-पार्सल सेवाएं तथा ई-सेवाएं प्रदान करेगी। कुलपति डॉ. महावीर सिंह ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों और शिक्षकों को परिसर में ही सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध होंगी। यह कदम डाक विभाग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच तालमेल को भी मजबूत करेगा।

समरहिल उपडाकघर का लोकार्पण करते अधिकारी। अनंत ज्ञान

◆ **एन-जेन पहल के तहत समरहिल उपडाकघर अपग्रेड छात्रों को मिलेगा बड़ा लाभ**

### कांग्रेस सरकार के संरक्षण में फल-फूल रहा गुंडाराज : कपूर

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** भाजपा के प्रदेश वरिष्ठ प्रवक्ता त्रिलोक कपूर ने नालागढ़ में दिनदहाड़े हुई फायरिंग की घटना को लेकर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है और अपराधियों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि औद्योगिक क्षेत्र में भी खुलेआम फायरिंग जैसी घटनाएं हो रही हैं, जिससे आम जनता में भय का माहौल बन गया है। त्रिलोक कपूर ने आरोप लगाया कि यह घटना कोई अपवाद नहीं बल्कि प्रदेश में बढ़ते अपराधों की श्रृंखला का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि सरकार की ढीली कार्यप्रणाली और प्रशासनिक निष्क्रियता के कारण असामाजिक तत्वों को खुली छूट मिल रही है। उन्होंने मांग की कि मामले में सख्त कार्रवाई कर कानून व्यवस्था बहाल की जाए, अन्यथा भाजपा इस मुद्दे को सड़कों से लेकर सदन तक जोर-शोर से उठाएगी।

**बदलाव** प्रदेश सरकार के कैबिनेट रैंक वापसी के फैसले का दिखने लगा असर

# प्रदेश में वीआईपी कल्चर पर सर्जिकल वार

अनंत ज्ञान

**सत्यदेव भारद्वाज, शिमला।** प्रदेश सरकार ने कैबिनेट रैंक व उससे जुड़ी तमाम शानो-शौकत वापस लेने के फैसले का असर अब प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। एक दिन बाद ही इस निर्णय ने सत्ता के तौर-तरीकों में बदलाव की बुनियाद रख दी है, जहां सादगी, जवाबदेही और वित्तीय अनुशासन को प्राथमिकता मिलती नजर आ रही है।

सरकार के इस कदम का सबसे बड़ा असर उन नेताओं और पदाधिकारियों पर पड़ा है, जो अब तक मंत्री स्तर की सुविधाओं का लाभ उठा रहे थे। नरेश चौहान और सुनील कुमार बिट्टू जैसे सलाहकारों से लेकर नंदलाल, भवानी सिंह पठानिया, केहर सिंह खाची, गोकुल बुटेल और आरएस बाली तक सभी के अधिकार और सुविधाएं सीमित कर दी गई हैं। लग्जरी गाड़ियों की वापसी, निजी स्टाफ में कटौती और विशेष सुविधाओं का समाप्त होना अब जमीन पर लागू होता दिख रहा है।

देखा जाए तो आर्थिक दृष्टि से भी इस फैसले का असर स्पष्ट होने लगा है। सरकार ने वेतन और भत्तों में कटौती कर जहां एक ओर खजाने पर पड़ रहे बोझ को कम करने की दिशा में कदम बढ़ाया है, वहीं यह संदेश भी दिया है कि वित्तीय संकट के दौर में सत्ता को खुद उदाहरण पेश करना होगा। अनुमान है कि इस फैसले से हर साल करोड़ों रुपये की बचत होगी, जो विकास कार्यों में इस्तेमाल हो सकती है।

दूसरी तरफ राजनीतिक मायनों में यह निर्णय दूरगामी असर छोड़ सकता है। जहां एक ओर इसे वीआईपी कल्चर पर प्रहार के रूप में देखा जा रहा है, वहीं विपक्ष भी इस पर नजर बनाए हुए है। सत्ता के भीतर भी यह संदेश गया है कि अब पद और प्रभाव से ज्यादा जिम्मेदारी और जवाबदेही को महत्व दिया जाएगा। इससे आने वाले समय में अन्य विभागों और संस्थाओं में भी इसी तरह के कदम देखने को मिल सकते हैं।

### आर्थिक समीक्षा और सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम

**समग्र** रूप से देखा जाए तो यह फैसला सरकार की आर्थिक समीक्षा और सुधार की दिशा में उठाया गया अहम कदम साबित हो रहा है, जिसने प्रशासनिक व्यवस्था में एक नई सोच को जन्म दिया है। आने वाले दिनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह पहल केवल प्रतीकात्मक रहती है या वास्तव में शासन के हर स्तर पर सादगी और पारदर्शिता की स्थायी संस्कृति को स्थापित कर पाती है।

### सादगी से सुशासन की ओर बढ़ता कदम

**हिमाचल** सरकार का यह निर्णय केवल सुविधाओं में कटौती तक सीमित नहीं है, बल्कि यह शासन की कार्यशैली में व्यापक बदलाव का संकेत देता है। वीआईपी कल्चर पर रोक लगाकर सरकार ने यह स्पष्ट किया है कि जनता के संसाधनों का उपयोग जिम्मेदारी और पारदर्शिता के साथ होना चाहिए। इससे न केवल आर्थिक बचत होगी, बल्कि प्रशासन में जवाबदेही भी बढ़ेगी। यदि यह पहल निरंतर जारी रहती है, तो यह राज्य में सुशासन का मजबूत आधार बन सकती है।

◆ **लग्जरी सुविधाओं की विदाई से बदला सत्ता का मिजाज**

◆ **आर्थिक अनुशासन और जवाबदेही की ओर बड़ा कदम**

# विधानसभा
## बजट सत्र 2026-27

## विधानसभा की झलकियां

बजट सत्र में शामिल होने से पहले मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को पुलिस जवान सलामी देते हुए। अनंत ज्ञान

बजट सत्र के पहले दिन विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर से मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की शिष्टाचार भेंट। अनंत ज्ञान

बजट सत्र में शामिल होने से पूर्व विधानसभा पहुंचने पर संसदीय कार्य मंत्री हर्षवर्धन चौहान, डिप्टी चीफ व्हिप केवल पठानिया और विधायक मलेंद्र राजन ने मुख्यमंत्री सुक्खू का स्वागत किया। अनंत ज्ञान

# राज्यपाल अभिभाषण पर सदन में सकारात्मक बहस

## वादों, योजनाओं और वित्तीय स्थिति पर सत्ता-विपक्ष ने रखे अपने-अपने पक्ष, प्रदेश के विकास और योजनाओं पर फोकस

अनंत ज्ञान

**सत्यदेव भारद्वाज, शिमला।** हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे चरण में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा ने लोकतांत्रिक विमर्श को नई दिशा दी। सदन में विभिन्न जनहित से जुड़े विषयों पर गंभीरता से विचार-विमर्श हुआ, जहां सत्ता पक्ष ने अपनी नीतियों और उपलब्धियों को विस्तार से रखा, वहीं विपक्ष ने जनभावनाओं से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए सरकार से जवाबदेही सुनिश्चित करने का प्रयास किया। पूरे दिन की कार्यवाही में सकारात्मक बहस के साथ-साथ प्रदेश के विकास, आर्थिक स्थिति और सामाजिक योजनाओं पर व्यापक चर्चा देखने को मिली।

### सीएम ने योजनाओं की प्रगति रखी सामने

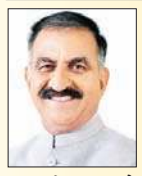

**मुख्यमंत्री** सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने चर्चा में हस्तक्षेप करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने पूर्व में शुरू की गई योजनाओं को आगे बढ़ाते हुए उन्हें अधिक प्रभावी और जनोन्मुख बनाया है। उन्होंने हिमकेयर और सहारा जैसी योजनाओं के विस्तृत आंकड़े प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्तमान सरकार के कार्यकाल में अधिक संख्या में लाभार्थियों को सहायता प्रदान की गई है, जिससे समाज के कमजोर वर्गों को संबल मिला है।

### जयराम ने अभिभाषण पर उठाए सवाल

**नेता** प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान कहा कि यह अभिभाषण सरकार के कामकाज का दर्पण होता है, लेकिन इसमें जमीनी स्तर की वास्तविकताओं का पर्याप्त प्रतिबिंब नहीं दिखा। उन्होंने महिलाओं को आर्थिक सहायता, युवाओं के लिए रोजगार और अन्य चुनावी गारंटियों का जिक्र करते हुए कहा कि इन वादों को धरातल पर उतारने की दिशा में और अधिक ठोस प्रयास अपेक्षित हैं।

### कटवाल ने गारंटियों के क्रियान्वयन पर दिया जोर

**भाजपा** विधायक जीतराम कटवाल ने चर्चा के दौरान कहा कि चुनावी घोषणाओं को प्रभावी ढंग से लागू करना लोकतांत्रिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कर्मचारियों के हितों का जिक्र करते हुए नियमित वेतन और भत्तों के समय पर भुगतान की आवश्यकता पर बल दिया और सरकार से इन विषयों पर ठोस कदम उठाने की अपेक्षा जताई।

### किशोरी लाल ने सरकार की नीतियों को सराहा

**कांग्रेस** विधायक किशोरी लाल ने सरकार की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और दूध के न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि जैसे फैसलों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। इन पहलों से किसानों और ग्रामीणों की आय में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है।

### प्रकाश राणा ने आर्थिक पहलुओं पर चिंता जताई

**भाजपा** विधायक प्रकाश राणा ने प्रदेश की वित्तीय स्थिति को लेकर अपनी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सरकार को संसाधनों के संतुलित उपयोग पर विशेष ध्यान देना चाहिए, खासकर तब जब पंचायत स्तर पर आधारभूत ढांचे व कर्मचारियों की उपलब्धता पहले से ही चुनौती बनी हुई है। नई इकाइयों के गठन के साथ वित्तीय प्रबंधन को मजबूत बनाना समय की मांग है।

### कुलदीप राठौर ने आरडीजी मुद्दे पर रखा पक्ष

**कांग्रेस** विधायक कुलदीप राठौर ने आरडीजी से जुड़े विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि इस मुद्दे पर सदन में गंभीरता से विचार किया गया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी पक्ष मिलकर प्रदेश में सुरक्षा और विश्वास का वातावरण मजबूत करने की दिशा में सहयोग करेंगे और संवेदनशील विषयों पर सामूहिक दृष्टिकोण अपनाया जाएगा।

# नारेबाजी, प्रिविलेज मोशन व सदन में संग्राम

## विधानसभा में गरजा विपक्ष, चुनावी गारंटियों के नाम पर जनता को किया गुमराह

विपक्ष के नेता नारेबाजी करते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

**सत्यदेव भारद्वाज, शिमला।** प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का दूसरा चरण बुधवार को उस वक्त सियासी उबाल पर पहुंच गया, जब सदन के भीतर तीखी बहस व बाहर जोरदार नारेबाजी एक साथ देखने को मिली। विपक्ष ने मुख्यमंत्री के खिलाफ प्रिविलेज मोशन का नोटिस देकर सियासी तूफान खड़ा कर दिया, वहीं विधानसभा परिसर के बाहर विरोध-प्रदर्शन ने माहौल को और ज्यादा गरमा दिया। आरोप, पलटवार और तल्ख तेवरों के बीच पूरा दिन राजनीतिक संग्राम का अखाड़ा बना रहा।

नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि चुनावी गारंटियों के नाम पर जनता को गुमराह किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि ओपीएस को छोड़कर कोई भी वादा पूरा नहीं हुआ और महिलाओं, युवाओं व किसानों से किए गए बड़े-बड़े वादे अब तक धरातल पर नहीं उतर पाए हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि सरकार घोषणाओं तक सीमित रह गई है, हकीकत में कुछ नहीं बदला।

### हमने काम किया, आंकड़े गवाह हैं: मुख्यमंत्री

**मुख्यमंत्री** सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इन आरोपों पर जोरदार पलटवार करते हुए कहा कि उनकी सरकार ने सिस्टम को सुधारने और पारदर्शिता लाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के समय खोले गए भ्रष्टाचार के रास्तों को बंद किया गया है। मुख्यमंत्री ने हिमकेयर और सहारा जैसी योजनाओं के आंकड़े पेश करते हुए दावा किया कि उनकी सरकार ने अधिक लोगों तक लाभ पहुंचाया और प्रदेश के हित में ठोस फैसले लिए।

### राज्यों की आर्थिक स्थिति खराब: प्रकाश राणा

**भाजपा** विधायक प्रकाश राणा ने प्रदेश की वित्तीय स्थिति को लेकर सरकार को घेरते हुए कहा कि राज्य की आर्थिक हालत चिंताजनक है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पहले से ही पंचायतों में स्टाफ की कमी है, तो नई पंचायतों के गठन और उनके ढांचे के लिए संसाधन कहां से आएंगे। इस मुद्दे पर सदन में तीखी बहस हुई और सरकार को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की गई।

### ग्रामीण अर्थव्यवस्था को दी मजबूती: किशोरी लाल

**कांग्रेस** विधायक किशोरी लाल ने सरकार का बचाव करते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती, दूध के समर्थन मूल्य में वृद्धि और अन्य योजनाओं से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली है। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों का लाभ सीधे आम लोगों तक पहुंच रहा है और विपक्ष केवल राजनीतिक माहौल बनाने में लगा है। दिनभर चली बहस, आरोपों और जवाबों के बीच साफ हो गया कि हिमाचल का बजट सत्र अब केवल औपचारिक कार्यवाही नहीं, बल्कि सियासी शक्ति प्रदर्शन का बड़ा मंच बन चुका है। आने वाले दिनों में यह टकराव और तेज होने के आसार हैं।

# तीन सवारियों के लिए बसें चलाना व्यावहारिक नहीं: मुकेश अग्निहोत्री

- डलहौजी में बसों की मांग पर सरकार ने रखी अपनी स्थिति
- विपक्ष असंतुष्ट

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, शिमला।** हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का पहला दिन सियासी गरमाहट और तीखे तेवरों के नाम रहा, जहां सदन के भीतर सवालों की धार और जवाबों की तल्खी साफ नजर आई। दलहौजी के विधायक द्वारा क्षेत्र में बसों की कमी का मुद्दा जोर-शोर से उठाया गया, जिसमें उन्होंने यहां तक कह दिया कि यदि बसें नहीं लगाई जा सकतीं तो क्षेत्र को जम्मू-कश्मीर में मिला दिया जाए। इस पर उपमुख्यमंत्री ने दो टूक जवाब देते हुए कहा कि तीन सवारियों के लिए बसें चलाना व्यावहारिक नहीं है, हालांकि ट्रायल के तौर पर बसें चलाने का प्रस्ताव रखा गया और स्पष्ट किया गया कि सफल न होने पर इन्हें बंद कर दिया जाएगा। साथ ही चंबा जिले में पहले से संचालित 203 बसों का हवाला देकर सरकार ने अपनी स्थिति स्पष्ट की, लेकिन विपक्ष इस जवाब से संतुष्ट नजर नहीं आया।

वहीं धर्मशाला स्थित शहीद स्मारक और वॉर मेमोरियल को लेकर भी सदन में गंभीर चर्चा देखने को मिली। विधायक केवल सिंह पठानिया के सवाल के जवाब में स्वास्थ्य मंत्री ने जानकारी दी कि स्मारक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक आम लोगों के लिए खुला रहता है और इसके रखरखाव के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि स्मारक परिसर में संग्रहालय को जल्द तैयार कर जनता के लिए खोलने की दिशा में काम चल रहा है। इन मुद्दों के जरिए विपक्ष ने जहां जनसुविधाओं और व्यवस्थाओं को लेकर सरकार को घेरने की कोशिश की, वहीं सरकार ने जवाबों के माध्यम से अपनी प्रतिबद्धता जताई।

# विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध कर रहा है: सीएम सुक्खू

## मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर लगाया गलत तथ्यों का आरोप, बताया भाजपा की आंतरिक सियासत

अनंत ज्ञान

**सत्यदेव भारद्वाज, शिमला।** विधानसभा बजट सत्र के दौरान सियासी तापमान उस वक्त और तेज हो गया जब सदन के भीतर शुरू हुई बहस बाहर आकर भी जारी रही। नेता प्रतिपक्ष द्वारा सरकार पर लगाए गए आरोपों के बाद मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मीडिया के सामने आकर तीखा पलटवार किया। उन्होंने विपक्ष पर न सिर्फ गलत तथ्यों को पेश करने का इल्जाम लगाया, बल्कि इसे भाजपा की आंतरिक खींचतान और दबाव की सियासत का नतीजा भी बताया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष के नेता अपनी ही पार्टी के भीतर चल रही गुटबाजी से दबाव में हैं और इसी वजह से वे सरकार के खिलाफ अपनी साख मजबूत दिखाने के लिए हकीकत से परे बयान दे रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोग केवल विरोध के लिए विरोध की राह पर चल पड़े हैं, जबकि प्रदेश हित की असल तस्वीर कुछ और ही है। सरकार की योजनाओं का ज़िक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मौजूदा सरकार ने जनकल्याण को केंद्र में रखकर काम किया है। उन्होंने हिमकेयर और सहारा जैसी योजनाओं पर हुए खर्च का हवाला देते हुए कहा कि पहले की तुलना में कहीं अधिक संसाधन जनता की भलाई पर लगाए जा रहे हैं। साथ ही प्राकृतिक खेती योजना को किसानों के लिए एक नई उम्मीद बताते हुए कहा कि अब फसलों की खरीद शुरू हो चुकी है और इसका सीधा फायदा किसानों तक पहुंच रहा है।

पूर्व सरकार पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने खाली पड़े सरकारी भवनों का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये खर्च कर ऐसे ढांचे खड़े किए गए जिनका कोई वास्तविक उपयोग नहीं है, और यह सब ठेकेदारों को फायदा पहुंचाने के लिए किया गया। उन्होंने इसे पैसा लूटने का मॉडल बताते हुए कहा कि उनकी सरकार प्रदेश की संपदा को किसी भी सूरत में लुटने नहीं देगी।

प्रशासनिक सख्ती का संकेत देते हुए मुख्यमंत्री ने ओडीआई श्रेणी के अधिकारियों पर जल्द कार्रवाई की बात कही। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबे समय से एक ही स्थान पर जमे अधिकारियों को हटाया जाएगा और जिनकी आय और संपत्ति में असामान्यता पाई जाती है, उनकी जांच भी की जाएगी। इसके अलावा कर्मचारियों के ड्रेस कोड को लेकर भी उन्होंने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि केवल शालीन पहनावे की सलाह दी गई है, कोई अनिवार्यता नहीं थोपी गई।

### सरकार जवाबदेही और जनहित पर कर रही है काम: मुख्यमंत्री

**अंत** में मुख्यमंत्री ने एक बार फिर दोहराया कि उनकी सरकार पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित की नीति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सियासत में इल्ज़ाम और बयानबाज़ी अपनी जगह है, लेकिन जनता सब देख रही है और सच के साथ खड़ी है। प्रदेश के विकास और लोगों के भरोसे को बनाए रखना ही सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता है, और इसी दिशा में पूरी निष्ठा के साथ काम जारी रहेगा।

- जनकल्याण योजनाओं से सरकार का मजबूत दावा
- पूर्व सरकार पर पैसा लूटने का मॉडल का आरोप

## विधानसभा बजट के सत्र में विपक्ष का हल्ला बोल, प्रिविलेज मोशन से घिरी सरकार

# मुख्यमंत्री के तीन साल झूठ में बीते: जयराम

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, शिमला।** हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दूसरे चरण का आगाज सियासी तपिश और तल्ख लहजे के साथ हुआ, जहां नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर तीखा हमला बोलते हुए सरकार को कटघरे में खड़ा कर दिया। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले ही विपक्ष ने जोरदार नारेबाजी और प्रदर्शन कर राजनीतिक माहौल को गरमा दिया। जयराम ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने पिछले तीन वर्षों में सदन के भीतर और बाहर लगातार असत्य और भ्रामक बयान दिए हैं, जिससे लोकतांत्रिक मर्यादाओं को ठेस पहुंची है। इसी मुद्दे को गंभीरता से उठाते हुए विपक्ष ने विधानसभा अध्यक्ष को नियम 75 के तहत विशेषाधिकार हनन का नोटिस सौंप दिया, जिससे अब इस पूरे प्रकरण पर राजनीतिक बहस और भी तेज होने के संकेत मिल रहे हैं।

मीडिया से बातचीत में जयराम ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री जैसे संवैधानिक पद पर बैठे व्यक्ति से सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता की उम्मीद की जाती है, लेकिन वर्तमान सरकार इन मूल्यों पर खरी नहीं उतर रही। उन्होंने महिला सम्मान निधि योजना को उदाहरण बनाते हुए कहा कि सरकार के दावों और वास्तविक खर्च के आंकड़ों में भारी विरोधाभास है। सरकार जहां 35,687 लाभार्थियों और 7.42 करोड़ रुपए खर्च की बात करती है, वहीं वास्तविक गणना इसके विपरीत तस्वीर पेश करती है, जिससे यह संदेह पैदा होता है कि लाभार्थियों को पूर्ण लाभ नहीं मिल पाया। इसके साथ ही सुख आश्रय योजना और कृषि से जुड़ी योजनाओं में भी बेहद सीमित लाभार्थियों का आंकड़ा सामने आने से सरकार की नीतियों की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो गए हैं।

जयराम ने केंद्र से मिलने वाली आर्थिक सहायता का हवाला देते हुए कहा कि मोदी सरकार ने हिमाचल को राजस्व घाटा अनुदान के रूप में अभूतपूर्व मदद दी है, जो पूर्ववर्ती सरकारों की तुलना में कई गुना अधिक है। इसके बावजूद राज्य सरकार अपनी विफलताओं का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने का प्रयास कर रही है। उन्होंने अपनी सरकार के समय चलाई गई योजनाओं का जिक्र करते हुए दावा किया कि सहारा, हिम केयर, गृहिणी सुविधा व वृद्धावस्था पेंशन जैसी योजनाओं के माध्यम से लाखों लोगों को वास्तविक लाभ मिला था, जबकि वर्तमान सरकार की योजनाएं अधूरी रह गई हैं।

### सरकार जनहित के कार्यों के बजाय होर्डिंग्स के जरिए चमका रही छवि

**अंतिम** तौर पर जयराम ठाकुर ने सरकार पर यह आरोप भी लगाया कि वह जनहित के ठोस कार्यों के बजाय विज्ञापनों और होर्डिंग्स के जरिए अपनी छवि चमकाने में अधिक रुचि ले रही है। उन्होंने कहा कि योजनाओं के नाम बदलकर जनता को गुमराह करने की कोशिश की जा रही है, जबकि धरातल पर न तो पर्याप्त बजट उपलब्ध है और न ही योजनाओं का लाभ व्यापक स्तर पर पहुंच रहा है। जनमंच जैसी प्रभावी व्यवस्था को बंद करना भी सरकार की प्राथमिकताओं पर सवाल उठाता है। ऐसे में अब सबकी नजरें विधानसभा अध्यक्ष के फैसले पर टिकी हैं, जो इस सियासी घमासान को नई दिशा दे सकता है।

### अंग्रेजी अध्यापक भर्ती परीक्षा 3 अप्रैल को होगी आयोजित

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला।** शिमला में हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग ने अंग्रेजी अध्यापक (पोस्ट कोड 26002) के 312 पदों को भरने के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा 3 अप्रैल को आयोजित करने का निर्णय लिया है। परीक्षा के प्रवेश पत्र लगभग एक सप्ताह पहले जारी किए जाएंगे और अभ्यर्थियों को रोल नंबर व परीक्षा केंद्र की जानकारी मोबाइल संदेश के माध्यम से भी दी जाएगी। इन पदों के लिए 3119 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है, जिससे प्रतियोगिता कड़ी मानी जा रही है। आयोग ने विभिन्न श्रेणियों के लिए आरक्षण भी सुनिश्चित किया है, जिससे सभी वर्गों को अवसर मिल सके। वहीं, असिस्टेंट स्टाफ नर्स (पोस्ट कोड 26004) भर्ती में भी पदों की संख्या 390 से बढ़ाकर 508 कर दी गई है। यह फैसला स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने और अस्पतालों में स्टाफ की कमी दूर करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

**लोकतंत्र की कक्षा** पठानिया ने छात्रों को सदन की कार्यप्रणाली से कराया परिचित

# छात्रों ने समझा कानून बनाने का तरीका

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, शिमला।** पहाड़ों की वादियों में बहती सियासत की रवानी के बीच आज हिमाचल प्रदेश विधानसभा का माहौल उस वक्त खास बन गया जब चैप्सली स्कूल लक्कड़ बाजार शिमला और सम्भोट तिब्बतियन उच्च पाठशाला शिमला के छात्र-छात्राओं ने बजट सत्र के दूसरे चरण की कार्यवाही को करीब से देखा। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले बच्चों ने विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया से कौंसिल चैम्बर के बाहर मुलाकात की और लोकतंत्र की इस अहम संस्था के कामकाज को जानने की जिज्ञासा प्रकट की।

विधानसभा अध्यक्ष कुलदीप पठानिया छात्रों को सदन की कार्यप्रणाली की जानकारी देते हुए। अनंत ज्ञान

विधानसभा अध्यक्ष ने बेहद सरल और दिलचस्प अंदाज़ में छात्रों को बताया कि विधानसभा दरअसल एक ऐसा मंच है जहां जनता के चुने हुए प्रतिनिधि कानून बनाते हैं और राज्य के विकास की दिशा तय करते हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया कि जैसे स्कूल में अलग-अलग कक्षाएं होती हैं, वैसे ही राज्य में अलग-अलग निर्वाचन क्षेत्र होते हैं और हर क्षेत्र से चुना गया प्रतिनिधि विधायक कहलाता है। ये सभी विधायक मिलकर विधानसभा का गठन करते हैं, जहां सरकार अपने कामों का हिसाब देती है और बजट पेश करती है, जिस पर चर्चा के बाद उसे पारित किया जाता है।

पठानिया ने कहा कि लोकतंत्र में सत्ता और विपक्ष दोनों की भूमिका अहम होती है, जहां एक ओर सरकार योजनाएं बनाती है, वहीं विपक्ष उन पर निगरानी रखता है और जनता की आवाज़ को बुलंद करता है। उन्होंने स्पीकर की भूमिका को भी स्पष्ट करते हुए कहा कि स्पीकर सदन की कार्यवाही को सुचारू और अनुशासित ढंग से चलाने का जिम्मेदार होता है। इस मौके पर उप-मुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया, विधायक विवेक शर्मा और मलेन्द्र राजन भी मौजूद रहे। अंत में विधानसभा अध्यक्ष ने सभी विद्यार्थियों को सदन की कार्यवाही देखने के लिए आमंत्रित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

# एमआईएस भुगतान अटका, 57 हजार से ज्यादा बागवानों के 120 करोड़ फंसे

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, शिमला।** हिमाचल प्रदेश विधानसभा के बजट सत्र के दौरान बागवानी क्षेत्र से जुड़ी एक बड़ी हकीकत उस वक्त सामने आई जब सदन में प्रस्तुत आधिकारिक दस्तावेजों ने हजारों बागवानों की आर्थिक परेशानी को उजागर कर दिया। मार्केट इंटरवेंशन स्कीम (एमआईएस) के तहत खरीदे गए सेब का भुगतान लंबित होने का मुद्दा जैसे ही सदन में उठा, यह साफ हो गया कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ माने जाने वाले सेब उद्योग पर गहरा दबाव बन चुका है। बागवानों के 120 करोड़ रुपए अटकने का मामला अब केवल आर्थिक नहीं बल्कि सियासी और नीतिगत सवाल भी खड़े कर रहा है।

बजट सत्र के दौरान सदन में दी गई विस्तृत जानकारी के मुताबिक 57,182 बागवानों को करीब 120 करोड़ 59 लाख रुपए का भुगतान अभी तक नहीं किया गया है। यह राशि मुख्य रूप से हिमफैड और एचपीएमसी के माध्यम से लंबित है। ठियोग के विधायक कुलदीप सिंह राठौर द्वारा उठाए गए इस मुद्दे पर सरकार की ओर से जवाब देते हुए राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने स्वीकार किया कि भुगतान में देरी हुई है और इसे प्राथमिकता के आधार पर निपटाने की प्रक्रिया चल रही है। सदन में रखे गए आंकड़ों ने साफ कर दिया कि सबसे ज्यादा प्रभावित जिला शिमला है, जहां अकेले 100 करोड़ से अधिक की राशि लंबित है, जबकि किन्नौर, कुल्लू, मंडी और चंबा में भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

- सरकार ने बजट प्रावधान और केंद्र के सहयोग का दिया भरोसा
- विधायक राठौर के सवाल पर राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने दिया जवाब

सरकार ने सदन के भीतर यह भरोसा दिलाया कि बागवानों को राहत देने के लिए बजट में आवश्यक प्रावधान किया जा रहा है और केंद्र सरकार से भी 16 करोड़ 47 लाख रुपए की हिस्सेदारी के लिए लगातार पत्राचार जारी है। इसके साथ ही एचपीएमसी के माध्यम से बागवानों को जरूरी सामग्री उपलब्ध करवाई जा रही है, जिसमें दिसंबर 2025 से जनवरी 2026 के बीच करीब 8 करोड़ रुपए की सहायता दी गई है। हालांकि, विपक्ष ने इस देरी को लेकर सरकार पर सवाल उठाए और इसे बागवानों के साथ अन्याय करार दिया।

# चैत्र नवरात्र आज से, सज गए मैय्या के दरबार

## भक्तों की उमड़ने वाली भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने किए पुख्ता इंतजाम, सुबह पांच बजे खुल जाएंगे मंदिरों के कपाट

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, धर्मशाला।** कांगड़ा जिले के शक्तिपीठों में वीरवार से आरंभ हो रहे चैत्र नवरात्र के लिए मैय्या के दरबार सज गए हैं। नवरात्र के दौरान प्रदेश सहित बाहरी राज्यों से जुटने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन की ओर से आवश्यक इंतजाम किए गए हैं। जिला कांगड़ा स्थित श्री चामुंडा नंदीकेश्वर धाम, श्री बज्रेश्वरी धाम और श्री ज्वालामुखी मंदिर में नवरात्र के दौरान देवी दर्शनों के लिए श्रद्धालुओं की खासी भीड़ उमड़ती है, ऐसे में मंदिर प्रशासन की ओर से उसी अनुरूप व्यवस्थाएं बनाई जाती हैं। तीनों शक्तिपीठों में पहले नवरात्र से मंदिर के कपाट सुबह पांच बजे खोल दिए जाएंगे।

### श्री चामुंडा मंदिर में होंगे धार्मिक अनुष्ठान

**चैत्र** नवरात्र के लिए श्री चामुंडा नंदिकेश्वर धाम में तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं । सुबह 5 बजे से श्रद्धालु मंदिर में दर्शन कर पाएंगे। मंदिर अधिकारी राकेश कुमार ने बताया कि नवरात्र के दौरान मंदिर में चलने वाले सत चंडी, रुद्राभिषेक, देवी भागवत, रामायण पाठ, भगवत गीता, चामुंडा बीज मंत्र, गायत्री जाप अन्य अनुष्ठान करवाए जाएंगे ।

### श्रद्धालुओं के लिए रहेगी मुद्रिका बस सुविधा

**श्री** बज्रेश्वरी मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु बिजली, पानी, सीसीटीवी कैमरा, एलईडी स्क्रीन सहित अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। श्रद्धालुओं के लिए 3 समय का लंगर लगाने की व्यवस्था की गई है, श्रद्धालुओं को बाईपास से तहसील चौक तक लाने के लिए एचआरटीसी द्वारा मुद्रिका बस लगाई गई है, बीएमओ त्यारा की तरफ से श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य सुविधा के लिए स्वास्थ्य कर्मी मंदिर में उपलब्ध होंगे। सुरक्षा सहित सफाई व्यवस्था के बेहतर इंतजाम किए गए हैं। उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा वीरवार सुबह 11 बजे मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे।

### कन्या पूजन से होगा नवरात्र का शुभारंभ

◆ **ज्वालाजी मंदिर में सुबह 5 बजे खुलेंगे गर्भ गृह के कपाट**

ज्वालामुखी मंदिर में वीरवार को चैत्र नवरात्र का आगाज कन्या पूजन व शुभ महूर्त में पूजा पाठ से किया जाएगा। सुबह 5 बजे गर्भ गृह के कपाट खोले जाएंगे। नवरात्र के मद्देनजर मंदिर को फूलों व लाइटों से आकर्षक ढंग से सजाया गया है।

### बज्रेश्वरी मंदिर में भक्तों के लिए 3 समय का लंगर लगाने की व्यवस्था

### सुरक्षा को पुलिस की तैयारी पूरी, तीनों शक्तिपीठों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** वीरवार से आरंभ हो रहे चैत्र नवरात्र को लेकर कांगड़ा जिले के तीनों शक्तिपीठों में सुरक्षा के लिहाज से पुलिस ने तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। कांगड़ा जिले के मुख्य शक्तिपीठों श्री चामुंडा माता मंदिर तथा बज्रेश्वरी मंदिर कांगड़ा के अलावा धर्मशाला के कुणाल पत्थरी मंदिर में पुलिस तथा होमगार्ड के जवानों को लगाया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु कतारों में दर्शन कर सकें। भीड़ को देखते हुए जवानों की संख्या में बढ़ोतरी की जाएगी। यातायात व्यवस्था को लेकर भी अतिरिक्त बल को तैनत किया जाएगा। वहीं, पार्किंग स्थलों को लेकर भी व्यवस्था की जाएगी। किसी भी अनहोनी स्थिति से निपटने के लिए मंदिरों में बॉम्ब स्क्वायड को भी तैनात किया जाएगा। एएसपी कांगड़ा बीर बहादुर ने बताया कि मंदिरों की सुरक्षा को मंदिर अधिकारियों की मदद से प्रबंध किए गए हैं कि नवरात्रों के दौरान भीड़ के बावजूद उन्हें दर्शन करने में कोई दुविधा न हो। इसके लिए दर्जनों जवानों को भीड़ के हिसाब से नियुक्त किया गया है। नवरात्रों के दौरान बढ़े हुए यातायात की व्यवस्था के लिए भी अतिरिक्त बल की नियुक्ति की जाएगी। इसके अलावा मंदिर क्षेत्र में सिक्योरिटी एजेंसी के जवानों के अलावा किसी भी स्थिति से निपटने के लिए बॉम्ब स्कवैड को भी तैनात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस नवरात्रों में लॉ एंड ऑर्डर तथा ट्रैफिक व्यवस्था को बनाए रखने को पूरी तरह से तैयार है। व्यवस्था पर नजर रखने के लिए पुलिस बल के अलावा उच्चाधिकारी भी तैनात रहेंगे।

## न्यूज ब्रीफ

### आरुष का इंस्पायर मानक अवॉर्ड के लिए चयन

**शिव गुलेरिया, अनंत ज्ञान, देहरा।** डीएवी स्कूल नगरोटा सूरिया के दसवीं कक्षा के छात्र आरुष कुमार का चयन इंस्पायर मानक अवॉर्ड के लिए हुआ है। आरुष की इस उपलब्धि के लिए स्कूल के प्रिंसिपल सुरेंद्र सिंह सोहल ने समस्त विद्यालय के बच्चों को कर्मचारियों को एवं आरुष के माता-पिता को बधाई दी है।

### बस सेवा बाधित, स्कूली बच्चे हुए परेशान

**पिंकी, अनंत ज्ञान, डाडासीबा।** हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) देहरा की डाडा सीबा-पक्का टियाला रूट पर चलने वाली सुबह की बस सेवा बाधित रही। बस सुबह 6:45 बजे नहीं चलने से स्कूली बच्चों और यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। खासकर परीक्षाएं दे रहे छात्र समय पर स्कूल नहीं पहुंच पाए और कई को निजी वाहनों का सहारा लेना पड़ा। रोजमर्रा के यात्रियों की दिनचर्या भी प्रभावित हुई। ग्रामीणों ने प्रशासन से सेवा नियमित करने की मांग की है। इस संबंध में अड्डा इंचार्ज जोगिंदर सिंह ने बताया कि बस की क्लच प्लेट खराब होने के कारण सेवा प्रभावित हुई।

### थुरल स्कूल के 23 स्टूडेंट्स को मिलेंगे लैपटॉप

**राकेश डोगरा, अनंत ज्ञान, डरोह।** थुरल स्कूल के 23 मेधावी छात्र-छात्राओं को श्रीनिवास रामानुजन स्टूडेंट डिजिटल योजना के तहत 16,000 रुपये के ई-गैजेट कूपन प्रदान किए गए। ये कूपन शिक्षा उपनिदेशक कांगड़ा द्वारा वितरित किए गए। चयनित विद्यार्थियों में सत्र 2022-23, 2023-24 और 2024-25 के दसवीं व जमा दो (कला, वाणिज्य, विज्ञान) संकाय के छात्र शामिल हैं। स्कूल की प्रधानाचार्य अनुपम वाला, अध्यापक वर्ग और स्कूल प्रबंधन समिति ने सभी विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि एक ही स्कूल के 23 विद्यार्थियों का चयन होना पूरे क्षेत्र के लिए गर्व की बात है और यह अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणा है।

### क्रैच कार्यकर्ता व सहायिका के भरे जाएंगे रिक्त पद

**अजय पाल, अनंत ज्ञान, पालमपुर।** बाल विकास परियोजना अधिकारी, भवारना ने पालमपुर के आंगनबड़ी/क्रैच केंद्रों में नव स्वीकृत पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू कर दी है। नगर निगम पालमपुर वार्ड नंबर-2 के क्रैच केंद्र आर्यसमाज में क्रैच कार्यकर्ता और क्रैच सहायिका के एक-एक पद भरे जाएंगे। साक्षात्कार 16 अप्रैल 2026 को उपमंडलाधिकारी (नागरिक) पालमपुर कार्यालय में आयोजित होगा। इच्छुक महिला अभ्यर्थी 10 अप्रैल 2026 शाम 5 बजे तक आवेदन पत्र बाल विकास परियोजना अधिकारी, भवारना कार्यालय में जमा कर सकती हैं। क्रैच कार्यकर्ता के लिए 10+2 और क्रैच सहायिका के लिए मैट्रिक पास होना अनिवार्य है।

### घुरकड़ी में संत निरंकारी सत्संग का आयोजन

**अनंत ज्ञान, गगल।** संत निरंकारी भवन घुरकड़ी में सत्संग का आयोजन हुआ, जिसमें चंडीगढ़ से आए ज्ञान प्रचारक मुखी महात्मा पवन कुमार ने प्रवचन दिए। उन्होंने शहंशाह बाबा अवतार सिंह, संत निरंकारी मिशन के दूसरे सतगुरु महाराज, की शिक्षाओं का महत्व बताया। महात्मा पवन कुमार ने अवतार वाणी के माध्यम से निरंकार प्रभु का ज्ञान और मानव प्रेम का संदेश साझा किया। सत्संग में उन्होंने गुरु के वचनों का पालन और निराकार परमात्मा के अहसास में रहने की सीख दी। इस अवसर पर हजारों साध-संत उपस्थित रहे और ज्ञान की अमृत वर्षा का अनुभव किया।

### माधोनगर-उतराला में आयुष मेले का आयोजन

**जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान, बैजनाथ।** आयुष विभाग हिमाचल प्रदेश और राष्ट्रीय आयुष मिशन के सहयोग से पंचायत माधोनगर, उतराला में स्वस्थ ग्राम-समृद्ध ग्राम कार्यक्रम एवं आयुष मेले का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बैजनाथ के विधायक किशोरी लाल मुख्य अतिथि रहे। आयुष विभाग ने आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के प्रति ग्रामीणों को जागरूक करने हेतु स्वास्थ्य शिविर, योग सत्र, औषधीय पौधों की प्रदर्शनी और जागरूकता सत्र आयोजित किए। विधायक ने आयुर्वेद परिचय पत्रिका का विमोचन किया और लोगों को औषधीय पौधे वितरित किए। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच में रक्तचाप, शुगर, आंख, कान, नाक और बाल रोग सहित अन्य परीक्षण किए गए और जरूरतमंदों को दवाइयां प्रदान की गई।

### सुक्खू सकरार ने उठाया सिर्फ औपचारिक कदम : विनोद

**अनंत ज्ञान, गरली।** हिमाचल प्रदेश की बिगड़ती आर्थिक स्थिति को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सुक्खू सरकार पर तीखा हमला बोला है। भाजपा प्रागपुर मंडल के विनोद शर्मा ने सरकार के हालिया फैसलों को दिखावटी सुधार बताते हुए कहा कि 'सिर के बाल काट देने से अर्थी का वजन कम नहीं होता।' उन्होंने बोर्डों, निगमों और आयोगों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सलाहकारों से कैबिनेट रैंक वापस लेने को ठोस आर्थिक सुधार नहीं बल्कि जनता को गुमराह करने का प्रयास बताया। 20 प्रतिशत वेतन और भत्तों में कटौती को भी केवल औपचारिक कदम करार दिया। विनोद शर्मा ने कहा कि मौजूदा सरकार के पास स्पष्ट नीति या आर्थिक सुधार की नीयत नहीं है। उन्होंने पूर्व जयराम सरकार का उदाहरण देते हुए कहा कि कोरोनाकाल में भी कर्मचारियों के वेतन, पेंशन और मेडिकल बिल समय पर दिए गए और विकास कार्य लगातार जारी रहे।

### नूरपुर व इंदौरा में 23 और 24 मार्च साक्षात्कार

**अनंत ज्ञान, इंदौरा।** जिला कांगड़ा के बेरोजगार युवाओं के लिए निजी क्षेत्र में रोजगार का सुनहरा अवसर उपलब्ध हुआ है। उप रोजगार कार्यालय नूरपुर के अनुसार मेटेनरे लिमिटेड डमटाल इंदौरा 20 ट्रेनी (केवल पुरुष) पदों पर भर्ती करेगा। साक्षात्कार 23 मार्च, 2026 को नूरपुर और 24 मार्च, 2026 को इंदौरा में सुबह 10 बजे से होगा। पदों के लिए आईटीआई (फिटर, वेल्डर, इलेक्ट्रिशियन) या डिप्लोमा आवश्यक है, आयु 18-30 वर्ष। चयनित उम्मीदवार को 13,000-15,000 रुपए मासिक वेतन और अन्य सुविधाएं मिलेंगी। इच्छुक अभ्यर्थी पासपोर्ट फोटो, हिमाचली प्रमाण पत्र, शैक्षणिक दस्तावेज और बायोडाटा साथ लाएं।

### आज से दुर्गा नवमी तक हर दिन होगा शतचंडी पाठ

**अनंत ज्ञान, नरेंद्र डोगरा, जयसिंहपुर।** जयसिंहपुर के बाडू था वन, हारसीपत्तन रोड स्थित श्री मां कामाख्या मंदिर में तीन अप्रैल से विशाल 51 कुंडी संगीतमय श्री अग्नि महापुराण महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष पंडित दयानंद शास्त्री के अनुसार, महायज्ञ से पूर्व 19 मार्च से दुर्गा नवमी तक प्रतिदिन शतचंडी पाठ किया जाएगा। महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन हवन यज्ञ, भजन-कीर्तन, कथा प्रवचन और भंडारे का आयोजन होगा। संध्या आरती और भजन संध्या भी आयोजित की जाएगी। महायज्ञ की पूर्णाहुति 12 अप्रैल को होगी। समिति ने सभी श्रद्धालुओं से भाग लेने का आह्वान किया है।

# पर्यटन विभाग के कर्मचारियों ने काले बिल्ले लगाकर किया काम

## 8 यूनिट्स को निजी हाथों में सौंपने पर रोष, सरकार ने निर्णय वापस न लिया तो जल्द बनेगी अगली रणनीति

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, धर्मशाला।** हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम की इकाइयों में कार्यरत कर्मियों ने बुधवार को काले बिल्ले लगाकर काम किया। प्रदेश सरकार द्वारा निगम की आठ इकाइयों को निजी हाथों में देने के विरोध में काले बिल्ले लगाकर निगम कर्मियों ने शांतिपूर्वक रोष जताया।

साथ ही चेताया कि सरकार ने जल्द यह निर्णय वापस नहीं लिया तो यूनियन की प्रदेश स्तरीय बैठक में विचार विमर्श करके आगामी रणनीति बनाई जाएगी। एचपीसीटीडीसी कर्मचारी यूनियन के कार्यकारी अध्यक्ष शशि पाल शर्मा ने प्रदेश सरकार के फैसले के खिलाफ नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार एचपीटीडीसी के 8 यूनिट्स को ओएन बेसिस (ठेके पर निजी हाथों में) देने जा रही है, जिसका कर्मचारी लगातार विरोध कर रहे हैं। शशि पाल शर्मा ने बताया कि विरोध स्वरूप कर्मचारियों ने काले बिल्ले लगाकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। यह विरोध केवल धर्मशाला तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश सचिवालय, विधानसभा और राज्य के अन्य हिस्सों में भी कर्मचारी अपना विरोध जता रहे हैं।

प्रदेश सरकार के फैसले के खिलाफ जताई नाराजगी। अनंत ज्ञान

उन्होंने कहा कि जिन यूनिट्स को निजी हाथों में देने की तैयारी है, उनमें होटल चांसलर रोहड़ू, गिरी गंगा खड़ा पत्थर, होटल फगू, बिलासपुर का होटल लेक व्यू, परवाणू का शिवालिक होटल और कसौली की हेरिटेज बिल्डिंग रोज कॉमन शामिल हैं। उनका कहना है कि ये सभी होटल 'कमाऊ पूत' हैं और विभाग के लिए आय का मुख्य स्रोत रहे हैं।

उन्होंने कहा कि बिलासपुर का होटल लेक व्यू जिला का एकमात्र एचपीटीडीसी होटल है, जहां प्रशासनिक गतिविधियों के साथ-साथ वीआईपी मूवमेंट भी होती है, ऐसे में इसे निजी हाथों में देना उचित नहीं है।

कर्मचारी यूनियन ने साफ चेतावनी दी है कि जब तक इस संबंध में जारी नोटिफिकेशन को रद्द नहीं किया जाता, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा।

# मजदूरों के क्लेम पास न हुए तो जलाएंगे सरकार के पुतले : प्रेमचंद

## मजदूरों ने एसडीएम कार्यालय धीरा में किया धरना-प्रदर्शन

धीरा में प्रदर्शन करते मजदूर। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

**राकेश डोगरा, डरोह।** कांगड़ा में ट्रेड यूनियन को-ऑर्डिनेशन सेंटर की ओर से बुधवार को एसडीएम कार्यालय धीरा में मजदूरों ने धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार और हिमाचल प्रदेश निर्माण कामगार कल्याण बोर्ड की कार्यप्रणाली पर कड़ी नाराजगी जताई। उनका कहना था कि बोर्ड में अधिकारी अपने कर्तव्यों में लापरवाह हैं और पिछले तीन वर्षों से तानाशाही रवैया अपना रहे हैं।

कांगड़ा जिले के 800 मजदूरों के क्लेम धूल फांक रहे हैं, जबकि 3 साल पुराने पास क्लेम के पैसे भी खातों में नहीं भेजे गए। मजदूरों के क्लेम के लिए ई-केवाईसी प्रक्रिया में अनावश्यक अड़चनें डाली जा रही हैं। ट्रेड यूनियन ने चेतावनी दी कि अगर एक महीने के भीतर सभी क्लेम पास नहीं किए गए, तो सरकार और बोर्ड के अधिकारियों के पुतले जलाए जाएंगे। इस धरने में राज्य महासचिव रविंदर सिंह रवि, राज्य अध्यक्ष चौधरी प्रेमचंद, अमन चौधरी और अन्य पदाधिकारी तथा सैकड़ों मजदूर शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मजदूर अपने अधिकारों के लिए संघर्ष जारी रखेंगे।

### एमआईएस डाटा भरने में लग रहा लंबा वक्त

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** प्रदेश में स्कूलों के लिए शुरू किए गए विद्या समीक्षा केंद्र के एमआईएस पोर्टल को लेकर शिक्षकों में नाराजगी बढ़ रही है। शिक्षकों का कहना है कि इस पोर्टल में बहुत ज्यादा और बारीक डाटा भरना पड़ रहा है, जिससे उनका काफी समय लग रहा है। स्कूलों को अब लाइब्रेरी की हर किताब, स्कूल की सारी संपत्ति, मिड-डे मील का सामान, आईटी उपकरण, स्कूल किट और समग्र शिक्षा के तहत खर्च की गई हर राशि का पूरा विवरण रसीदों सहित अपलोड करना होगा। इसके अलावा विद्यार्थियों और शिक्षकों का पूरा डाटा भी भरना है और इसे यू-डायस के डाटा से मिलाना भी जरूरी है, जबकि यू-डायस पहले से ही एक लंबी और समय लेने वाली प्रक्रिया है। ऐसे में एक ही तरह का डाटा बार-बार भरना शिक्षकों के लिए मुश्किल बन रहा है और विद्यार्थियों के लिए इनका कोई खास लाभ भी मिलना जटिल है। इस मुद्दे को राजकीय टीजीटी कला संघ ने उठाया है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष सुरेश कौशल, उपाध्यक्ष विजय बरवाल और महासचिव विजय हीर ने निदेशक स्कूल शिक्षा और शिक्षा मंत्री से मांग की है कि डाटा भरने के लिए अलग से फंड की व्यवस्था की जाए। शिक्षकों का कहना है कि इस समय परीक्षा ड्यूटी, बोर्ड की कॉपियों का मूल्यांकन और रिजल्ट बनाने का काम चल रहा है। ऐसे में स्कूलों द्वारा हजारों एंट्री करना संभव नहीं है और इसमें कई महीने लग सकते हैं। इससे पढ़ाई का काम भी प्रभावित हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस सत्र में स्कूलों को एसएसए की कंपोजिट ग्रांट भी आधी मिली है और खेल फंड, इको क्लब की राशि अभी तक नहीं आई है। ऐसे में सत्र के बहुत सारे बिलों का भुगतान लंबित है। एमआईएस का अतिरिक्त काम शिक्षकों के लिए और ज्यादा परेशानी खड़ी कर रहा है।

### परागपुर में बीडीओ ने किया पंचायतों का निरीक्षण

**अनंत ज्ञान, परागपुर।** ब्लॉक समिति परागपुर में बीडीओ अशोक कुमार ने अचानक फ्लाइंग निरीक्षण कर पंचायतों की सुस्त व्यवस्था उजागर की। बिना पूर्व सूचना के सुबह 10 बजे बीडीओ अशोक कुमार अपनी टीम और कनिष्ठ अभियंता यशपाल के साथ एक पंचायत कार्यालय पहुंचे। अचानक निरीक्षण से कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई और अनुपस्थित कर्मचारियों को तुरंत जवाब देने के लिए बुलाया गया। टीम ने डाडासीबा, टैरेस जनडोर और अन्य पंचायतों का ताबड़तोड़ निरीक्षण किया। रिकॉर्ड, फाइलें और फील्ड विकास कार्यों की गुणवत्ता को भलीभांति परखा गया। बीडीओ ने स्पष्ट किया कि केवल कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर विकास दिखना चाहिए। निरीक्षण अभियान का अंतिम पड़ाव पंचायत स्वाना रहा, जहां शाम 6 बजे तक बारीकी से जांच की गई। पूरे दिन चले इस अभियान से पंचायत कर्मचारियों में अनुशासन और सतर्कता का माहौल देखा गया। स्थानीय लोगों ने बीडीओ की सक्रिय और सख्त कार्यशैली की सराहना की और कहा कि ऐसे निरीक्षणों से सिस्टम में सुधार और पारदर्शिता आती है।

### नगरोटा सूरियां में विवादित श्मशानघाट पर तनाव, दोनों पक्ष आमने-सामने

दोनों पक्ष अपनी-अपनी बातों पर अड़े। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

**शिव गुलेरिया, नगरोटा सूरियां।** नगरोटा सूरियां पुलिस चौकी में विवादित श्मशानघाट को लेकर दोनों पक्ष आमने-सामने हो गए। स्पेल पंचायत के लोग और कटोरा पंचायत के गलुवा व भूर लाहड़ के लोग सैकड़ों की संख्या में अपने-अपने पक्ष रखने पहुंचे। मौके पर मौजूद जवाली के एसएचओ देवराज शर्मा ने दोनों पक्षों को सुना।

स्पेल पंचायत के शिकायतकर्ताओं ने आरोप लगाया कि उनके घर के पास वन भूमि में गलुवा कटोरा के लोगों द्वारा जबरन श्मशानघाट बनाया जा रहा है, जहां हाल ही में एक महिला का अंतिम संस्कार भी किया गया। वहीं, कटोरा पंचायत के लोग इसे पुराना श्मशानघाट बताते हुए कहा कि इस पर पहले भी अंतिम संस्कार हुआ है और यह उनकी बर्तनदार जमीन है।

वन विभाग ने विवादित क्षेत्र में तारबंदी कर रास्ता बंद कर दिया और दाह संस्कार रोक दिया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में रखते हुए दोनों पक्षों को शांत कराया और मामला आगामी कार्रवाई के लिए एसडीएम जवाली को भेज दिया। जिला नूरपुर के एडिशनल एसपी धर्मचंद वर्मा ने पुष्टि की कि दोनों पक्ष अपनी-अपनी बातों पर अड़े हुए हैं।

### कैबिनेट रैंक वापस लेना केवल समय की राजनीतिक चाल न हो : शांता कुमार

**अनंत ज्ञान, पालमपुर।** पूर्व मुख्यमंत्री शांता कुमार ने कहा कि आर्थिक कठिनाई में सिसकती हिमाचल सरकार ने कुछ नेताओं का कैबिनेट रैंक वापस लिया है। प्रदेश में सरकारी खर्चों में बचत सबसे जरूरी है, परंतु यह केवल समय की राजनीतिक चाल नहीं होनी चाहिए। सरकार का यह कदम केवल 6 मास के लिए है, क्या उसके बाद प्रदेश का आर्थिक संकट समाप्त हो जाएगा। हिमाचल सरकार करोड़ों रुपये के ऋण के नीचे दब गई है। सबसे बड़ा कारण यह है कि सरकार खर्चे बढ़ाती गई और साधन बढ़ाने की कोशिश नहीं की। सरकार ने बचत करने का इतना महत्वपूर्ण निर्णय लिया है उसकी प्रशंसा करने की इच्छा होती है, परन्तु जब यह पढ़ा कि यह निर्णय केवल 6 मास के लिए है तो मुझे विश्वास हो गया कि यह निर्णय बचत के लिए नहीं केवल कुछ समय के लिए राजनीति करने का है। उन्होंने हिमाचल सरकार से विशेष आग्रह किया है कि अनुभवी नेताओं की एक कमेटी बनाकर सभी प्रकार के खर्चों में बचत करने का निर्णय करे। खर्चों में कमी की जाए औ रसाधन बढ़ाये जाएं।

### फसलों की पैदावार के आकलन के लिए कृषि अधिकारियों को प्रशिक्षण आयोजित

**अजय पाल, अनंत ज्ञान, पालमपुर।** उप कृषि निदेशक कार्यालय पालमपुर में कृषि अधिकारियों के लिए क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट्स विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 33 कृषि अधिकारियों ने भाग लिया।

डॉ. कुलदीप धीमान, उप कृषि निदेशक जिला कांगड़ा ने बताया कि राजस्व अधिकारियों के लिए 19 मार्च को उपायुक्त कार्यालय, धर्मशाला में भी इसी विषय पर प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि फसलों की पैदावार का आकलन करने के लिए कृषि एवं राजस्व विभाग के अधिकारी किसानों के खेतों में जाकर क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट्स करते हैं। इस रबी मौसम में गेहूं और जों के खेतों में कुल 972 क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट्स किए जाएंगे, जिसमें 150 कृषि अधिकारियों द्वारा और 822 राजस्व अधिकारियों द्वारा किए जाएंगे। फसलों का आंकलन रैंडम सैंपलिंग के माध्यम से खेतों के खसरा नंबर का चयन कर किया जाता है।

अधिकारी मोबाइल एप में खेत की फोटो खींचकर डेटा दर्ज करते हैं। प्रदेश स्तर पर कृषि सांख्यिकी अधिकारी के कार्यालय में प्राप्त आंकड़ों के आधार पर प्रत्येक तहसील में गेहूं की औसत पैदावार का मूल्यांकन किया जाएगा। डॉ. धीमान ने सभी अधिकारियों से आग्रह किया कि क्रॉप कटिंग एक्सपेरिमेंट्स के परिणाम समय पर संबंधित कार्यालयों को भेजे जाएं, ताकि किसानों को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत शीघ्र लाभ मिल सके। प्रशिक्षण तकनीकी सहायक ममता द्वारा दिया गया और जिला सांख्यिकी कार्यालय से एआरओ मनोज गौतम व एनएसओ कार्यालय से दीप्ति उपस्थित रहीं।

### वायरल वीडियो के आधार पर व्यक्ति के खिलाफ पशु क्रूरता का मामला दर्ज

**अशोक ठाकुर, अनंत ज्ञान, पठानकोट।** थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो के आधार पर एक व्यक्ति के खिलाफ पशु क्रूरता का मामला दर्ज किया है। पुलिस ने यह मामला एएसआई बलदेव सिंह की शिकायत पर दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार, एएसआई सुजानपुर के पास गश्त पर मौजूद थे, तभी एक मुखबिर ने उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही वीडियो के बारे में बताया। वीडियो में एक व्यक्ति महिंद्रा ट्रैक्टर नंबर (पीबी 35,5789) के पीछे बछड़े को रस्सी से बांधकर घसीटता और डंडों से मारता हुआ दिखाई दे रहा था।

पुलिस द्वारा वीडियो की जांच करने पर आरोपी की पहचान पुरुषोत्तम लाल पुत्र जसवंत राय, निवासी गांव वड्डा भनवाल जिला पठानकोट के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार आरोपी ने पशु के साथ बेहद क्रूर व्यवहार किया, जिसके चलते उसके खिलाफ पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 की धारा 3 और 11 के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच जारी है।

# जिले में 287 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त

## एडीसी ने उत्कृष्ट योगदान देने वाले लोगों व संस्थानों को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, धर्मशाला।** जिला कांगड़ा टीबी फोरम एवं जिला क्षय रोग उन्मूलन समिति की बैठक का आयोजन मुख्य चिकित्सा अधिकारी मीटिंग हाल में किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए एडीसी विनय कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन के नेतृत्व में विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के समन्वित प्रयासों से टीबी मुक्त ग्राम पंचायत पहल को विशेष गति दी गई है।

उन्होंने कहा कि यह अभियान जनभागीदारी आधारित मॉडल पर कार्य कर रहा है, जिसमें प्रत्येक पंचायत को टीबी उन्मूलन की दिशा में सशक्त बनाया जा रहा है। एडीसी ने बताया कि वर्ष 2025 में 37 ग्राम पंचायतों ने गोल्ड स्तर, 69 ने सिल्वर स्तर तथा 181 ग्राम पंचायतों ने ब्रॉन्ज स्तर प्राप्त किया है। कुल 287 ग्राम पंचायतें टीबी मुक्त लक्ष्य की दिशा में अग्रसर हैं। पंचायत विकास योजना के अंतर्गत पंचायतों द्वारा पंद्रहवें वित्त आयोग के तहत प्रावधान कर स्थानीय स्तर पर टीबी उन्मूलन प्रयासों को सुदृढ़ किया जा रहा है। उन्होंने आगे जानकारी दी कि अभियान में 3.45 लाख संवेदनशील आबादी में से 1.54 लाख व्यक्तियों की स्क्रीनिंग की गई व 2677 व्यक्तियों को टीबी से बचाव की दवाई प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत ग्राम पंचायत स्तर पर टीबी मुक्त ग्राम पंचायत फोरम का गठन कर समुदाय को टीबी के लक्षणों, जांच एवं उपचार के प्रति जागरूक किया जा रहा है तथा निक्षय मित्र योजना के माध्यम से रोगियों को पोषण एवं सामाजिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। सीएमओ कांगड़ा डॉ. विवेक करोल ने बताया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित आकलन से 969 उच्च जोखिम वाले गांव/वार्ड चिन्हित किए गए हैं। आयुष्मान आरोग्य शिविरों एवं निक्षय वाहनों के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों तक सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं, जहां टीबी जांच के साथ-साथ ब्लड प्रेशर एवं ब्लड शुगर की जांच भी की जाएगी। बैठक में जपाईगो के कंसल्टेंट (टीफा प्रोजेक्ट), वर्ल्ड हेल्थ पार्टनरशिप के स्टेट लीड एवं जिला टीम दो टीबी चैंपियन तथा भाषा अधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर एडीसी कांगड़ा द्वारा टीबी उन्मूलन में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं संस्थानों को सम्मानित किया गया।

क्षयरोग दिवस से पहले जागरुकता अभियान शुरू। अनंत ज्ञान

# नगर निगम धर्मशाला का 159 करोड़ 85 लाख 10 हजार का बजट पेश

## पिछले बजट की अपेक्षा दर्ज हुई 18.35 करोड़ की वृद्धि, आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में 10 करोड़ बढ़ोतरी का लक्ष्य रखा

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, धर्मशाला।** नगर निगम धर्मशाला का वार्षिक बजट 2026-27 बुधवार को मेयर नीनू शर्मा ने प्रस्तुत किया। इस वित्तीय वर्ष 2026-27 का कुल अनुमानित बजट 159 करोड़ 85 लाख 10 हजार रखा गया है। पिछले वर्ष 2025-26 में नगर निगम का कुल बजट 141.50 करोड़ था। इस बार बजट में कुल 18 करोड़ 35 लाख की बढ़ोतरी हुई है, जोकि कुल 12.97 फीसदी है।

वहीं, अब 31 मार्च तक 15 फीसदी बचे हुए प्रॉपर्टी सर्वे के कार्य को पूरा किया जाएगा और अप्रैल से मार्च 2020 से राज्य सरकार की ओर से घोषित नई गृहकर प्रणाली को पेंडिंग हाउस टैक्स यानी पांच वर्षों की वसूली सहित शुरू किया जाएगा। इसमें मर्ज एरिया में विशेष प्रावधान करते हुए फायनांस की बैठक कर छूट प्रदान किए जाने का आश्वासन दिया गया है, जिससे मर्ज किए गए क्षेत्र में एक ही तर्ज पर पुराने पांच वर्ष के गृह कर की वसूली की जाएगी। वहीं, नगर निगम आय बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास करेगा। पिछले वर्ष यानी 2025-26 में नगर निगम ने तीन करोड़ अधिक आय प्राप्त की है। इस देखते हुए अब आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में 10 करोड़ बढ़ोतरी का लक्ष्य रखा गया है। इसमें नगर निगम के समस्त 17 वार्डों से अब नई गृह कर प्रणाली के तहत वसूली होगी।

बजट पेश करने जाती धर्मशाला की मेयर नीनू शर्मा। अनंत ज्ञान

### शहर के सौंदर्यीकरण को 5 करोड़

**धर्मशाला** नगर निगम के वर्ष 2026-27 के बजट में शहर के विकास, सौंदर्यीकरण, स्वच्छता, यातायात, पर्यटन और जनसुविधाओं से जुड़े विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग बजट प्रावधान किए गए हैं। बजट के अनुसार शहरी सौंदर्यीकरण के लिए पांच करोड़, पर्यटन प्रोत्साहन के लिए 10 लाख तथा वार मेमोरियल में जलाशयों के विकास के लिए एक करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं।

### निगम संपत्तियों के किराया निर्धारण से बढ़ेगी आय

**निगम** की संपत्तियों की लीज व एग्रीमेंट के लिए किराया निर्धारण पर आय बढ़ेगी। पार्किंग स्थलों से भी आय में बढ़ोतरी की योजना बनाई गई है। नए एरिया में सीवरेज व्यवस्था के लिए 200 करोड़ का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। तब तक फिकल मैनजमेंट सिस्टम निचले सकोह के तहत व्यवस्था चलाई जाएगी।

### माई धर्मशाला ऐप होगा शुरू

**नगर** निगम की ओर से माई धर्मशाला ऐप का आगाज किया जाएगा। इसके साथ ही सफाई कर्मियों के लिए भी सफाई साथी कल्याण बोर्ड का गठन कर 10 लाख का प्रावधान किया गया है। शहर को देशभर में एक सौ स्वच्छ शहरों में शामिल किए जाने के लिए 50 लाख बजट रखा गया है। बेसहारा पशुओं के लिए 10 लाख, खेल के लिए 50 लाख सहित अन्य कार्यों के लिए बजट का प्रावधान किया गया है।

### अनुमानित आय 140 करोड़ 69 लाख 65 हजार रुपए

**वित्तीय** वर्ष 2026-27 में वार्षिक बजट 159 करोड़ 85 लाख 10 हजार रुपए रखा गया है। इसमें अनुमानित आय 140 करोड़ 69 लाख 65 हजार रुपए है, जबकि खर्च 159 करोड़ 85 लाख 10 हजार रुपए अनुमानित है। इससे पूर्व के वर्ष में 2025-26 में वार्षिक बजट 141 करोड़ 50 लाख रुपए था। इसमें कुल 18 करोड़ 35 लाख की बढ़ोतरी इस इस वर्ष की गई है, जोकि 12.97 फीसदी है। इस वर्ष नगर निगम धर्मशाला को विभिन्न टैक्स से आय छह करोड़, एसाइंड रेवेन्यू एंड कंपसेशन 12 करोड़ 27 लाख 50 हज़ार, विभिन्न एमसी प्रॉपटी से किराए से आय दो करोड़ 85 लाख, फीस व अन्य चार्जेस छह करोड़ 44 लाख, बिक्री व अन्य चार्जेस से सात लाख, इंवस्टमेंट से आय तीन करोड़ 50 लाख व ब्याज से आय दो करोड़ रुपए आएंगे।

एमसी को रेवेन्यू से कुल कमाई 35 करोड़ 14 लाख 65 हजार रुपए रहने का अनुमान है। इसके अलावा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन धर्मशाला को विभिन्न मदों से मिलने वाली ग्रांट से एक अरब पांच करोड़ 55 लाख रुपए के करीब प्राप्त होने की उम्मीद है। एसमी धर्मशाला का बजट एस्टबलिस्टमेंट यानी एमसी पर 14 करोड़ 15 लाख, प्रशासनिक खर्च एक करोड़, ऑपरेशन-मेंटिनेस पर 20 करोड़ 56 लाख, प्रोग्राम पर पांच लाख सहित कुल मिलाकर 159 करोड़ 85 लाख 10 हजार खर्च अनुमानित रहेगा। नगर निगम धर्मशाला का इस बार का बजट केंद्र व राज्यों सरकार की मेहरबानी पर भी काफी निर्भर करेगा। कई महत्वपूर्ण योजनाओं के लिए केंद्र व राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजे गए हैं। जिनके मिलने पर ही निगम को होने वाले घाटे में सुधार हो पाएगा।

## मर्ज एरिया में अप्रैल से लागू होगा प्रॉपर्टी टैक्स

## 5 हजार घरों की नहीं हो पाई है प्रॉपर्टी असेस्मेंट

अनंत ज्ञान

**राजेश कुमार, धर्मशाला।** नगर निगम धर्मशाला के मर्ज एरिया में अप्रैल माह से प्रॉपर्टी टैक्स लागू कर दिया जाएगा। मर्ज एरिया में अधिकतर घरों की प्रॉपर्टी का सर्वे कार्य पूरा हो चुका है, जबकि 5 हजार घर ही शेष बचे हैं, जिनकी प्रॉपर्टी की असेस्मेंट नहीं हो पाई है। ऐसे में नगर निगम प्रशासन ने शेष बचे लोगों से 31 मार्च तक अपने प्रॉपर्टी की असेस्मेंट सुनिश्चित करवाने की अपील की है, अन्यथा 31 मार्च के बाद प्रॉपर्टी असेस्मेंट भारी पड़ेगी। नगर निगम प्रशासन की मानें तो निगम एरिया में वर्ष 2016 से प्रॉपर्टी टैक्स लागू किया गया है, जबकि निगम में शामिल ग्रामीण क्षेत्रों को सुविधाएं न होने के चलते तीन वर्ष तक प्रॉपर्टी टैक्स में छूट दी गई थी। हालांकि, प्रॉपर्टी टैक्स नियमों के तहत वर्ष 2020 से लागू है, लेकिन मर्ज एरिया को इसमें छूट दी गई थी। अब मर्ज एरिया सहित नगर निगम के समस्त 17 वार्डों से प्रॉपर्टी टैक्स वसूल किया जाएगा। इसमें तीन सालों की छूट के बाद यानी 2020 के बाद के टैक्स की नियमों के तहत वूसली की जाएगी। इसके लिए नगर निगम की ओर से निजी कंपनी की ओर से प्रॉपर्टी सर्वे का 85 फीसदी कार्य पूरा कर लिया गया है, जबकि निगम प्रशासन का दावा है कि 31 मार्च तक शेष 15 फीसदी कार्य भी पूरा हो जाएगा, ताकि अप्रैल माह से समस्त नगर निगम एरिया में प्रॉपर्टी टैक्स लागू कर दिया जाएगा। अब जल्द ही 15 फीसदी कार्य को बचे हुए घर-घर में पहुंचकर सदस्य पहुंचकर सर्वे करेंगे। इसके आधार पर अधिसूचित यूनिट एरिया मैप्ड के तहत गृहकर को लागू किया जाएगा। उधर, नगर निगम आयुक्त जफर इकबाल ने कहा कि मर्ज एरिया में प्रॉपर्टी सर्वे का 85 फीसदी कार्य पूरा कर लिया गया है, शेष 15 फीसदी कार्य, 31 मार्च तक पूरा कर लिया जाएगा। आम जनता से अपील है कि निगम द्वारा हॉयर की गई एजेंसी के कर्मी असेस्मेंट के लिए आएं तो उन्हें सहयोग करें तथा असेस्मेंट करवाएं। निर्धारित तिथि उपरांत असेस्मेंट के लिए लोगों को एनओसी सहित अन्य औपचारिकताओं से गुजरना पड़ेगा। इसलिए शहरवासी नगर निगम को प्रॉपर्टी असेस्मेंट में सहयोग करें।

**◆ 31 मार्च तक असेस्मेंट न करवाना पड़ेगा भारी**

### मॉडल वेंडिंग जोन को 2 करोड़

**शहर** में पैदल यातायात सुविधाओं के विकास पर आठ करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे, जबकि रेहड़ी-फड़ी वालों के लिए मॉडल वेंडिंग जोन बनाने के लिए दो करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। पार्किंग सुविधा के लिए 10 करोड़ रुपए तथा सड़क किनारे पार्किंग सुविधा के लिए एक करोड़ रुपए निर्धारित किए गए हैं।

### स्ट्रीट लाइट्स के लिए 5 करोड़ का प्रावधान

**शहर** में स्ट्रीट लाइटों की व्यवस्था के लिए पांच करोड़, पार्कों के निर्माण एवं रखरखाव के लिए एक करोड़, भू-जल संग्रहण ढांचों के निर्माण एवं विकास के लिए 50 लाख रुपए तथा निगम परिसंपत्तियों की मरम्मत एवं रखरखाव के लिए एक करोड़ रुपए का बजट तय किया गया है। मरम्मत एवं आपदा प्रबंधन के लिए 1 करोड़ रुपए, स्वच्छता व्यवस्था एवं कार्यक्रमों के लिए 50 लाख रुपए तथा प्रोसेसिंग साइट के लिए एक करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। सफाई साथियों के लिए कल्याणकारी कार्यक्रमों के लिए 10 लाख रुपए, कुत्तों के प्रबंधन के लिए पांच लाख रुपए और स्ट्रे कैटल मैनेजमेंट के लिए 10 लाख रुपए रखे गए हैं।

### दो करोड़ से होगा शौचालय निर्माण व रखरखाव

**बजट** में शहर में शौचालय निर्माण एवं रखरखाव के लिए दो करोड़ रुपए तथा शहर में शौचालय रखरखाव के लिए एक करोड़ रुपए अलग से निर्धारित किए गए हैं। निगम क्षेत्र में कूहलों के निर्माण के लिए 1 करोड़ रुपए, धर्मशाला मैराथन के आयोजन के लिए 50 लाख रुपए तथा स्मार्ट क्लासरूम के लिए इंटरनेट व्यवस्था के लिए दो लाख रुपए का प्रावधान रखा गया है। इसके अलावा ग्रीन धर्मशाला मिशन के लिए 50 लाख, खेल मैदानों के विकास के लिए 50 लाख तथा आजीविका भवन के लिए 10 लाख रुपए निर्धारित किए गए हैं।

## सिटी सर्विस के तौर पर चलेंगी तीन ई-गाड़ियां

**◆◆ धर्मशाला नगर निगम में टॉप 100 मिशन लांच**
**◆◆ शहर में जल मनोरंजन की मिलेगी सुविधा**
**◆◆ झील निर्माण के लिए केंद्र को भेजा 20 करोड़ का प्रस्ताव**

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, धर्मशाला।** स्मार्ट सिटी धर्मशाला में सिटी सर्विस के तौर पर तीन ई-गाड़ियां चलाई जाएंगी। देश के स्वच्छ शहरों में धर्मशाला को शुमार करने के लिए धर्मशाला नगर निगम में टॉप 100 मिशन लांचिंग का ऐलान किया गया है। शहर में जल मनोरंजन की सुविधा पर्यटकों को उपलब्ध होगी। इसी कड़ी में शहर में झील निर्माण के लिए केंद्र को 20 करोड़ रुपए का प्रस्ताव भेजा गया है। यह बात नगर निगम धर्मशाला की मेयर नीनू शर्मा ने बुधवार को बजट प्रस्तुत करते हुए कही। नगर निगम धर्मशाला के बजट में धर्मशाला क्षेत्र के सीमांत क्षेत्रों स्थानीय लोगों को यातायात सुविधा प्रदान करने के लिए 3 नई ई-गाड़ियां चलाने की घोषणा की गई है।

धर्मशाला को स्वच्छता सर्वेक्षण में राष्ट्रीय स्तर पर 100 स्वच्छ शहरों की सूची में शामिल करने के लिए धर्मशाला टॉप 100 मिशन लांच किया गया। इसके लिए निगम बजट में 50 लाख का प्रावधान रखा गया है। इसके साथ ही निगम क्षेत्र में भूजल स्तर को बढ़ाने के लिए भूजल संरक्षण ढाचों के निर्माण व रखरखाव के लिए 50 लाख रुपए का निर्माण किया गया है, जबकि शहर में आने वाले सैलानियों को लुभाने व शहर के लोगों को जल मनोरंजन सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए पिंगल नाला में एवं वाटर बाडी के निर्माण के लिए 1 करोड़ रुपए की घोषणा की गई। साथ ही मेयर ने बताया कि शहर में 1 झील के निर्माण के लिए 20 करोड़ रुपए की राशि के लिए स्वीकृति के लिए मामला केंद्र सरकार को भेजा गया है। बरसात व आपदा के समय पहाड़ी क्षेत्र के तहत आते नगर निगम धर्मशाला में बरसात एवं आपदा के समय सड़क रास्तों, भवनों इत्यादि को पहुंचने वाले नुकसान की मुरम्मत के लिए इस वित्तीय वर्ष में 1 करोड़ के प्रावधान रखा गया है। इसके साथ ही शहर की स्वच्छता बनाए रखने वाले सफाई कर्मचारियों के लिए सफाई साथी कल्याण कोष के गठन की घोषणा की गई। इसके लिए इस बजट में 10 लाख प्रावधान रखा गया है, जबकि शहर के नए शामिल क्षेत्रों में आंगनबाड़ी भवनों की कमी को देखते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण के लिए जमीन आवंटित करने का प्रावधान किया गया।

## न्यूज ब्रीफ

### अनुराग शर्मा ने राहुल गांधी से की मुलाकात

**अनंत ज्ञान, बैजनाथ।** राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने के बाद अनुराग शर्मा ने राहुल गांधी से शिष्टाचार भेंट कर उनका आशीर्वाद लिया। उन्होंने विश्वास जताने पर आभार व्यक्त किया। मुलाकात में जनहित मुद्दों, संविधान की रक्षा, किसानों, महंगाई और बेरोजगारी पर चर्चा हुई तथा प्रदेश में विकास कार्यों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

### टैगोर आईटीआई में निकाली जागरुकता रैली

**नरेंद्र डोगरा, अनंत ज्ञान, जयसिंहपुर।** आयुष विभाग द्वारा आयोजित आयुष ग्राम कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को टैगोर आईटीआई आलमपुर में छात्रों ने रैली निकालकर स्वस्थ जीवन और आयुष अपनाने का संदेश आमजन तक पहुंचाया। आयुष विभाग के डॉ. अनिल कुमार ने छात्रों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया और इससे दूर रहने की शपथ दिलाई। योगा गाइड अवीनास ने योगाभ्यास के लाभ बताकर इसे जीवनशैली में शामिल करने की सलाह दी। कार्यक्रम में डॉ. अनिल कुमार, डॉ. विशाल कुमार, डॉ. पंकज राणा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। अंत में छात्रों में फल वितरित किए गए। संस्थान के प्रधानाचार्य और स्टाफ का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया गया।

### नैहरनपुखर आईटीआई में कैंपस साक्षात्कार कल

**पिंकी, अनंत ज्ञान, डाडासीबा।** राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नैहरनपुखर में 20 मार्च 2026 को लार्सन एंड टर्बो लिमिटेड द्वारा कैम्पस साक्षात्कार आयोजित किया जाएगा। यह साक्षात्कार इलेक्ट्रिशियन, फिटर, वेल्डर, प्लंबर (सिविल) व्यवसायों के आईटीआई पास युवाओं के लिए है। चयनित युवाओं को मासिक वेतन 18,000 से 20,000 रुपये मिलेगा। इच्छुक अभ्यर्थी अपने चार पासपोर्ट साइज फोटो, रिज्यूम, मूल प्रशिक्षण और शैक्षणिक प्रमाणपत्र, आधार, पैन कार्ड व बैंक खाता की प्रतिलिपियों के साथ सुबह 10 बजे संस्थान पहुंचें। जानकारी के लिए 01970292604 और 8580668488 पर संपर्क करें।

### कोटला बेहड़ कॉलेज में स्टूडेंट्स किए सम्मानित

**पिंकी, अनंत ज्ञान, डाडासीबा।** राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय कोटला बेहड़ में वार्षिक पारितोषिक वितरण समारोह आयोजित किया गया। मुख्यातिथि कामगार कल्याण बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह मनकोटिया ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य डॉ. अश्वनी कुमार अवस्थी ने महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि यहां 107 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया। मुख्यातिथि ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी और नशे से दूर रहने तथा शिक्षा और खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। छात्रों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

### जीवन कौशल विकसित करने का महत्व बताया

**शिव गुलेरिया, अनंत ज्ञान, देहरा।** हरिपुर स्थित रोजमेरी पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के लिए एनईपी 2020 पर एक दिवसीय इन-हाउस कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया। मुख्य संसाधन व्यक्ति डॉ. राजीव नरियाल ने नई शिक्षा नीति के 5+3+3+4 संरचना, बहुभाषिक शिक्षा, कौशल-आधारित शिक्षण और मूल्यांकन प्रणाली में बदलाव जैसे महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षकों को गतिविधि-आधारित और अनुभवात्मक शिक्षण, तकनीक के उपयोग तथा छात्रों में आलोचनात्मक सोच व जीवन कौशल विकसित करने के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम शिक्षकों के लिए अत्यंत ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक रहा।

### केंद्रीय विश्वविद्यालय में बुक कॉर्नर का उद्घाटन

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** आचार्य रघुवीर केंद्रीय पुस्तकालय, केंद्रीय विश्वविद्यालय हिमाचल प्रदेश धर्मशाला में कुलपति प्रो. सत प्रकाश बंसल के सम्मान में 'प्रो. सत प्रकाश बंसल बुक कॉर्नर' का उद्घाटन पद्मश्री प्रो. हरमोहिंदर सिंह बेदी द्वारा किया गया। इस बुक कॉर्नर का उद्देश्य शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना तथा विद्यार्थियों और शोधार्थियों को महत्वपूर्ण शैक्षणिक संसाधनों तक सहज पहुंच प्रदान करना है। इस विशेष संग्रह में कुलपति द्वारा लिखित व अनुशंसित पुस्तकें शामिल हैं, जो विद्यार्थियों को अध्ययन, शोध और समकालीन विषयों की गहरी समझ विकसित करने के लिए प्रेरित करेंगी।

### पठानिया ने जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों के समाधान के दिए निर्देश

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** शिमला में शाहपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया द्वारा घटनालू (सिहुवां) से राजोल तक किए जा रहे फोरलेन निर्माण कार्य से संबंधित महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता शाहपुर के विधायक एवं उपमुख्य सचेतक केवल सिंह पठानिया ने की। बैठक में फोरलेन निर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। पठानिया ने एनएचएआई अधिकारियों को निर्देश दिए कि घटनालू (सिहुवां) से राजोल तक पूरे मार्ग पर पानी की समुचित निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि बरसात अथवा अन्य परिस्थितियों में स्थानीय लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। रैत के निकट 45 मील क्षेत्र में स्थानीय लोगों तथा कॉलेज विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ओवरहेड ब्रिज का निर्माण कार्य प्रगति पर है, जिसे शीघ्र पूर्ण किया जाएगा। 45 मील के टीका उपाहू में रिटेनिंग वॉल, रैत पुल के नजदीक सर्विस लेन, निर्माणाधीन चंबी पुल के पास रिटेनिंग वॉल आदि विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में शाहपुर के रेहलू रोड पर अंडरपास निर्माण को लेकर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया गया। इसके साथ ही चंबी क्षेत्र में 132 केवी विद्युत लाइन की शिफ्टिंग के मुद्दे पर भी संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा की गई। एनएचएआई के आरओ ने उपमुख्य सचेतक को आश्वस्त किया कि उनके द्वारा दिए गए सभी निर्देशों एवं सुझावों की अनुपालना सुनिश्चित की जाएगी, ताकि फोरलेन निर्माण कार्य के दौरान आमजन को कम से कम असुविधा हो और आवश्यक जनसुविधाएं सुरक्षित रहें।

**◆ घटनालू से राजोल तक फोरलेन निर्माण कार्य को लेकर हुई बैठक**

### नव्या ठाकुर और यश कपूर ने नवोदय परीक्षा में लहराया परचम

**जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान, बैजनाथ।** बैजनाथ स्थित भारती विद्यापीठ स्कूल के दो होनहार विद्यार्थियों नव्या ठाकुर और यश कपूर ने जवाहर नवोदय प्रवेश परीक्षा 2026 उत्तीर्ण कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उनकी इस उपलब्धि से न केवल स्कूल बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस कठिन प्रतियोगी परीक्षा में सफलता हासिल कर दोनों विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा का उत्कृष्ट परिचय दिया है। उनकी इस उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक नवनीत डोगरा, प्रधानाचार्य संजय शर्मा तथा समस्त अध्यापक वर्ग ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी। विद्यालय प्रबंधन ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में भी छात्र-छात्राएं इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर संस्थान और क्षेत्र का नाम रोशन करते रहेंगे।

### चक्की ब्रिज पुनर्निर्माण पूरा, कांगड़ा घाटी रेलवे पूर्ण संचालन के लिए तैयार : अनुराग

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला।** पूर्व केंद्रीय मंत्री व हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग ठाकुर के संसद में हिमाचल प्रदेश और कांगड़ा घाटी क्षेत्र के लोगों से जुड़ी महत्वपूर्ण चक्की नदी रेलवे पुल से जुड़े प्रश्न पर रेल मंत्रालय ने बताया कि 20 अगस्त 2022 को भारी बारिश में बह गए चक्की खड ब्रिज नंबर 32 का पुनर्निर्माण का कार्य पूरी तरह से पूरा हो गया है। अब ट्रैक को पठानकोट से जोगिंद्रनगर तक पूरे खंड में ट्रेन संचालन के लिए उपयुक्त घोषित कर दिया है। अनुराग के प्रश्न पर रेल मंत्रालय ने बताया कि यूनेस्को ने कांगड़ा घाटी रेलवे को 'माउंटेन रेलवे ऑफ इंडिया' विश्व धरोहर स्थल के विस्तार के रूप में अपनी टेंटेटिव हेरिटेज सूची में शामिल कर लिया है। इससे कांगड़ा घाटी रेलवे लाइन, दार्जिलिंग हिमालयन रेलवे, कालका -शिमला रेलवे और नीलगिरि माउंटेन रेलवे की प्रतिष्ठित श्रेणी में सम्मिलित हो गई है। टेंटेटिव सूची में शामिल होना पूर्ण यूनेस्को नामांकन की ओर पहला औपचारिक कदम है। अनुराग ने इन विकासों पर गहरी संतुष्टि व्यक्त की है और हिमाचल प्रदेश के लोगों को विश्व स्तरीय रेल कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। अनुराग ने कहा कि चक्की ब्रिज की बहाली और पूर्ण ट्रेन सेवाओं का पुनरारंभ केवल शुरुआत है, कांगड़ा घाटी रेलवे को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल बनाना है, जो हिमाचल प्रदेश को वैश्विक विरासत पर्यटन मानचित्र पर स्थापित करेगा और घाटी भर में हजारों परिवारों के लिए आजीविका उत्पन्न करेगा। कांगड़ा घाटी रेलवे के भविष्य को और मजबूत करते हुए, रेल मंत्रालय ने मौजूदा पठानकोट-जोगिंदर नगर नैरो गेज खंड (लगभग 200 किलोमीटर) को ब्रॉड गेज में बदलने के लिए सर्वेक्षण को मंजूरी दी है, और विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने के लिए फील्ड सर्वेक्षण शुरू कर दिया गया है।

### हैप्पी बर्थडे

जसाना गांव (बंगाणा) के आदविक को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

### नई जोड़ी

गढ़ बसदी के साहिल और धीरा की रुचिका को परिणय सूत्र में बंधने पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

**कार्यक्रम** नगरोटा बगवां कॉलेज में केंद्रीय छात्र परिषद समारोह 'सबरस' आयोजित

## शिक्षा की गुणवत्ता में हो रहा सुधार: आरएस बाली

**◆ कंप्यूटर लैब के लिए 30 आधुनिक कंप्यूटर देने की घोषणा**

अनंत ज्ञान

**कपिल वासुदेवा, नगरोटा बगवां।** प्रदेश सरकार ने प्रदेश के सभी तरह के शिक्षण संस्थानों की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के लिए प्रयास किया है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब देखने को मिल रहे हैं। यह बात पर्यटन निगम के अध्यक्ष एवं विधायक नगरोटा बगवां आरएस बाली ने राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय नगरोटा बगवा में केंद्रीय छात्र परिषद समारोह 'सबरस' में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए कही।

उन्होंने समस्त प्रशासन और छात्रों को सबरस सांस्कृतिक समारोह 2026 के भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा यह महाविद्यालय छात्रों के भविष्य को उज्जवल बनाने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा हमारे जीवन में छात्र जीवन का समय ऐसा समय होता है जो हमारे जीवन के भविष्य की दिशा को बनाने का काम करता है। उन्होंने कहा यह समय हमारी मेहनत करने का समय होता है, जो छात्र इस समय का सदुपयोग करते हैं कठिन परिश्रम करते हैं उनका भविष्य उज्जवल बनता है उन्होंने कहा वह स्वयं भी छात्र राजनीति से निकलकर आज इस मुकाम पर पहुंचे हैं। उन्होंने सभी छात्रों से छात्र जीवन में कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। उन्होंने मोबाइल का कम प्रयोग और प्रकृति के साथ समय बिताने की बात कही। उन्होंने कहा बेटियों के लिए इस महाविद्यालय में 5 करोड़ रुपए की लागत से गर्ल्स हास्टल बन रहा है जिसका काम जल्द पूरा होगा। इस हास्टल का अनेकों बेटियों को लाभ मिलेगा। सबरस समारोह में गायन, नृत्य, भाषण, कविता, रंगोली, फेंसी ड्रेस सहित अन्य अनेकों प्रतियोगिताएं करवाई गई, जिसमें महाविद्यालय के लगभग 200 विद्यार्थियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि ने प्रतियोगिता में शामिल प्रतियोगियों को इनाम बांटे। उन्होंने कंप्यूटर लैब के लिए 22 लाख रुपए की लागत से 30 आधुनिक कंप्यूटरी देने की घोषणा की। उन्होंने महाविद्यालय का मुख्य द्वार बनाने की भी घोषणा की। उन्होंने युवाओं से चिट्टा सहित सभी तरह के नशे से हमेशा दूर रहने की अपील की।

छात्रों से कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। अनंत ज्ञान

## बारिश से रिवाइव हुए पेयजल स्रोत, अब नहीं होगी समस्या

अनंत ज्ञान

**◆ जल शक्ति विभाग के लिए राहत बनकर आई बारिश**

**ब्यूरो, धर्मशाला।** लंबे ड्राइ स्पैल के बाद हुई बारिश, जल शक्ति विभाग के लिए राहत लेकर आई है। आलम यह था कि बारिश के अभाव में धर्मशाला शहर को सप्लाई के दो मुख्य स्त्रोतों से प्लांट के लिए सप्लाई आधी रह गई थी। बारिश न होती तो विभाग को पेयजल सप्लाई में दिक्कतें पेश आ सकती थी, क्योंकि बारिशों के अभाव में विभाग की छह योजनाओं में दिक्कत आना शुरू हो गई थी।

जल शक्ति विभाग मंडल धर्मशाला के एक्सईएन सुमित विमल कटोच ने बताया कि धर्मशाला मंडल में 38 पेयजल योजनाएं हैं, जिनमें से बारिशें न होने के चलते छह स्कीमों में समस्या आना शुरू हो गई थी। इनमें धर्मशाला, योल और तंगरोटी की स्कीमें शामिल थी। धर्मशाला शहर के लिए भत्तला और भटेड़ खड्ड पेयजल के दो प्रमुख स्त्रोत हैं। दोनों स्त्रोतों से वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में करीब नौ लाख लीटर पानी पहुंचता है, लेकिन लंबे ड्राइ स्पैल के चलते पानी की आमद प्लांट में करीब आधी रह गई थी और साढ़े चार से 5 लाख लीटर पानी ही प्लांट में पहुंच रहा था। यदि बारिशें नहीं होती तो विभाग को राशनिंग या पेयजल वितरण समय में कटौती करने को मजबूर होना पड़ना था, लेकिन बारिश होने से पेयजल स्त्रोत रिवाइव हुए हैं तथा जल शक्ति मंडल धर्मशाला में पानी की स्थिति संतुलित है। इसके अलावा रामनगर-शामनगर में गर्मियों और बरसात में पेयजल समस्या पेश आती थी, गर्मियों में पेयजल की कमी, जबकि बरसात में पाइपें बहने से दिक्कत आती थी, इसका भी समाधान विभाग ने कर लिया है तथा इस बार रामनगर-शामनगर एरिया में गर्मियों में पेयजल समस्या, लोगों को नहीं झेलनी पड़ेगी।

## न्यूज ब्रीफ

### हमीरपुर में ऑपरेटर के साक्षात्कार 23 को

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** आरके लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड नालागढ़ में ट्रेनी के विभिन्न पदों के लिए भर्ती की जाएगी। ट्रेनी केमिस्ट और ट्रेनी माइक्रो बायोलॉजिस्ट के 4-4 तथा ट्रेनी ऑपरेटर के 6 पद भरे जाएंगे। इन पदों के लिए साक्षात्कार 23 मार्च को जिला रोजगार कार्यालय हमीरपुर में आयोजित होंगे। केमिस्ट पद के लिए बीएससी/एमएससी (केमिस्ट्री) या फार्मा योग्यता, माइक्रो बायोलॉजिस्ट के लिए एमएससी माइक्रोबायोलॉजी/बायोटेक आवश्यक है। ऑपरेटर के लिए संबंधित इंजीनियरिंग डिप्लोमा जरूरी है। आयु सीमा 18-30 वर्ष निर्धारित है। चयनित अभ्यर्थियों को 13,000 से 30,000 रुपए तक मासिक वेतन मिलेगा।

### 'कठपुतली शो' से वन संरक्षण का संदेश

**अनंत ज्ञान, रंगस।** कठपुतली शो के माध्यम से लोगों को वन संरक्षण का सरल और प्रभावशाली संदेश दिया गया। 'मेरा जंगल-मेरी जिम्मेदारी' थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में आमजन को जंगलों को अपना समझकर उनकी सुरक्षा करने के लिए प्रेरित किया गया। हंस फाउंडेशन की ब्लॉक समन्वयक सीमा बांगना ने बताया कि इसका उद्देश्य लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना है। कार्यक्रम में विशेष रूप से जंगलों में आग न लगाने और फायर सीजन को ध्यान में रखते हुए सतर्क रहने का आह्वान किया गया। यह शो ग्राम पंचायत कलूर, झराड़ी, लम्बोट और जसाई में आयोजित किया गया, जिससे लोगों में जागरुकता बढ़ी।

### भरेड़ी में सहायता संस्था की बैठक 29 को

**अनंत ज्ञान, भोरंज।** उपमंडल भोरंज के भरेड़ी में गरीब असहाय सहायता संस्था की बैठक 29 मार्च को आयोजित होगी। इसे लेकर पदाधिकारियों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बैठक में बीते वर्ष की गतिविधियों की समीक्षा और वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही भविष्य की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा होगी। नई कार्यकारिणी के गठन, सदस्यता अभियान को मजबूत करने और नए सदस्यों को जोड़ने पर भी विचार किया जाएगा। संस्था के अनुसार सदस्यों के सुझावों के आधार पर आगामी कार्यक्रम तय होंगे। सभी सदस्यों से बैठक में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर इसे सफल बनाने की अपील की गई है।

### अंग्रेजी शिक्षकों की परीक्षा 3 अप्रैल को

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) ने अंग्रेजी शिक्षकों (पोस्ट कोड-26002) की भर्ती के लिए कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) की तिथि घोषित कर दी है। सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि परीक्षा 3 अप्रैल को होगी। परीक्षा से एक सप्ताह पहले आयोग की वेबसाइट पर रोल नंबर और एडमिट कार्ड डाउनलोड करने का लिंक उपलब्ध होगा। अभ्यर्थियों को रोल नंबर और परीक्षा केंद्र की जानकारी मोबाइल एसएमएस के माध्यम से भी भेजी जाएगी। सचिव ने सभी अभ्यर्थियों से समय-समय पर वेबसाइट, ईमेल और मोबाइल एसएमएस के माध्यम से अपडेट चेक करने की अपील की है।

### कमलाह सहकारी सभा का अधिवेशन 25 को

**अनंत ज्ञान, नादौन।** नादौन उपमंडल की दी कमलाह कृषि सेवा सहकारी सभा सीमित का वार्षिक अधिवेशन 25 मार्च को सुबह 11 बजे सभा कार्यालय में आयोजित होगा। इसमें सभा के आय-व्यय, लाभ-हानि और लेखा-जोखा सभा में पढ़कर सुनाया जाएगा। सभा के सचिव पुशविंदर सिंह ने प्रेस बयान में सभा के सभी सदस्यों से आग्रह किया है कि वे निर्धारित समय व स्थान पर पहुंचकर अधिवेशन में भाग लें।

### हमीरपुर में 20 को प्रस्तावित ड्राइविंग टेस्ट स्थगित

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** एसडीएम कार्यालय हमीरपुर के तहत 20 मार्च को एनआईटी के निकट खसग्रां में प्रस्तावित ड्राइविंग टेस्ट फिलहाल स्थगित कर दिए हैं। एसडीएम संजीत सिंह ने बताया कि प्रशासनिक कारणों से इन्हें स्थगित करना पड़ा है। उन्होंने बताया कि ड्राइविंग टेस्ट की नई तिथि जल्द ही निर्धारित कर दी जाएगी।

### नवोदय विद्यालय की प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** जवाहर नवोदय विद्यालय डूंगरी में छठी कक्षा में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया है। विद्यालय के प्राचार्य विक्रम कुमार ने बताया कि परीक्षा में चयनित अभ्यर्थियों की प्रोविजनल सूची तैयार कर ली गई है। छठी कक्षा में प्रवेश की प्रक्रिया केवल ऑनलाइन माध्यम से ही पूर्ण की जाएगी, जिसके लिए अलग से दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे। गौर रहे कि जनवरी माह में यह प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई थी। इसमें जिलेभर से 3200 छात्रों ने यह परीक्षा दी थी। उन्होंने बताया कि विद्यालय में 80 सीटें भरी जानी हैं जिसके लिए शीघ्र प्रक्रिया शुरू की जाएगा।

### अणु में 22 को होगा कुश्तियों का आयोजन

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** अणु लखदाता छिंज कमेटी की ओर से 22 मार्च को कुश्तियों का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें चर्चित पहलवान व स्थानीय पहलवान भाग ले रहे हैं। पहलवानों को कमेटी और रेफरी के निर्णय के अनुसार कुश्ती लड़नी होगी। कुश्तियों का उद्घाटन एवं पुरस्कार वितरण मुख्य अतिथि सदर विधायक आशीष शर्मा करेंगे। पहलवानों को कुश्ती के दौरान आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे।

### मट्टन सिद्ध छिंज मेला 12 अप्रैल को

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** प्रसिद्ध एवं प्राचीन संकट मोचन हनुमान मंदिर मट्टन सिद्ध परिसर में 12 अप्रैल को विशाल छिंज मेले का आयोजन होगा। मंदिर महंत मेहर सिंह पटियाल ने बताया कि 11 अप्रैल को विशाल भंडारा भी होगा, जबकि 2 अप्रैल को हनुमान जयंती के उपलक्ष्य में विशाल भंडारे व जगराते का आयोजन भी होगा।

### खग्गल में 82 लोगों ने करवाई स्वास्थ्य जांच

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** आयुष्मान आरोग्य मंदिर धनेड़ के सौजन्य से खग्गल गांव में मस्कुलो स्केलेटल डिस्ऑर्डर्स की जांच के लिए एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। 82 लोगों ने स्वास्थ्य की जांच करवाई। वहीं, 30 से अधिक लोगों ने विशेष रूप से कपिंग थेरेपी, अग्नि कर्म एवं रक्त मोक्षक के माध्यम से अपना इलाज करवाया। शिविर में डॉ. संजीव शर्मा अस्थि रोग विशेषज्ञ, डॉ दिनेश शर्मा, डॉ लोकेश कतना ने अपनी सेवाएं दी और मरीजों का उचित मार्गदर्शन किया। शिविर को सफल बनाने में सहयोगी स्टाफ एपीओ अविनाश ठाकुर, योग गाइड, रक्षा और चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारी जगदेव, ओम प्रकाश में विशेष योगदान दिया।

### राजपूत सभा ने शिव मंदिर में किया हवन यज्ञ

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** राजपूत सभा और सामान्य वर्ग समाज के सौजन्य से बुधवार को शहर के शिव मंदिर में हवन यज्ञ आयोजित किया गया। बच्चों, साधु-संतों और पदाधिकारियों ने वैदिक मंत्रों के साथ आहुति डालकर और कन्या पूजन कर यज्ञ संपन्न किया। यह कार्यक्रम 19 मार्च को सर्वोच्च न्यायालय में यूजीसी गाइडलाइन पर होने वाली सुनवाई से पूर्व आयोजित किया गया। उपस्थित लोगों ने देवी-देवताओं और अदृश्य शक्तियों से प्रार्थना की कि सरकार जातिगत भेदभाव समाप्त करे और यूजीसी गाइडलाइन रद्द करे, तथा न्यायालय का निर्णय सामान्य वर्ग के पक्ष में आए। प्रमुख पदाधिकारियों में जोगिंदर ठाकुर, राकेश ठाकुर, रविंद्र सकलानी और अन्य शामिल थे।

### टंग में 15 दिन से गैस सिलेंडरों की सप्लाई नहीं

**अनंत ज्ञान, नादौन।** टंग गांव में रसोई गैस के सिलेंडरों की गाड़ी को आए हुए करीब दो सप्ताह बीत चुके हैं। इस कारण उपभोक्ता परेशान हैं। गांव के जसवंत सिंह, अजमेल वर्मा, सतवीर सिंह, मलकीयत सिंह आदि ने बताया कि उनके गांव में टंग मंदिर के पास गैस के सिलेंडरों को लेकर हर रविवार को लोग सिलेंडर लेकर बैठे रहते हैं, लेकिन काफी इंतजार के बाद भी जब गैस वाली गाड़ी नहीं पहुंचती है तो पता चलता है कि गाड़ी पीछे से ही वापस हो गई है। फलस्वरूप लोगों को खाली सिलंडर लेकर मायूस होकर घरों को जाना पड़ता है। उन्होंने प्रशासन व संबंधित विभाग से आग्रह किया है कि उनके क्षेत्र में गैस की सप्लाई भेजी जाए, ताकि हो रही परेशानी से निजात मिल सके।

### सहायक स्टाफ नर्स के पदों में 118 पदों की बढ़ोतरी

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** हिमाचल प्रदेश राज्य चयन आयोग (एचपीआरसीए) के माध्यम से भरे जा रहे सहायक स्टाफ नर्स (एलोपैथी) के पदों की संख्या में 118 की बढ़ोतरी की गई है। अब आयोग सहायक स्टाफ नर्स (एलोपैथी) के कुल 508 पदों पर भर्ती करेगा। आयोग के सचिव डॉ. विक्रम महाजन ने बताया कि 10 फरवरी को जारी आयोग के विज्ञापन में पोस्ट कोड-26004 के तहत सहायक स्टाफ नर्स (एलोपैथी) के 390 पद विज्ञापित किए गए थे। लेकिन, अब स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के निदेशालय से 118 और पदों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। अब इन पदों की संख्या बढ़कर 508 हो गई है। परीक्षा 20 और 21 मार्च को आयोजित की जाएगी। 400 पदों पर हाई कोर्ट से स्टे लगा हुआ है। यदि इन पदों को भरने की मंजूरी मिल जाती है तो यह पद 900 से अधिक हो जाएंगे।

### वार्डों के परिसीमन में आंशिक संशोधन पर आपत्तियां आमंत्रित

**अनंत ज्ञान, हमीरपुर।** जिले की कुछ पंचायतों के पुनर्गठन के कारण अब जिला परिषद के विभिन्न वार्डों के परिसीमन में पुनः आंशिक संशोधन किया जा रहा है। आंशिक रूप से पुनः संशोधित परिसीमन का प्रारूप 17 मार्च को प्रकाशित कर दिया गया है। उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी गंधर्वा राठौड़ ने बताया कि अगर किसी व्यक्ति को इस संशोधित परिसीमन के संबंध में कोई आपत्ति है या फिर वह अपना कोई सुझाव देना चाहता है तो वह इन्हें जिला निर्वाचन अधिकारी (पंचायत) के कार्यालय में प्रारूप के प्रकाशन की तिथि से तीन दिन के भीतर दर्ज करवा सकता है।

# नवरात्र पर दुल्हन की तरह सजा संतोषी माता मंदिर लदरौर

अनंत ज्ञान

**हमीरपुर/जाहू।** चैत्र नवरात्र को लेकर जिलेभर के माता के मंदिरों की सजावट देखते ही बनती है। नवरात्र को लेकर झनियारी देवी माता मंदिर और प्रसिद्ध धार्मिक स्थल संतोषी माता मंदिर नवरात्र के अवसर पर दुल्हन की तरह सजा हुआ है। मंदिर कमेटी के सदस्यों ने मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। भोरंज उपमंडल के भौंखर पंचायत के लदरौर (खुथड़ी) स्थित संतोषी माता मंदिर हजारों लोगों की आस्था का केंद्र है, इसलिए नवरात्र के पर्व पर मंदिर में खासी भीड़ रहती है। वीरवार से शुरू हो रहे नवरात्र पर मंदिर कमेटी के सदस्य सुबह 8 बजे पूजा-अर्चना करके संतोषी माता का आशीर्वाद लेकर नवरात्र का शुभारंभ करेंगे। इस बार मंदिर में नवरात्र के पर्व पर करीब 2 लाख श्रद्धालुओं के आने तथा 13 लाख रूपए का चढ़ावा चढ़ने की उम्मीद है।

◆ आज सुबह आठ बजे पूजा के साथ होगा शुभारंभ

### 23 सीसीटीवी कैमरों से होगी कड़ी निगरानी

**श्रद्धालुओं** की सुरक्षा की दृष्टि से इस बार 4 नए सीसीटीवी कैमरे लगाए हैं। जिससे मंदिर परिसर में कैमरे की संख्या 23 हो गई है। इसके अलावा कई सालों पहले बने वीआईपी कमरों के साथ 6 शौचालयों का निर्माण किया गया है। इस पर करीब 4 लाख रुपए खर्च किए गए हैं। इसी तरह मंदिर के विकास के लिए 60 लाख रुपए खर्च करके तीन मंजिला भवन बनाया गया है। इसमें 6 नई दुकानें, एक जूता घर व शौचालयों का निर्माण शामिल है। मंदिर में नौ दिनों में करीब 2 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है तथा करीब 13 लाख चढ़ावा चढ़ने का अनुमान है।

संतोषी माता की मूर्ति की सजावट। अनंत ज्ञान

### पानी की उचित व्यवस्था की

**मंदिर** परिसर में प्रवेश करने के लिए दो मुख्य द्वार हैं, लेकिन अधिक भीड़ होने पर पूर्वी द्वार को आने के लिए बंद किया जा सकता है। इसके अलावा मंदिर परिसर में सफाई की विशेष व्यवस्था की गई है। 18 शौचालयों में पानी के पुख्ता इंतजाम हैं। इसी तरह नौ दिनों में सुबह 8:30 बजे से शाम 4 बजे तक लंगर की व्यवस्था की गई है। मंदिर कमेटी के समस्त सदस्य मंदिर में व्यवस्था बनाने के लिए तैनात किए गए हैं। इससे मंदिर में पहले नवरात्र से ही भीड़ उमडने की उम्मीद है। मंदिर कमेटी के अध्यक्ष बलवंत सिंह का कहना है कि नवरात्र के उपलक्ष्य पर मंदिर को अच्छी तरह से सजाया गया है तथा श्रद्धालुओं के लिए पूरी व्यवस्था की गई है। नवरात्र में करीब 2 लाख श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है।

# भोरंज में रैली से किया स्मार्ट मीटरों का विरोध

## बैठक में विद्युत बोर्ड पेंशनर्स फोरम ने वित्तीय लाभों की आदयगी में देरी पर भी जताया आक्रोश

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, हमीरपुर।** विद्युत बोर्ड पेंशनर्स फोरम इकाई भोरंज की बैठक इकाई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरी चंद की अध्यक्षता में हुई, जिसमें पेंशनर्स के अलावा महिला मंडल के सदस्यों ने भी भाग लिया। बैठक में जिला फोरम के जिला महासचिव विजय शर्मा, उपाध्यक्ष जोगिंद्र शर्मा, चीफ ऑडिटर सुभाष ठाकुर, भोरंज इकाई के महासचिव रणवीर ठाकुर के साथ काफी पेंशनर्स उपस्थित रहे।

बैठक में पेंशनर्स के वित्तिय लाभों की अदायगी में की जा रही अनावश्यक देरी पर आक्रोश व्यक्त किया गया। विद्युत बोर्ड पेंशनर्स फोरम के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह खरवाड़ा ने कहा कि बोर्ड के चेयरमैन प्रबोध सक्सेना के साथ 20 दिसंबर को फोरम के प्रतिनिधियों के साथ हुई बैठक में लिए गए निर्णयों के मुताबिक, संशोधित पेंशन की बकाया राशि के कुछ पेंशनर्स को भुगतान तो हुए हैं, लेकिन कुछ निर्णयों पर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि 2022 के आदेशों के मुताबिक 01-01-2016 के बाद सेवानिवृत हुए कर्मचारियों को बकाया राशि की 50-50 हजार रुपए की पहली किस्त व संशाधित ग्रेच्युटी की 20प्रतिशत का बकाया राशि, 2023 के बाद सेवानिवृत्त कर्मचारियों को उनके लीव-इन-केशमैंट व ग्रेच्युटी और हाल ही में प्रदेश सरकार के आदेशों के मुताबिक, 70 से 75 वर्ष की आयु वर्ग के पेंशनर्स को बकाया राशि का भुगतान नहीं हो पाया है, जिसको लेकर समस्त पेंशनर्स में भारी आक्रोश है। वहीं स्मार्ट का भी विरोध किया।

विद्युत बोर्ड पेंशनर्स फोरम इकाई भोरंज की बैठक आयोजित। अनंत ज्ञान

### स्मार्ट मीटरिंग व निजीकरण पर उठाई चिंता

**कुलदीप** सिंह खरवाड़ा ने बोर्ड चेयरमैन प्रबोध सक्सेना और प्रबंध निदेशक आदित्य नेगी से पेंशनर्स के लंबित वित्तीय लाभ शीघ्र जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि आरडीएसएस योजना के तहत हो रही स्मार्ट मीटरिंग बिजली वितरण के निजीकरण की दिशा में बड़ा कदम है, जिससे उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा और कर्मचारियों के रोजगार पर असर पड़ेगा। उन्होंने सवाल उठाया कि महंगे स्मार्ट मीटर लगाने का औचित्य क्या है, जब सरकार पहले ही मुफ्त बिजली दे रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू से स्मार्ट मीटरिंग पर पुनर्विचार और विद्युत बोर्ड को मजबूत करने के लिए रिक्त पद भरने व ढांचे में सुधार की मांग की।

### पेंशनर्स के धन के उपयोग पर उठे सवाल

**पेंशनर्स** फोरम के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह खरवाड़ा ने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मचारियों के वित्तीय लाभ, संशोधित वेतन और पेंशन की बकाया राशि के भुगतान का प्रावधान रेगुलेटरी कमीशन द्वारा टैरिफ में किया गया है। हर महीने यह राशि बोर्ड को मिल रही है, लेकिन यह गंभीर चिंता का विषय है कि पेंशनर्स और कर्मचारियों के हिस्से का पैसा आखिर किसे दिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले ढाई-तीन वर्षों से विद्युत बोर्ड में वित्तीय अनियमितताएं हो रही हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने प्रदेश सरकार से न्यायिक जांच की मांग करते हुए कहा कि इससे सच्चाई सामने आएगी। साथ ही चेतावनी दी कि पेंशनर्स के साथ हो रही बेइंसाफी के खिलाफ शिमला में जोरदार आंदोलन किया जाएगा।

### विधायक सुरेश दिल्ली में संगठन सृजन अभियान के प्रदेश पर्यवेक्षक नियुक्त

**अनंत ज्ञान, जाहू।** हमीरपुर जिला के भोरंज विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेश कुमार को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा दिल्ली राज्य में संगठन सृजन अभियान का प्रदेश पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। यह चौथी बार है जब उन्हें संगठन को मजबूत करने की जिम्मेदारी दी गई है। पूर्व में उन्होंने मध्य प्रदेश, पंजाब और जम्मू-कश्मीर में पर्यवेक्षक के रूप में काम किया है। महासचिव केसी वेणुगोपाल के निर्देशानुसार उन्हें दिल्ली का दायित्व सौंपा गया है। सुरेश कुमार ने कहा कि संगठन को सैद्धांतिक रूप से मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ विचार-विमर्श आवश्यक है। उन्होंने पार्टी नेतृत्व, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे का आभार व्यक्त किया। भोरंज ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष विजय बन्याल ने उनकी नियुक्ति की सराहना की।

# बंदरों का आतंक राष्ट्रीय समस्या, निपटने के लिए बने व्यापक कार्ययोजना : अनुराग

अनंत ज्ञान

◆ हिमाचल में सात साल में 2,200 करोड़ के नुकसान का हवाला, नागरिकों पर रोजाना हमलों का जिक्र

**हमीरपुर।** हमीरपुर लोकसभा क्षेत्र से सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में नियम 377 के तहत बंदर आतंक की समस्या को राष्ट्रीय संकट बताते हुए केंद्र सरकार से तत्काल और समन्वित हस्तक्षेप की मांग की। उन्होंने देशभर, विशेषकर कृषि प्रधान राज्यों में अनियंत्रित बंदर आबादी से हो रहे भारी नुकसान पर चिंता जताई।

उन्होंने बताया कि हिमाचल प्रदेश में 70,000 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि पर खेती छोड़नी पड़ी है। राज्य में हर साल 500 करोड़ रुपए से अधिक का फसल नुकसान हो रहा है, जबकि 2017 से 2024 के बीच कुल नुकसान लगभग 2,200 करोड़ रुपए आंका गया है। उन्होंने कहा कि आर्थिक क्षति के साथ-साथ मानव जीवन और सुरक्षा पर भी गंभीर खतरा बढ़ रहा है। कई क्षेत्रों में प्रतिदिन लोग बंदरों के हमलों का शिकार हो रहे हैं, जिनमें बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित हैं। समस्या के कारणों पर बोलते हुए उन्होंने 1978 के बंदर निर्यात प्रतिबंध, वनों की कटाई, प्राकृतिक आवासों के क्षरण, शिकारी प्रजातियों की कमी और राष्ट्रीय स्तर पर समन्वित नीति के अभाव को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि अब यह समस्या केवल राज्यों तक सीमित नहीं रही, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर समाधान की आवश्यकता है।

उन्होंने किसानों के लिए समयबद्ध और मानकीकृत मुआवजा व्यवस्था लागू करने तथा जमीनी स्तर पर सामुदायिक फसल सुरक्षा प्रणालियां विकसित करने पर जोर दिया। साथ ही इस दिशा में समर्पित बजट और स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने की आवश्यकता बताई, ताकि इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान किया जा सके।

# हमीरपुर कॉलेज प्रदेशभर में ओवरऑल रैंकिंग में शीर्ष पर

अनंत ज्ञान

◆ सीएम से प्राचार्य को मिला एक लाख रुपए का चेक

**अनिल कुमार, हमीरपुर।** नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेमोरियल राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय हमीरपुर की रैंकिंग में सुधार आया है जिसका परिणाम यह रहा कि प्रदेश भर में पहला स्थान प्राप्त किया है। प्रदेशभर में पहला स्थान प्राप्त करने पर कॉलेज का स्टाफ व छात्र गदगद हैं।

कॉलेज स्टाफ ने प्राचार्य डॉ सतीश सोनी को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है। हमीरपुर कॉलेज को ओवरऑल रैंकिंग में प्रदेश भर में अव्वल रहने पर प्रदेशके मुख्यमंत्री ने कॉलेज प्राचार्य को एक लाख रुपए का चेक देकर सम्मानित किया है। इसके अलावा कॉलेज की लाइब्रेरी भी प्रदेश भर में टॉप पर रही है। ऐसे में कॉलेज प्राचार्य डा. सतीश सोनी को मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने दो लाख रुपए का चेक प्रदान किया है। ऐसे में कॉलेज में खुशी का माहौल है। बता दें कि प्रदेश सरकार और शिक्षा विभाग की शिक्षा में गुणवत्ता सुधार लाने के उद्देश्य से इंटरनल राज्य स्तरीय सरकारी कॉलेजों की टेंटेटिव इंटरनल रैंकिंग सूची दिसंबर 2024 में जारी की गई थी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बीते मंगलवार को राज्य के 134 राजकीय महाविद्यालयों की अब फाइनल इंटरनल रैंकिंग जारी कर दी है। शिमला सचिवालय में कॉलेज प्रिंसिपलों को एक-एक लाख रुपए के चेक प्रदान किए गए हैं। हमीरपुर महाविद्यालय ने सात पैरामीटर में 1100 में से 1019 अंक प्राप्त किए हैं। कॉलेज की शैक्षणिक गुणवत्ता, बुनियादी ढांचा, संकाय की गुणवत्ता और समग्र संस्थागत प्रदर्शन व अन्य मापदंडों के आधार पर निरीक्षण करवाने के बाद नैक की तर्ज पर इंटरनल रैंकिंग सूची जारी की गई है। इसके अलावा हमीरपुर कॉलेज की लाइब्रेरी को ग्रेड फोर लेवल दिया गया है, जोकि प्रदेश भर में सबसे नंबर वन है।

### समाजसेवी संस्था प्रभात सुधार सभा ने रणवीर सिंह को सर्जरी को दिए दस हजार

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, हमीरपुर।** हमीरपुर की समाजसेवी संस्था प्रभात सुधार सभा ने राधा कृष्णन मेडिकल कालेज हमीरपुर में ऑर्थो वार्ड रूम नंबर 319 में कूल्हे की सर्जरी के लिए एडमिट हुए आर्थिक संकट से भी परेशान असाध्य रोग से ग्रसित देहरा निवासी रणवीर सिंह को 10000 रुपए देकर के आर्थिक सहायता की है। सभा के प्रधान प्रकाश चंद सेन निजी तौर पर खुद असहाय तथा असाध्य रोगों से ग्रसित लोगों की सहायता के लिए आगे आते हैं। इस तरह के जरूरतमंदों के लिए सहायता का यह सिलसिला सभा की ओर से लगातार जारी है।

### राइजिंग किड्स स्कूल के दो स्टूडेंट्स छाए

**अनंत ज्ञान, नादौन।** राइजिंग किड्स पब्लिक स्कूल भवड़ा के दो छात्रों ने जवाहर नवोदय विद्यालय परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है। इससे स्कूल एवं अभिभावकों में खुशी का माहौल है। विद्यालय की मुख्य अध्यापिका रश्मि शर्मा व प्रबंधक राजेंद्र शर्मा ने बताया कि कि विद्यालय के छात्र अनिकेत और अर्णव ने परीक्षा पास कर ली है। उन्होंने बताया कि इससे पहले स्कूल के दो अन्य विद्यार्थियों ने इसी वर्ष सैनिक स्कूल की परीक्षा भी उत्तीर्ण की है। उन्होंने विद्यार्थियों व उनके अभिभावकों को इसके लिए बधाई दी है।

# फोटोग्राफर एसो. ने फोटोग्राफर की पत्नी को दी आर्थिक सहायता

फोटोग्राफर एसोसिएशन ने दी 25 हजार की मदद। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

**भोटा।** बड़सर क्षेत्र के विकास डिजिटल स्टूडियो मैहरे के मालिक स्वर्गीय प्रवीण शर्मा निवासी गांव व डाकघर घराण की 1-3-2026 को ब्रेन हेमरेज की वजह से मौत हुई थी।

बुधवार को फोटोग्राफर एसोसिएशन के प्रधान सुजीत कुमार अपनी टीम के साथ स्व. प्रवीण शर्मा के घर गए और उनकी पत्नी संतोष कुमारी को 25000 रुपए की सहायता राशि का चेक दिया। फोटोग्राफर एसोसिएशन हमीरपुर द्वारा जो फोटोग्राफर गंभीर बीमारी से पीड़ित हो या गंभीर अवस्था में घायल हो, उसे 10000 रुपए दिए जाते हैं और यदि किसी फोटोग्राफर की अकस्मात मृत्यु हो जाती है तो उसे संगठन द्वारा 25000 रुपए की सहायता राशि दी जाती है। इस समय फोटोग्राफर संगठन में लगभग 400 सदस्य हैं। लगभग 200 फोटोग्राफर एक्टिव सदस्य है। यह सहायता राशि संगठन के सभी फोटोग्राफर भाइयों के सहयोग द्वारा दी जाती है।

# बाबा बालक नाथ डिग्री कॉलेज चकमोह में बच्चों की संख्या घटना चिंताजनक

अनंत ज्ञान

**एसके ठाकुर, बड़सर।** बाबा बालक नाथ डिग्री कॉलेज 1984 में शुरू किया गया था। इस कॉलेज को शुरू करने का श्रेय समाधि लीन महंत शिवगिरि महाराज को जाता है। उन्होंने कॉलेज की स्थापना की थी।

आज कालेज की स्थिति यह है कि आर्ट्स, कॉमर्स व साइंस में मिलाकर संख्या 272 पर पहुंच गई है, जबकि किसी जमाने में यह कॉलेज पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज कहलाता था, वक्त के साथ कॉलेज स्नातक स्तर की पढ़ाई ही करवा रहा है। कॉलेज में 24 प्रवक्ताओं के पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 12 पद रेगुलर हैं तथा चार पद खाली पड़े हैं, जबकि आठ पदों पर गेस्ट फैकल्टी में पढ़ाई का कार्य चलाया जा रहा है। जब कॉलेज में आधे पद खाली हैं, तो अभिभावक भी कॉलेज में बच्चों को दाखिल करवाने से परहेज करते हैं। इस शिक्षण संस्थान की ताजा स्थिति बाद से बढ़कर होती जा रही है, बच्चों की संख्या में कमी किस ओर इशारा कर रही है। इसका क्या कारण होगा यह आप सब भलीभांति जानते हैं। जानकारी के अनुसार बीबीएन कॉलेज में रेगुलर 12 पद भरे गए हैं तथा 12 खाली हैं, जिनमें से आठ पर गेस्ट फैकल्टी में अध्यापक लगाए गये हैं उनकी भी आज छुट्टी कर दी गई। प्रशासन खाली पदों को नहीं भर पाया है। प्रधानाचार्य नरेश ठाकुर से जब जानना चाहा तो उन्होंने बताया कि गेस्ट फैकल्टी पर स्टाफ रखा गया था। अब कॉलेज में परीक्षाओं के दौरान गेस्ट फैसिलिटी को छुट्टियां दे दी गई है। चार पद खाली पड़े हैं, जबकि आठ पर गेस्ट फैकल्टी को तैनात किया गया था।

### कैबिनेट रैंक खत्म करना मुख्यमंत्री सुक्खू का सराहनीय फैसला : संजीव

**अनंत ज्ञान, गलोड़।** मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा कैबिनेट रैंक खत्म करके हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सराहनीय कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री का यह फैसला प्रदेश हित में आर्थिक अनुशासन की तरफ उठाया गया गया एक बेहतरीन फैसला साबित होगा। इस फैसले से प्रदेश की वित्तीय स्थिति में सुधार होगा। यह बात हिमाचल प्रदेश दिव्यांग बोर्ड के सदस्य और खास गलोड़ पंचायत के पूर्व प्रधान संजीव शर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जबसे कांग्रेस की सरकार आई है, तब से विपक्ष बुरी तरह बौखलाया हुआ है और केंद्र से लेकर हिमाचल में भी भाजपा के नेता सरकार को कई बार चुनौती दे चुके हैं। हर बार मुख्यमंत्री ने इस तरह की चुनौतियों का डटकर मुकाबला किया है और हिमाचल प्रदेश की जनता ने भी उनके हर फैसले को स्वीकार भी किया है। हिमाचल को आत्मनिर्भर बनाने का जो सपना उन्होंने देखा है उस सपने को साकार करने के लिए दिन रात डटे हैं।

### चैत्र मेले में उमड़ी श्रद्धा, बाबा बालकनाथ धाम में चढ़ा 31.05 लाख का चढ़ावा

**अनंत ज्ञान, बड़सर।** विश्वप्रसिद्ध सिद्धपीठ बाबा बालकनाथ धाम में चल रहे चैत्र मास के मेलों के दौरान श्रद्धालुओं की आस्था लगातार चरम पर बनी हुई है। बुधवार को भक्तों ने बाबा के दरबार में भारी चढ़ावा अर्पित किया। मंदिर प्रशासन से के अनुसार, 18 लाख 85 हजार 307 रुपए नकद चढ़ावा अर्पित किया गया, जबकि दान के रूप में 12 लाख 20 हजार 360 रुपए प्राप्त हुए। इस प्रकार कुल चढ़ावा 31 लाख 5 हजार 667 रुपए दर्ज किया गया। भक्तों ने 3 ग्राम 340 मिलीग्राम सोना और 43 ग्राम 405 मिलीग्राम चांदी भी बाबा को अर्पित की। विदेशी श्रद्धालुओं द्वारा भी विभिन्न मुद्राओं में चढ़ावा चढ़ाया गया, जिनमें इंग्लैंड के 45 पाउंड, यूएसए के 243 डॉलर, 125 यूरो, कनाडा के 235 डॉलर, ऑस्ट्रेलिया के 1915 डॉलर, यूएई की 10 करेंसी, कतर के 44 रियाल, न्यूजीलैंड की 50 करेंसी और सिंगापुर के 10 डॉलर शामिल हैं। बुधवार को अनुमानित रूप से 12 से 15 हजार श्रद्धालुओं ने बाबा की पवित्र गुफा में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर अधिकारी केशव कुमार का कहना है कि बुधवार को लगभग 15 000 के करीब श्रद्धालुओं ने गुफा दर्शन कर बाबा जी का आशीर्वाद प्राप्त किया है

# धरवाला बाजार में 'कछुआ चाल' पार्किंग निर्माण से फूटा जनाक्रोश

अनंत ज्ञान

**धरवाला।** धरवाला बाजार में पार्किंग निर्माण कार्य की धीमी रफ्तार अब लोगों के सब्र का बांध तोड़ रही है, जिस परियोजना से यातायात व्यवस्था सुधारने और बाजार को राहत मिलने की उम्मीद थी, वही अब जाम, अव्यवस्था व व्यापारिक नुकसान की बड़ी वजह बन गई है।

अधूरा निर्माण कार्य बाजार को दिन-ब-दिन और संकरा बना रहा है, जिससे हर गुजरते दिन के साथ हालात बदतर होते जा रहे हैं। इस पूरे मामले पर सहायक अभियंता, पठानकोट-भरमौर राष्ट्रीय उच्च मार्ग एनएच-154ए, वीरेंद्र ठाकुर ने माना कि कार्य की धीमी गति चिंता का विषय है। उन्होंने बताया कि ठेकेदार को सख्त निर्देश जारी कर दिए गए हैं और जल्द ही काम में तेजी लाई जाएगी। फिलहाल बड़ा सवाल यही है क्या प्रशासन के ये निर्देश जमीन पर असर दिखाएंगे या धरवाला बाजार के लोग यूं ही जाम, धूल और अव्यवस्था के बीच अपनी रोजमर्रा की जंग लड़ते रहेंगे?



स्थानीय निवासी संजय राजपूत ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'यह केवल देरी नहीं, बल्कि लापरवाही का उदाहरण बन चुका है, जिस काम से राहत मिलनी थी, वही अब लोगों के लिए मुसीबत बन गया है, अगर समय रहते इसे पूरा नहीं किया गया, तो जनता को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।



टैक्सी चालक तिलक राज ने अपनी रोजमर्रा की मुश्किलों को बयां करते हुए कहा, 'हमारी गाड़ियां सड़क पर खड़ी करने की मजबूरी है, जिससे जाम लगता है व सवारियां भी परेशान होती हैं। ऊपर से पुलिस कार्रवाई का डर अलग, ऐसे हालात में काम करना बेहद मुश्किल हो गया है।



टैक्सी चालक रमेश कुमार ने चेतावनी देते हुए कहा, पर्यटन सीजन सिर पर है और अगर तब तक पार्किंग तैयार नहीं हुई, तो हालात बेकाबू हो जाएंगे। इसका असर न सिर्फ स्थानीय लोगों पर, बल्कि पूरे क्षेत्र की छवि और अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।



स्थानीय निवासी विक्रांत ठाकुर ने कहा, 'हर दिन जाम में फंसना अब हमारी जिंदगी का हिस्सा बन गया है। बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्गों की आवाजाही और आम कामकाज सब कुछ प्रभावित हो रहा है। प्रशासन को अब सिर्फ आश्वासन नहीं, कार्रवाई दिखानी होगी।

# एसबीआई सेवानिवृत्त कर्मियों की बैठक में विकास व सामाजिक सरोकारों पर मंथन



एसबीआई के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मासिक बैठक का आयोजन स्थानीय होटल इरावती में किया गया। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

**चंबा।** जिला मुख्यालय में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मासिक बैठक का आयोजन स्थानीय होटल इरावती में किया गया। बैठक में क्षेत्र के विकास कार्यों और विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर गंभीरतापूर्वक विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में क्षेत्र के प्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने सक्रिय भागीदारी निभाते हुए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। इस दौरान विशेष रूप से सड़क, स्वास्थ्य सेवाओं और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने की आवश्यकता पर जोर दिया। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि भविष्य में सभी सदस्य आपसी सहयोग, समन्वय और सक्रिय भागीदारी के साथ कार्य करेंगे, ताकि क्षेत्र के विकास को नई गति मिल सके। साथ ही सामाजिक गतिविधियों को सशक्त बनाने और युवाओं की अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी बल दिया गया। अंत में सभी सदस्यों ने क्षेत्र के समग्र विकास और जनहित के कार्यों में मिलकर योगदान देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कन्वीनर मनजीत सिंह जसरोटिया ने बैठक के सफल आयोजन और सहभागिता के लिए सभी का आभार व्यक्त किया।

# पुलिस लाइन चंबा में 6 अप्रैल को होगी नाकारा वस्तुओं की नीलामी

**अनंत ज्ञान, चंबा।** पुलिस अधीक्षक कार्यालय में नाकारा घोषित वस्तुओं की सार्वजनिक नीलामी 6 अप्रैल को प्रातः 11 बजे पुलिस लाइन चंबा में होगी। इच्छुक बोलीदाता नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं। विभागीय प्रवक्ता ने बताया कि इच्छुक बोलीदाता नाकारा घोषित वस्तुओं को किसी भी कार्य दिवस में प्रातः 10 से सायं 5 बजे तक पुलिस लाइन में अवलोकन कर सकता है। नीलामी की शर्तों के अनुसार प्रत्येक बोलीदाता को बोली में भाग लेने से पूर्व 5000 रुपए की धरोहर राशि जमा करवानी होगी। नीलामी समाप्ति पर सफल बोलीदाता की धरोहर राशि कुल बोली धनराशि में समायोजित कर दी जाएगी, जबकि असफल बोलीदाताओं को उनकी धरोहर राशि उसी दिन वापस कर दी जाएगी। उन्होंने बताया कि सफल बोलीदाता को नीलामी तिथि से 24 घंटे के भीतर पूर्ण राशि जमा कर संबंधित वस्तुएं उठानी होंगी। नीलामी प्रक्रिया प्रारंभ होने से पहले एक घंटा पूर्व भी नकारा वस्तुओं का अवलोकन किया जा सकता है। समिति अध्यक्ष को किसी भी बोली को बिना कारण बताए रद्द करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा।

# रेल नहीं, एयरस्ट्रिप से बदलेगी डलहौजी-चंबा की तस्वीर: मनीष

अनंत ज्ञान

**डलहौजी/चंबा।** डलहौजी विधानसभा क्षेत्र से पूर्व प्रत्याशी एवं सामाजिक कार्यकर्ता मनीष सरीन ने चंबा को रेल नेटवर्क से जोड़ने की मांग पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए इसे 'अव्यावहारिक और भटकाने वाला मुद्दा' करार दिया है। उन्होंने कहा कि पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्र में रेलवे लाइन बिछाना अत्यधिक खर्चीला, तकनीकी रूप से जटिल व वर्षों तक लटकने वाला प्रोजेक्ट है, जिससे क्षेत्र को तत्काल कोई लाभ नहीं मिलेगा। सरीन ने चंबा-कांगड़ा से सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज के हालिया बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि बार-बार रेल परियोजना की बात करना केवल राजनीतिक बयानबाजी बनकर रह गया है।



उन्होंने कहा कि 'ऐसे प्रोजेक्ट्स पर हजारों करोड़ रुपए खर्च होंगे और इन्हें पूरा होने में कई दशक लग सकते हैं, जबकि क्षेत्र को आज और अभी बेहतर कनेक्टिविटी की जरूरत है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अब समय आ गया है कि डलहौजी-चंबा क्षेत्र के लिए एयरस्ट्रिप निर्माण को प्राथमिकता दी जाए। इसे उन्होंने 'व्यावहारिक, कम समय में पूरा होने वाला और लागत के लिहाज से संतुलित समाधान' बताया। सरीन के अनुसार, यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति हो तो यह परियोजना कुछ ही वर्षों में धरातल पर उतर सकती है। पर्यटन को लेकर सरीन ने कहा कि डलहौजी, खज्जियार और चंबा जैसे विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों तक हवाई पहुंच बनने से देश-विदेश के पर्यटकों की संख्या में बड़ा इजाफा होगा। इससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे पर भी उन्होंने चिंता जताई। पहाड़ी इलाकों में आपातकालीन स्थितियों में मरीजों को लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे कई बार जान का खतरा बढ़ जाता है। अगर हवाई सुविधा उपलब्ध हो, तो गंभीर मरीजों को तुरंत बड़े अस्पतालों तक पहुंचाया जा सकता है, जो जीवन रक्षक साबित होगा। आज के समय में लोग तेज व सुविधाजनक यात्रा साधनों को प्राथमिकता देते हैं। कोई भी व्यक्ति घंटों तक पहाड़ी रास्तों से गुजरती धीमी ट्रेन में सफर करना पसंद नहीं करेगा, जब हवाई यात्रा जैसा विकल्प मौजूद हो। उन्होंने कहा कि कई बार राज्य और केंद्र सरकार के साथ-साथ सांसद के समक्ष एयरस्ट्रिप का प्रस्ताव रखा, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

# डियूर स्वास्थ्य केंद्र में वर्षों से डॉक्टर नदारद

अनंत ज्ञान

**चंबा।** किहार मेडिकल ब्लॉक के अंतर्गत आने वाला डियूर स्वास्थ्य केंद्र आज भी अपनी मूलभूत जिम्मेदारी निभाने में असमर्थ दिखाई दे रहा है। भवन निर्माण के बावजूद यहां डॉक्टर की नियुक्ति न होने से यह केंद्र केवल औपचारिकता बनकर रह गया है।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि लंबे समय से इस स्वास्थ्य केंद्र में कोई स्थायी डॉक्टर तैनात नहीं किया गया है। परिणामस्वरूप, छोटी-छोटी बीमारियों के इलाज के लिए भी लोगों को दूरस्थ अस्पतालों की ओर रुख करना पड़ता है। इससे न केवल उनका समय बर्बाद होता है, बल्कि आर्थिक बोझ भी बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि आपात स्थिति में मरीजों को कई किलोमीटर दूर ले जाना पड़ता है, जिससे कभी-कभी स्थिति गंभीर हो जाती है। विशेषकर बुजुर्गों, बच्चों और गर्भवती महिलाओं को सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द इस केंद्र में योग्य डॉक्टर की नियुक्ति की जाए और आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, ताकि क्षेत्रवासियों को बुनियादी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए भटकना न पड़े। अब देखने वाली बात यह होगी कि संबंधित विभाग इस गंभीर समस्या पर कब तक संज्ञान लेकर ठोस कदम उठाता है।

# 27 घंटे बाद बहाल हुआ पठानकोट-भरमौर एनएच

अनंत ज्ञान

**ओपी शर्मा, भरमौर।** पठानकोट-भरमौर नेशनल हाईवे पर भरमौर क्षेत्र के लाहल कंध के पास हुए भारी लैंडस्लाइड के बाद बंद हुआ मार्ग करीब 27 घंटे बाद बहाल कर दिया गया है। हाईवे पर पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा व बड़े पत्थर गिरने के कारण यह मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो गया था, जिससे सभी प्रकार के वाहनों की आवाजाही बंद हो गई थी।

लैंड स्लाइड के चलते तहसील भरमौर का संपर्क विशेष विश्व से पूरी तरह कट गया था। जानकारी के अनुसार, हाईवे पर अचानक हुए भूस्खलन के चलते सड़क पर भारी मात्रा में मलबा जमा हो गया था। मार्ग बंद होने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यात्रियों के साथ-साथ स्थानीय लोगों को भी काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। खासतौर पर भरमौर और चंबा के बीच आने-जाने वाले लोगों की आवाजाही पूरी तरह प्रभावित रही। घटना की सूचना मिलते ही संबंधित विभाग और



लाहल कंध में भारी लैंडस्लाइड के चलते कल बंद हुआ था मार्ग, अब यातायात फिर शुरू। अनंत ज्ञान

प्रशासन हरकत में आया तथा सड़क बहाली के लिए तुरंत मशीनरी मौके पर भेजी गई। विभाग ने सड़क के दोनों ओर से मशीनें लगाकर युद्ध स्तर पर राहत व बहाली कार्य शुरू किया। लगातार कई घंटों तक चले अभियान के दौरान सड़क पर गिरे मलबे और पत्थरों को हटाने का काम किया गया। लगातार प्रयासों के बाद करीब 27 घंटे में हाईवे को दोबारा यातायात के लिए खोल दिया गया। मार्ग बहाल होते ही दोनों ओर फंसे वाहनों की आवाजाही शुरू करवाई गई, जिससे वाहन चालकों, यात्रियों और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मार्ग पर अक्सर बरसात और खराब मौसम के दौरान भूस्खलन की घटनाएं सामने आती रहती हैं, जिससे यातायात बार-बार प्रभावित होता है। ऐसे में हाईवे के संवेदनशील स्थलों पर स्थायी सुरक्षा उपाय किए जाने की जरूरत है, ताकि भविष्य में इस तरह की परेशानियों से बचा जा सके।

# डलहौजी अस्पताल का किया औचक निरीक्षण मरीजों को बेहतर सेवाएं देने के दिए निर्देश

अनंत ज्ञान



**डलहौजी।** मुख्य चिकित्सा अधिकारी चंबा, डॉ. जालम भारद्वाज ने बुधवार को नागरिक अस्पताल डलहौजी का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं एवं व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की ओपीडी, वार्ड, आपातकालीन सेवाएं, लैब तथा दवा वितरण केंद्र का दौरा किया और वहां की साफ-सफाई, दवाओं की उपलब्धता तथा स्टाफ की उपस्थिति की गहन समीक्षा की।

इस दौरान उन्होंने अस्पताल में स्थापित अल्ट्रासाउंड मशीन व सेंट्रल हीटिंग सिस्टम की कार्यप्रणाली का भी निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। डॉ. भारद्वाज ने मरीजों से सीधे संवाद कर उन्हें मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की और उनकी समस्याएं भी सुनीं। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अस्पताल स्टाफ को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि मरीजों को बेहतर, समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जाएं तथा उनके साथ सदैव विनम्र और संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को आवश्यक दवाओं एवं उपकरणों की पर्याप्त उपलब्धता बनाए रखने और सेवाओं में निरंतर सुधार लाने पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर नागरिक अस्पताल डलहौजी के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुमित अत्री एवं डॉ. सीमा अत्री सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

# बीबीएमबी ने पंडोह से छीनी सस्ती शिक्षा की सुविधा बीएसएल स्कूल बंद

**बालक राम, अनंत ज्ञान, पंडोह।** बीबीएमबी पर पंडोह क्षेत्र से जन सुविधाएं चरणबद्ध तरीके से खत्म करने के आरोप लग रहे हैं। अब सस्ती और सीबीएसई पाठ्यक्रम पर आधारित स्कूली शिक्षा भी बंद कर दी गई है। करीब पांच दशकों से संचालित बीएसएल सीनियर सेकेंडरी स्कूल को बंद कर उसकी जगह एक मार्च से डीएवी पब्लिक स्कूल शुरू कर दिया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि परियोजना का उद्देश्य क्षेत्र में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध करवाना था, लेकिन स्थिति इसके विपरीत है। पंडोह का अस्पताल पहले ही जर्जर हो चुका है और दो वर्ष पूर्व पब्लिक स्कूल भी बंद कर दिया गया था। निर्माण कार्य के दौरान लगे विस्थापित परिवारों को रोजगार से भी वंचित कर दिया गया। विस्थापित कल्याण समिति पंडोह के संस्थापक बीआर भाटिया ने कहा कि डीएवी स्कूल खुलना स्वागतयोग्य है, लेकिन पुराने स्कूल को बंद करना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि बीएसएल स्कूल में अमीर और गरीब दोनों वर्गों के बच्चों को शिक्षा मिलती थी, जबकि अब गरीब बच्चों के लिए मुश्किलें बढ़ेंगी। उनका कहना है कि बीबीएमबी ने विस्थापितों के साथ अन्याय किया है और उनके अधिकारों की अनदेखी की है।

# पंचायत समिति वार्डों का अंतिम परिसीमन आदेश जारी

**अनंत ज्ञान, चंबा।** चंबा जिले के विकास खंड चंबा में पंचायत समिति वार्डों के परिसीमन को लेकर अंतिम आदेश जारी कर दिया गया है। खंड विकास अधिकारी महेश चंद ने अधिसूचना के अनुसार यह निर्णय सार्वजनिक किया। दिनांक 7-03-2026 को जारी अधिसूचना के तहत पंचायत समिति वार्डों के परिसीमन के प्रस्ताव आम जनता के लिए प्रकाशित किए गए थे। इन प्रस्तावों पर आपत्तियां व आक्षेप दर्ज करने के लिए 7 मार्च से 13 मार्च 2026 तक का समय निर्धारित किया गया था। निर्धारित अवधि के दौरान किसी भी व्यक्ति या संस्था द्वारा कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई गई। इसके चलते प्रशासन ने प्रस्तावों को यथावत स्वीकार करते हुए अंतिम आदेश जारी कर दिया। यह आदेश हिमाचल प्रदेश पंचायतीराज अधिनियम 1994 की संबंधित धाराओं व निर्वाचन नियमों के तहत जारी किया गया है। साथ ही पंचायतीराज विभाग और डीसी कार्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुरूप यह कार्रवाई की गई है। परिसीमन के मुख्य बिंदु: वार्ड संख्या 11: उदयपुर कुल जनसंख्या 4735, वार्ड संख्या 15: भनौता- कु 0ल जनसंख्या 3697, वार्ड विस्तार में उदयपुर के अंतर्गत रिंडा व सरू तथा भनौता के अंतर्गत पंजौह व चनेड शामिल किए गए हैं। प्रशासन का कहना है कि इस परिसीमन से पंचायत स्तर पर प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और सुचारू संचालन सुनिश्चित होगा। स्थानीय स्तर पर विकास कार्यों को गति मिलने की भी उम्मीद जताई जा रही है।

# 25 को होगी पुराने व अनुपयोगी स्टोर सामग्री की नीलामी

**अनंत ज्ञान, चंबा।** जिला कोषागार कार्यालय में पुराने व अनुपयोगी स्टोर सामग्री की नीलामी 25 मार्च को प्रात: 11 बजे कार्यालय के स्टोर परिसर में आयोजित की जाएगी। विभागीय प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इच्छुक व्यक्ति निर्धारित तिथि और समय पर नीलामी प्रक्रिया में भाग ले सकते हैं।

उच्चतम बोली लगाने वाले को बोली स्वीकृत होने के बाद निर्धारित राशि एकमुश्त जमा करनी होगी। प्रवक्ता ने यह भी बताया कि विभाग किसी भी बोली को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार सुरक्षित रखता है। नीलामी में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागियों से अपेक्षा की गई है कि वे निर्धारित नियमों और शर्तों का पालन करें। यह पहल कार्यालय में रखी पुरानी सामग्री के उचित निपटान व पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की जा रही है।

# शादी का झांसा देकर दुष्कर्म और रास्ता रोककर मारपीट करने का मामला हुआ दर्ज

**अनंत ज्ञान, चंबा।** जिला चंबा में कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाले दो गंभीर आपराधिक मामलों के दर्ज होने से क्षेत्र में चिंता का माहौल है। जिला पुलिस द्वारा जारी जानकारी के अनुसार दोनों मामलों में आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी गई है। पहले मामले में महिला पुलिस थाना चंबा में हरीश कुमार निवासी सतियास के खिलाफ दुष्कर्म व धमकी का मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता महिला ने आरोप लगाया है कि आरोपी ने उसे शादी का झांसा देकर उसकी इच्छा के खिलाफ शारीरिक संबंध बनाए तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच प्रक्रिया आरंभ कर दी है और तथ्यों की गहन पड़ताल की जा रही है। वहीं, दूसरे मामले में पुलिस थाना सिहुंता में कुशल कुमार निवासी गरनोटा की शिकायत पर रंजीत धीमान और एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मारपीट, रास्ता रोकने और धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता के अनुसार 17 मार्च की शाम करीब 7:30 बजे जब वह पनिहार से पानी लेने गया, तो आरोपियों ने उसका रास्ता रोका, गाली-गलौज की और बांस के डंडों से उसकी पिटाई की। साथ ही उसे जान से मारने की धमकी भी दी गई। दोनों मामलों में पुलिस द्वारा साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं व आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की बात कही गई है। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील की है कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

# भड़ोल बना 'आदर्श' या 'उपेक्षित' विकास के दावों पर उठे सवाल

अनंत ज्ञान



**सुनील पहाड़ी, सलूणी।** डलहौजी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाला सलूणी उपमंडल का भड़ोल गांव इन दिनों विकास को लेकर गहरी चर्चा व सवालों के केंद्र में है।

ग्राम पंचायत डांड का यह गांव, जिसे क्षेत्र के विधायक डीएस ठाकुर द्वारा 'आदर्श गांव' के रूप में गोद लिया गया था, आज खुद बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझता नजर आ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि 'आदर्श गांव' का तमगा मिलने के बावजूद भड़ोल में अब तक कोई ठोस विकास कार्य धरातल पर नहीं उतरा। सड़कों की हालत जर्जर है, पेयजल और स्वास्थ्य सुविधाएं सीमित हैं, जबकि युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी नदारद हैं। स्थानीय निवासियों में इस बात को लेकर खासा रोष है कि जिस गांव को विकास का मॉडल बनाया जाना था, वही आज उपेक्षा का शिकार है। एक ग्रामीण ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा,'अगर आदर्श गांव की यह स्थिति है, तो बाकी गांवों की हालत क्या होगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं।' भड़ोल की मौजूदा स्थिति ने जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। लोगों का कहना है कि घोषणाएं तो खूब होती हैं, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां करती है। अब यह मुद्दा पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन चुका है। ग्रामीणों ने जनप्रतिनिधियों से जवाब मांगते हुए स्पष्ट किया है कि वे केवल आश्वासनों से संतुष्ट नहीं होंगे, बल्कि उन्हें ठोस और दिखाई देने वाला विकास चाहिए। क्या भड़ोल को मिलेगा उसका 'आदर्श' हक या फिर यह सिर्फ कागजी सपना बनकर रह जाएगा? यह सवाल अब पूरे क्षेत्र में गूंज रहा है।

**अदालती नोटिस**

**व अदालत तहसीलदार एंव सहायक समाहर्ता द्वितिय श्रेणी पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.।**

मुकदमा न.

किस्म मुकदमा- नाम दरुस्ती

तारीख- 24.03.2026

**जोगिन्द्र पाल पुत्र भीमा पुत्र विशम्वर निवासी महाल मतेहड़ डा. बनूरी, तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र. ।**

**बनाम आम जनता**

**विषय:- नाम की दरुस्ती करवाने बारे।**

प्रार्थी जोगिन्द्र पाल पुत्र भीमा पुत्र विशम्वर निवासी महाल मतेहड़ डा. बनूरी, तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र. ने इस अदालत में प्रार्थना पत्र द्वारा सूचित किया है कि प्रार्थी का असल नाम जोगिन्द्र पाल पुत्र भीमा है उनके सभी दस्तावेजो में भी उनका नाम जोगिन्द्र पाल पुत्र भीमा है, परन्तू राजस्व रिकोर्ड महाल बनूरी खास में जोगिन्द्र राम पुत्र भीमा व महाल मतहेड़ जोगिन्द्र सिंह पुत्र भीमा दर्ज कागजात माल है, जोकि गलत है। अब प्रार्थी के नाम की दरुस्ती करने उपरान्त सही नाम दर्ज कागजात माल किया जाए।

सर्व सधारण / आम जनता को सधारण तरीके से ईलताल नहीं हो सकती। इसलिए इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त नाम की दरुस्ती बारे किसी को कोई ऐतराज हो तो वह दिनांक 24.03.2026 को असालतन व वकालतन इस कार्यालय में हाजिर होकर उज्र पेश कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 06.03.2026 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी किया गया।

**सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी पालमपुर**

**अदालती नोटिस**

**व अदालत तहसीलदार एंव सहायक समाहर्ता द्वितिय श्रेणी पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र. ।**

मुकदमा न.

किस्म मुकदमा-नाम दरुस्ती

तारीख- 24.03.2026

**किरण कुमारी पत्नि कुलदीप कुमार निवासी महाल खरोटा, डा. खनियारा, तहसील धर्मशाला जिला कांगड़ा हि.प्र.।**

**बनाम आम जनता**

**विषय: नाम की दरुस्ती करवाने बारे।**

प्रार्थी किरण कुमारी पत्नि कुलदीप कुमार निवासी महाल खरोटा, डा. खनियारा, तहसील धर्मशाला जिला कांगड़ा हि. प्र. ने इस अदालत में प्रार्थना पत्र द्वारा सूचित किया है कि उनके पति का असल नाम कुलदीप चन्द पुत्र मखौली का परन्तू राजस्व रिकोर्ड महाल कवाट, कथेना, डोडन खेपला, द्रोगण मौजा कण्डी में कुलदीप चन्द उर्फ भिन्दर पुत्र मखौली दर्ज है जोकि गलत है। अब प्रार्थी के नाम की दरुस्ती करने उपरान्त सही नाम दर्ज कागजात माल किया जाए।

सर्व सधारण / आम जनता को सधारण तरीके से ईलताल नहीं हो सकती। इसलिए इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त नाम की दरुस्ती बारे किसी को कोई ऐतराज हो तो वह दिनांक 24.03.2026 को असालतन व वकालतन इस कार्यालय में हाजिर होकर उज्र पेश कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 06.03.2026 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी किया गया।

**सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी पालमपुर ।**

# चंबा में गूंजा कला का स्वर: 'खुला मंच' ने जगाई प्रतिभाओं की नई उड़ान

अनंत ज्ञान

**राहुल सहगल, चंबा।** पहाड़ों की वादियों में बुधवार को कला, उत्साह और रचनात्मकता का अद्भुत संगम देखने को मिला, जब राष्ट्रीय कला मंच, जिला चंबा द्वारा कैफे रोड पर 'खुला मंच' का आयोजन किया गया।

यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि उन अनगिनत छिपी प्रतिभाओं की आवाज बना, जिन्हें अक्सर मंच नहीं मिल पाता। जिला संयोजिका मोनिका ठाकुर के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम ने चंबा की सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत कर दिया। नृत्य की लय, गीतों की मधुरता, नाटकों की अभिव्यक्ति और कविताओं की संवेदना ने पूरे माहौल को




राष्ट्रीय कला मंच, जिला चंबा द्वारा कैफे रोड पर 'खुला मंच' का आयोजन किया। अनंत ज्ञान

कला के रंगों से सराबोर कर दिया। सबसे प्रेरणादायक दृश्य तब सामने आया जब छोटे-छोटे बच्चों से लेकर अनुभवी बुजुर्गों तक ने मंच पर आकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। यह 'खुला मंच' सचमुच हर उम्र, हर वर्ग और हर भावना का मंच बन गया, जहां तालियों की गूंज ने कलाकारों के आत्मविश्वास को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। स्थानीय लोगों की भारी भागीदारी ने यह साबित कर दिया कि चंबा की मिट्टी में कला रची-बसी है, बस उसे सही दिशा और अवसर की आवश्यकता है। कार्यक्रम के दौरान हर प्रस्तुति ने दर्शकों के दिलों को छुआ और एक सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया। मोनिका ठाकुर ने अपने संबोधन में कहा कि राष्ट्रीय कला मंच का उद्देश्य केवल प्रदर्शन तक सीमित नहीं है, बल्कि कलाकारों को निखारना, उन्हें प्रशिक्षित करना और पारंपरिक कलाओं को संरक्षित करना भी है। उन्होंने कहा कि यह पहल समाज में छिपी रचनात्मकता को पहचान देने और उसे आगे बढ़ाने की दिशा में एक मजबूत कदम है। 'खुला मंच' ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि जब अवसर मिलता है, तो प्रतिभा खुद अपनी पहचान बना लेती है। राष्ट्रीय कला मंच का यह प्रयास न केवल कलाकारों के लिए प्रेरणा है, बल्कि पूरे समाज के लिए एक सांस्कृतिक जागरण का संदेश भी है।

# मंडी सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने के लिए चंबा से उमड़ेगा जनसैलाब: अजय अटवाल

**अनंत ज्ञान, डलहौजी।** आम आदमी पार्टी जिला चंबा की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष अजय अटवाल की अध्यक्षता में डलहौजी में आयोजित की गइ। इसमें आगामी 22 मार्च 2026 को मंडी में होने वाले विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर व्यापक रणनीति तैयार की गई। बैठक में संगठन को मजबूत करने और सम्मेलन को ऐतिहासिक बनाने पर विशेष जोर दिया गया। अजय अटवाल ने कहा कि यह सम्मेलन हिमाचल प्रदेश की राजनीति में एक निर्णायक मोड़ साबित होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में मंडी पहुंचकर पार्टी की ताकत का प्रदर्शन करें। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि जिला चंबा से भारी संख्या में कार्यकर्ता मंडी कूच करेंगे। बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला और सभी ने एकजुट होकर सम्मेलन को सफल बनाने का संकल्प लिया। नेताओं ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश में बदलाव की दिशा में एक मजबूत कदम होगा और आम आदमी पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।



**HIMACHAL PRADESH**
**RURALDEVELOPMENT& PANCHAYATI RAJ DEPARTMENT**
**NOTICE INVITING TENDERS**

**NO. BE(DEV)SANGRAH/TENDER- 8912, DATED 18/03/2026**

**PRESS NOTE**

Sealed item rate tenders are hereby invited by the the Assistant Commissioner (Development) cum Block Development Officer Development Block Sangrah Distt. Sirmour HP from the approved/eligible contractors registered in HPPWD/I&PH Deptt. for the following works, so as to reach in this office on or before Dated 27.03.2026 up to 3.00 PM and shall be opened on same day at 3.30 PM in the presence of intending contractors or their authorized representatives who may like to be present. The tender form can be purchase from this office against cash payment (non-refundable) up to 11.00 AM on 27.03.2026. The tender form will be issued to the contractor giving proof of sale tax clearance certificate, work done certificate proof of machinery etc.

The earnest money in the shape of NSC/Time Deposit account/saving account in any of the post office in HP duly pledged in the name of Assistant Commissioner (Development)-cum-Block Development Officer Development Block Sangrah District Sirmour (H. P.) must be accompanied with the application, conditional tender and tender received without earnest money will be rejected. The undersigned reserves the right to keep the tender open for 120 days. The Block Engineer reserves the right to reject any or all tenders on behalf of Assistant Commissioner (Development) cum Block Development Officer Development Block Sangrah without assigning the reason. If there happens to be any holiday the same will be opened on the next working day.

| Sr. No. | Name of The Work | Estimate cost Rs. | Earnest money | Time Limit | Cost of form |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | Repair of Building Govt. College Sangrah | 2,50,000/- | 5000/- | 2 months | 350/- |
| 2 | C/o Boundry Wall PHC Koti Dhiman | 5,76,600/- | 11,532/- | 2 Months | 350/- |

1. The tender documents shall be issued to only those contractors/forms who possess valid H.P. Sales Tax Registration under H.P. state Sales Tax ACT 1968 and production of copy of the same N.O.C. from the Excise and Taxation Department.
2. If any date mentioned above happens to be local/gazette holiday, the same shall be processed on next day.
3. The earnest money for above cited work should be submitted with the application for purchase of tender form.
4. The contractor/Firms are requested to insert the rate of each item in words as well as in figure/failing which Assistant Commissioner (Dev.)/Block Engineer reserve the right to accept/reject any or all tenders on behalf of Assistant Commissioner (Development) cum Block Development Officer Development Block Sangrah.

**Assistant Commissioner (Dev.) -cum-Block Development Officer, Development Block Sangrah District Sirmour (H.P.)**

जिस मनुष्य में आत्मविश्वास नहीं है, वह शक्तिमान होकर भी कायर है और पंडित होकर भी मूर्ख है।

–रामप्रताप

## संपादकीय

# पेशेवर कार्य संस्कृति

हिमाचल प्रदेश में सुक्खू सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए सख्त ड्रेस कोड और सोशल मीडिया निर्देश लागू करके एक साहसिक और अनुशासनात्मक कदम उठाया है। यह निर्णय राज्य में पेशेवर कार्य संस्कृति को मजबूत करने और सरकारी तंत्र की छवि सुधारने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, कई कर्मचारी अंदरखाते इस फैसले से नाराज हैं, लेकिन सरकारी कर्मचारियों के लिए यह अनिवार्य है कि वे सरकार के आदेशों का पालन करें।

सरकार ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया है कि कार्यालयों में जींस और टी–शर्ट पहनना पूरी तरह बंद होगा। इसके बजाय कर्मचारियों को केवल औपचारिक और सादे कपड़े पहनने होंगे। पुरुष कर्मचारियों के लिए शर्ट–पैंट, ट्राउजर या कॉलर वाली शर्ट के साथ जूते या सैंडल पहनना अनिवार्य है। महिला कर्मचारियों के लिए साड़ी, सलवार–सूट, चूड़ीदार–कुर्ता या अन्य औपचारिक परिधान निर्धारित किए गए हैं। इसके अलावा, सभी कर्मचारियों से यह अपेक्षा की गई है कि वे व्यक्तिगत स्वच्छता, साज–सज्जा और पेशेवर व्यवहार का विशेष ध्यान रखें।

सरकार का मानना है कि कर्मचारी का पहनावा न केवल उनके व्यक्तिगत व्यक्तित्व को दर्शाता है बल्कि कार्यालय के माहौल की गरिमा और पेशेवरता को भी बनाए रखता है। अदालत में पेशी या कार्यालय में उपस्थिति के दौरान किसी भी प्रकार के कैजुअल या पार्टी वियर से पूरी तरह परहेज करना होगा। ऐसे नियम कार्यस्थल में अनुशासन, सौंदर्य और एकता की भावना बनाए रखने में मदद करेंगे। सुक्खू सरकार ने इसके अलावा सोशल मीडिया पर सरकारी कर्मचारियों की गतिविधियों पर भी सख्त नियंत्रण लगाने का निर्देश दिया है। कर्मचारियों को सरकार की नीतियों, राजनीतिक या धार्मिक मुद्दों पर कोई टिप्पणी नहीं करनी है। बिना अनुमति सरकारी दस्तावेज या जानकारी साझा करने पर भी कड़ी कार्रवाई का प्रावधान किया गया है। इस निर्देश का उद्देश्य न केवल कर्मचारियों की पेशेवर छवि बनाए रखना है, बल्कि सरकारी कार्यप्रणाली और गोपनीयता को भी सुनिश्चित करना है।

इन दोनों निर्णयों का महत्व केवल अनुशासन तक सीमित नहीं है। यह पहल सरकारी कर्मचारियों को पेशेवर तरीके से कार्य करने की सीख देती है और उनके व्यक्तिगत तथा सार्वजनिक व्यवहार में संतुलन बनाती है। अक्सर देखा गया है कि सरकारी अधिकारी सोशल मीडिया पर अपनी फैन फॉलोइंग बढ़ाने और सुर्खियां बटोरने के लिए गैर–जिम्मेदाराना बयान दे देते हैं। इससे सरकार की छवि को नुकसान पहुंचता है। इस नए नियम के तहत कर्मचारियों को अपने कार्यक्षेत्र और जिम्मेदारियों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। सोशल मीडिया का इस्तेमाल केवल ज्ञान और मनोरंजन के लिए करना चाहिए, न कि सरकार के खिलाफ सार्वजनिक भड़ास निकालने के लिए।

सुक्खू सरकार का यह फैसला हिमाचल प्रदेश में सरकारी कर्मचारियों के अनुशासन और पेशेवर रवैये को सशक्त करने के लिए लिया गया एक साहसिक कदम है। लंबे समय से कार्यालयों में ड्रेस कोड और पेशेवर अनुशासन की कमी महसूस की जा रही थी। कई बार पूर्ववर्ती सरकारों ने इसे लागू करने की कोशिश की, लेकिन व्यापक सफलता नहीं मिल पाई। अब देखना यह है कि यह आदेश कितनी कड़ाई से लागू होते हैं और उल्लंघन करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ क्या कार्रवाई होती है।

इस निर्णय की सराहना विपक्षी भाजपा ने भी की है। इसका मतलब यह है कि यह पहल केवल राजनीतिक दृष्टिकोण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सार्वजनिक हित में एक सकारात्मक बदलाव की दिशा में है। सरकारी कर्मचारियों के लिए यह स्पष्ट संदेश है कि पेशेवर जिम्मेदारी, अनुशासन और सरकारी तंत्र की गरिमा सर्वोपरि हैं।

सरकार के दोनों फैसले–ड्रेस कोड और सोशल मीडिया पर नियंत्रण भविष्य में सरकारी कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी, अनुशासित और पेशेवर बनाएंगे। यह कदम सरकारी कर्मचारियों को यह समझने में मदद करेगा कि नौकरी केवल व्यक्तिगत स्वार्थ और मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि इसमें पेशेवर दायित्व, सामाजिक जिम्मेदारी और अनुशासन भी शामिल हैं। इसके साथ ही यह पहल हिमाचलियत को सुरक्षित और सम्मानजनक बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। सरकारी कर्मचारियों के पेशेवर और अनुशासित व्यवहार से राज्य में शासन और प्रशासन की छवि सुधारने में मदद मिलेगी। ■

## आज की प्रमुख हस्ती

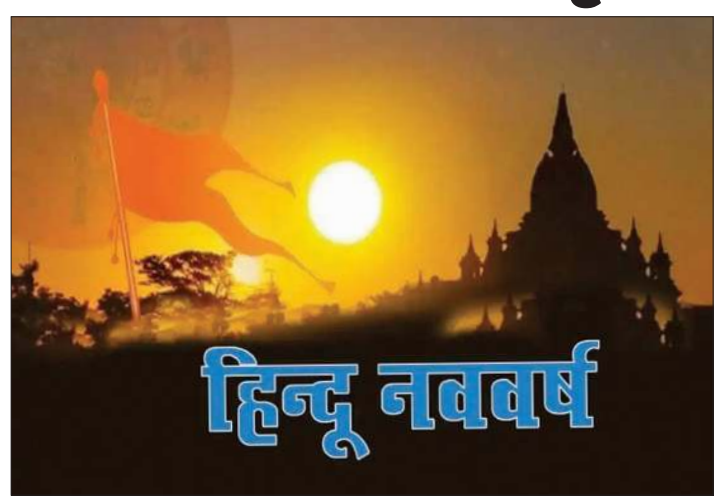

### हिंदी सिनेमा के प्रसिद्ध हास्य कलाकार



जगदीप
जन्म : 19 मार्च, 1939
मृत्यु : 8 जुलाई, 2020

**जगदीप**, जिनका असली नाम सैय्यद इश्तियाक अहमद जाफरी था, हिंदी सिनेमा के एक बेहद लोकप्रिय और प्रतिभाशाली हास्य अभिनेता थे। उनका जन्म 19 मार्च 1939 को मध्य प्रदेश के दतिया में हुआ था। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत बाल कलाकार के रूप में अफसाना से की और धीरे–धीरे अपनी मेहनत और अभिनय क्षमता के बल पर फिल्म इंडस्ट्री में एक अलग पहचान बनाई।

शुरुआती दौर में उन्होंने दो बीघा जमीन जैसी फिल्मों में काम किया, जिससे उन्हें पहचान मिली। जगदीप ने अपने लंबे करियर में 400 से अधिक फिल्मों में काम किया और हर किरदार में अपनी हास्य प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन किया। उनकी सबसे प्रसिद्ध भूमिका शोले में 'सूरमा भोपाली' के रूप में रही, जिसे दर्शकों ने बेहद पसंद किया और आज भी यह किरदार लोगों के दिलों में बसा हुआ है। इस किरदार की लोकप्रियता इतनी अधिक थी कि उन्होंने इसी नाम से एक फिल्म का निर्देशन भी किया। जगदीप का अभिनय उस दौर में चमका जब महमूद और जॉनी वॉकर जैसे बड़े हास्य कलाकार सक्रिय थे, फिर भी उन्होंने अपनी अलग पहचान बनाई। उनके दो बेटे जावेद जाफरी और नावेद जाफरी भी मनोरंजन जगत से जुड़े हैं और उन्होंने टीवी शो 'बूगी–बूगी' के जरिए लोकप्रियता हासिल की। जगदीप अपने अनोखे अंदाज, हाव–भाव और संवाद अदायगी के लिए जाने जाते थे। उनका निधन 8 जुलाई 2020 को मुंबई में 81 वर्ष की आयु में हुआ, लेकिन उनका हास्य अभिनय आज भी दर्शकों के दिलों में जीवित है। ■



कविता

### नववर्ष अभिनंदन

डॉ. कौमार्या मनोज

**अभिनंदन** नववर्ष तुम्हें, जीवन में सारा हर्ष तुम्हें
लो शपथ यही कि सुधरोगे, पौरुष पथ से ना बिचलोगे
जीवन की बगिया सुंदर है, कुछ इसका तुम ख्याल करो
ऊपर वाला सबको है देता, मत उससे कोई सवाल करो
जिंदगी का ये फलसफा है, कुछ घाटा तो कुछ नफा है
जीवन अर्थ समझ पाए तो, जीवन से कर पाए वफा है
अपनी चाहत को रहने दे, होगा वही जो वो चाहे
तू वैसा कर जो वो चाहे, फिर वो होगा जो तू चाहे
जो गलती हुई है भूल उसे जा, बस नई कहानी लिखते जा
जीवन में आगे बढ़ते जा, हर रोज नया कुछ करते जा
जीवन ये कोरा कागज है, जिस दिन समझ तू जाएगा
मिल जाएंगी सारी खुशियां, जीवन सफल हो जाएगा
यथा संभव तू कर मेहनत, ये बाजी तेरी अपनी है
खुद की जगह बनाने हेतु, फाइट तुझको करनी है
संभव है आसान है बस जीतना है, जीतना है तुझको जीतना है

**पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।**

# हिंदू नववर्ष : भारत के स्वाभिमान और संस्कृति की पहचान



डॉ. अवनीश कुमार
सह–प्रोफेसर, होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल कुमारहट्टी, मो. 9817095563

भारत की प्राचीन संस्कृति में समय की गणना केवल तिथियों और महीनों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह प्रकृति, परंपरा और आध्यात्मिकता से भी गहराई से जुड़ी हुई है। हिंदू नववर्ष इसी सांस्कृतिक परंपरा का एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से प्रारंभ होता है।

यह दिन भारतीय नव संवत्सर का पहला दिन माना जाता है और इसे पूरे भारत में अलग–अलग नामों और परंपराओं के साथ उत्साहपूर्वक मनाया जाता है। हिंदू मान्यता के अनुसार, इसी दिन सृष्टि की रचना का प्रारंभ हुआ था। यही कारण है कि इस दिन को नए आरंभ, नई आशा और नए संकल्पों का प्रतीक माना जाता है। प्रकृति भी इस समय नवजीवन का संदेश देती है–पेड़ों पर नई कोंपलें फूटती हैं, खेतों में हरियाली छा जाती है और वातावरण में एक नई ताजगी दिखाई देती है। भारत के विभिन्न क्षेत्रों में हिंदू नववर्ष को अलग–अलग रूपों में मनाया जाता है। महाराष्ट्र में इसे गुड़ी पड़वा, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में उगादी, कश्मीर में नवरेह तथा उत्तर भारत में इसे नव संवत्सर के रूप में मनाया जाता है। इस दिन घरों की साफ–सफाई की जाती है, तोरण और रंगोली से सजावट की जाती है, मंदिरों में पूजा–अर्चना होती है और लोग एक–दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। हिंदू नववर्ष हमें केवल समय के परिवर्तन की सूचना नहीं देता, बल्कि यह हमें अपने 'स्व' की पहचान कराता है। 'स्व' का अर्थ है–अपनी संस्कृति, अपने मूल्य, अपनी परंपराएं और अपनी राष्ट्रीय चेतना। सदियों पुरानी भारतीय कालगणना, ऋषियों द्वारा निर्धारित पंचांग और प्रकृति के साथ तालमेल से बना यह नव संवत्सर हमें अपने गौरवशाली अतीत की याद दिलाता है।

आज हमारी जीवन शैली पर पाश्चात्य सभ्यता का गहरा प्रभाव पड़ा है। वर्तमान में हम सभी वजन, गणना, मुद्रा और यहां तक कि तिथि एवं काल गणना भी पाश्चात्य शैली के अनुसार ही करते हैं। हम में से अधिकतर लोग एक जनवरी को ही नववर्ष मनाते हैं, जबकि भारतीय हिंदू कैलेंडर के अनुसार चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा यानी प्रथम दिन से नवसंवत्सर की शुरुआत होती है। यह अंग्रेजी कैलेंडर के मार्च–अप्रैल माह में होता है।

इसी के अनुसार इस वर्ष 19 मार्च, 2026 से नव संवत्सर 2083 शुरू हो रहा है। वर्तमान में हम भले ही अपने स्वदेशी कैलेंडर एवं काल गणना को छोड़कर ग्रेगोरियन कैलेंडर को अपनाए हुए हैं, मगर हमारे स्वदेशी कैलेंडर या पंचांग का महत्व बिलकुल भी कम नहीं हुआ है। हमारे समस्त शुभ कार्य, पर्व, त्यौहार, विवाह, या कोई भी कर्म या मुहूर्त हो सब हिंदू कैलेंडर या पंचांग के अनुसार ही तय होते हैं।

विक्रम संवत की शुरुआत उज्जैन के सम्राट राजा विक्रमादित्य ने की थी। हमारी अद्वितीय एवं अक्षुण भारतीय संस्कृति एवं शांति को भंग करने के लिए कई विदेशी शासकों और जातियों ने इस देश पर आक्रमण किए और अनेक भू–भागों पर अपना स्वामित्व स्थापित कर लिया। ऐसे समय में उज्जैन के शासक महाराजा विक्रमादित्य के नेतृत्व में देश की कई राजशक्तियां एवं जनता ने एक साथ लड़ाई लड़ी और इन आक्रमणकारी शक्तियों को देश से बाहर किया था। इस तरह राजा विक्रमादित्य ने इन आक्रमणकारियों को पराजित कर एक नए युग की शुरुआत की थी। उन्होंने ही विक्रम संवत का भी सूत्रपात किया था। इनके समय के महान खगोल शास्त्री वराहमिहिर थे जिनकी सहायता से इस संवत के प्रसार में सहायता मिली। यह संवत अंग्रेजी कैलेंडर से 57 वर्ष आगे है या यूं कहें कि इसे 57 वर्ष पहले शुरू कर दिया गया था। 2026+57=2083 इस तरह अभी 2083 विक्रम संवत चल रहा है।

विक्रम संवत कैलेंडर वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित है, जिसमें नववर्ष हर साल चैत्र माह में मनाया जाता है। यह समय प्रकृति के नवीकरण और बसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक होता है, जब चारों ओर उत्साह और सौंदर्य फैला होता है। हिंदू नववर्ष के इस अवसर पर संपूर्ण प्रकृति एक नई शुरुआत का स्वागत करती प्रतीत होती है। इस दिन का महत्व सिर्फ धार्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक भी है। आज भी हम हिंदू नववर्ष के अवसर पर कई शुभ कार्य शुरू करते हैं। चाहे वह घर में कोई नई शुरुआत हो या व्यापारी वर्ग द्वारा नए खाते खोले जाते हों, यह सब इस समय को शुभ मानते हुए किया जाता है। इसी दिन हमारे स्कूलों में नए शैक्षिक सत्र की शुरुआत होती है और व्यापारी वर्ग अपने लेन–देन का हिसाब भी शुरू करता है।

दुर्भाग्यवश, पाश्चात्य सभ्यता के प्रभाव ने हमारे पारंपरिक उत्सवों को कमजोर करने का प्रयास किया है। अंग्रेजों ने इस दिन का मजाक उड़ाया और इसे 'अप्रैल फूल' के रूप में प्रस्तुत किया, ताकि हमारे नववर्ष के महत्व को कम किया जा सके। हिंदू नववर्ष हमें अपनी जड़ों से जुड़ने की याद दिलाता है। यह दिन हमें अपने संस्कारों, संस्कृति, और राष्ट्र के प्रति गर्व की भावना से भर देता है। इस दिन हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम सत्य, सेवा, समरसता और राष्ट्रभक्ति के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएंगे और समाज व राष्ट्र के उत्थान में योगदान देंगे। यह दिन हमें न केवल सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करता है, बल्कि हमें अपने जीवन में नए लक्ष्य, नए विचार और नए संकल्पों के साथ आगे बढ़ने का अवसर भी देता है। इस पावन अवसर पर हमें यह संकल्प लेना चाहिए कि हम अपनी संस्कृति और संस्कारों को संजोकर रखते हुए एक बेहतर समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान देंगे। नव संवत्सर 2083 की हार्दिक शुभकामनाएं!

**( ये लेखक के निजी विचार हैं )**

# हिमाचल में बढ़ता जनसांख्यिकीय बूढ़ापन : चुनौती और समाधान



डॉ. जनकराज
विधायक, भरमौर विधानसभा क्षेत्र

हिमाचल प्रदेश, जिसे देवभूमि के नाम से जाना जाता है, अपनी प्राकृतिक सुंदरता, बागवानी और पर्यटन के लिए विश्वभर में प्रसिद्ध है, लेकिन वर्तमान समय में यह राज्य एक गंभीर जनसांख्यिकीय बदलाव का सामना कर रहा है–बढ़ती वृद्ध आबादी।

जहां भारत को आज भी 'युवा देश' कहा जाता है, वहीं हिमाचल में वरिष्ठ नागरिकों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह परिवर्तन केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि राज्य की सामाजिक और आर्थिक संरचना को गहराई से प्रभावित करने वाला है।

आंकड़ों के अनुसार, हिमाचल प्रदेश में 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों का प्रतिशत राष्ट्रीय औसत से अधिक हो चुका है और आने वाले वर्षों में इसके और बढ़ने की संभावना है। इसके विपरीत, 0–14 वर्ष आयु वर्ग की आबादी में गिरावट दर्ज की जा रही है। यह संकेत देता है कि राज्य की जनसंख्या संरचना असंतुलित होती जा रही है और भविष्य में यह 'बूढ़ी आबादी वाले राज्य' के रूप में उभर सकता है। इस बदलाव के पीछे कई कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण है घटती प्रजनन दर, जो प्रतिस्थापन स्तर से नीचे पहुंच चुकी है। इसका अर्थ है कि नई पीढ़ी की संख्या लगातार कम हो रही है।

दूसरी ओर, बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के कारण जीवन प्रत्याशा बढ़ रही है, जिससे लोग अधिक समय तक जीवित रह रहे हैं। कम जन्म दर और अधिक आयु का यह संयोजन जनसंख्या के तेजी से बूढ़ा होने का मुख्य कारण बन रहा है। इसके अतिरिक्त, युवाओं का पलायन भी इस समस्या को गंभीर बना रहा है।

बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसरों की तलाश में युवा दिल्ली, चंडीगढ़ और बेंगलुरु जैसे शहरों की ओर जा रहे हैं।



परिणामस्वरूप, ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्गों की संख्या बढ़ रही है और कई गांव खाली होते जा रहे हैं। इस जनसांख्यिकीय परिवर्तन के प्रभाव बहुआयामी हैं। आर्थिक दृष्टि से, कार्यशील आयु वर्ग की कमी से श्रम शक्ति घटेगी, जिससे कृषि, बागवानी और पर्यटन जैसे क्षेत्रों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। साथ ही, वृद्धावस्था पेंशन और स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ता खर्च राज्य के सीमित संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव डालेगा। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी नई चुनौतियां सामने आ रही हैं। वृद्ध आबादी के साथ हृदय रोग, मधुमेह और गठिया जैसी बीमारियां बढ़ रही हैं। वर्तमान स्वास्थ्य व्यवस्था में जेरिएट्रिक (वृद्ध) देखभाल की पर्याप्त सुविधाओं का अभाव है, विशेषकर दूरदराज के पहाड़ी क्षेत्रों में। सामाजिक स्तर पर, संयुक्त परिवारों के टूटने और एकल परिवारों की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण बुजुर्गों में अकेलापन और मानसिक तनाव बढ़ रहा है। उनकी देखभाल की जिम्मेदारी सीमित सदस्यों, विशेषकर महिलाओं, पर आ जाती है, जिससे सामाजिक संतुलन प्रभावित होता है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए सरकार को ठोस कदम उठाने होंगे। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना, जेरिएट्रिक केंद्र स्थापित करना और मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों के माध्यम से दूरदराज क्षेत्रों तक पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है।

आर्थिक सुरक्षा के लिए पेंशन योजनाओं को सुदृढ़ करना और 'सिल्वर इकोनॉमी' को बढ़ावा देना भी महत्वपूर्ण है, ताकि बुजुर्गों के अनुभव और कौशल का उपयोग किया जा सके। साथ ही, स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन कर युवाओं के पलायन को रोकना जरूरी है।

बहरहाल, यह स्थिति केवल एक चुनौती नहीं, बल्कि एक अवसर भी है। यदि सही नीतियों और दूरदृष्टि के साथ कार्य किया जाए, तो हिमाचल प्रदेश एक 'वृद्ध–अनुकूल राज्य' के रूप में विकसित हो सकता है, जहां बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानजनक और सक्रिय जीवन जी सकें।

**( ये लेखक के निजी विचार हैं )**

# मानव जीवन का सत्य : इच्छाओं का बंधन और वास्तविक उद्देश्य



डॉ. पीसी कौंडल
गांव ददोह (बल्ह), जिला मंडी
मो, 70188–85893

इंसान जब से इस दुनिया में आया है तब से यह अनेकों प्रकार के दुख, कष्ट, क्लेश और मुसीबतों को सहता चला आ रहा है। इसे आज तक न सहज सुख की प्राप्ति हुई और न ही शांति मिली। हर इंसान अपनी इच्छाओं, आशाओं, मंशाओं, तृष्णाओं और आवश्यकताओं की पूर्ति करना में लगा रहता है।

ये इच्छाएं, तृष्णाएं न आज तक किसी की पूर्ण हुई हैं और न कभी पूरी हो पाएंगी । ये इच्छाएं जितनी कम होंगी, इंसान उतना ही सुखी होगा। किसी महात्मा ने कहा है, 'जिसको कछु न चाहिए, वो ही शहंशाह'। ये इच्छाएं ही इंसान को कमजोर बनाती हैं। जिसकी कोई इच्छा नहीं है, वही इस दुनिया में सबसे अमीर है, सुखी है। सिकंदर महान को भारत निवास के दौरान जब यह ज्ञात हुआ कि ब्यास नदी के किनारे एक साधु रहता है, जिसके पास असाधारण शक्तियां हैं तो सिकंदर एक दिन उनसे मिलने के लिए ब्यास नदी पर चला गया। जब उसने देखा कि वह साधु बड़ के पत्तों से बनाई गई एक छतरी की छाया में ताड़ के पत्तों पर वर्षों से बैठा हुआ है और उसने मूसलाधार वर्षा, कड़कती धूप और तेज सर्दी में भी अपनी सारी जिंदगी इसी तरह गुजार दी है, तब किंदर को उस पर दया आ गई।

सिकंदर ने उसके लिए एक मकान बनाना चाहा तो साधु ने इनकार कर दिया और कहा, 'मकान किसलिए बनाया जाए, क्या हमें हमेशा के लिए यहां रहना है? एक दिन हम सबको इस संसार को छोड़कर जाना पड़ेगा। तब सिकंदर ने साधु से पूछा, 'तो क्या मैं आपकी कोई और सेवा कर सकता हूं? तो साधु ने उत्तर दिया, हां, मैं चाहता हूं कि आप और आपका कोई भी आदमी मेरे पास न आए।' सिकंदर चुप रह गया। जब सिकंदर की मृत्यु का समय आया तो उसने कहा, 'जो व्यक्ति मुझे इतने समय के लिए जीवित रख सके कि मैं अपनी मां से मिल सकूं, उसे मैं अपना आधा राज पाट दे दूंगा।' तो वैद्यों, हकीमों ने कहा कि अगर सिकंदर अपना सारा राजपाट भी दे दे, तो भी कोई उसकी जिंदगी में एक सांस भी नहीं जोड़ सकता। तब सिकंदर महान की आंखों से आंसू टपक पड़े। उसने एक आह भरते हुए कहा, 'हाय अफसोस, अगर मुझे मालूम होता कि एक एक सांस इतना कीमती है तो मैं कभी भी अपनी सांसों की पूंजी को फिजूल के कामों में बर्बाद ना करता।' तब उसने यह हुकम दिया कि मेरी अर्थी श्मशान को ले जाते समय, मेरे दोनों हाथ कफन से बाहर और हथेलियां खुली ऊपर की ओर रखी जाएं ताकि सारी दुनिया को यह मालूम हो सके कि सिकंदर महान जो विश्व विजय के स्वपन देखा करता था, आज इस संसार से खाली हाथ जा रहा है।'

इतना अनमोल है यह मनुष्य जन्म जिसे हम विषय वासनाओं में, भोग विलासों में बर्बाद करते जा रहे हैं। ये विषय वासनाएं और भोग विलास हमें क्या देते हैं? केवल कष्ट, दुःख,पीड़ा,बीमारी आदि ही। वास्तव में परमात्मा ने दया, मेहर करके हमें मनुष्य जन्म की जो बहुमूल्य सौगात बख्शी है उसकी कीमत कितनी है, शायद हम अंदाजा भी नहीं लगा सकते। निचली योनियों में करोड़ों जन्म भुगतने के पश्चात हमें यह मनुष्य जन्म मिला है और वह केवल परमात्मा ने हमें अपने साथ मिलने के लिए ही दिया है। अगर हम इसकी अनमोलता के बारे में अब भी नहीं जान पाए और इसे व्यर्थ के कामों में बर्बाद कर देंगे तो समझ लो लाखों करोड़ों जन्मों तक हम फिर से निचली योनियों में चक्र काटते रह जाएंगे।

इस संसार में कोई भी व्यक्ति स्थायी रूप से हमारा नहीं है। माता–पिता, भाई–बहन और संतान भी केवल जीवनकाल तक ही साथ निभाते हैं। मृत्यु के बाद न कोई संबंध साथ जाता है और न ही धन–दौलत। मनुष्य खाली हाथ आता है और खाली हाथ ही जाता है। जीवनभर की संपत्ति, साधन और सुख–सुविधाएं यहीं रह जाती हैं। इसलिए हमें ईमानदारी से कमाई करनी चाहिए और उसका उपयोग अपनी आवश्यकताओं के साथ–साथ समाज सेवा और जरूरतमंदों की सहायता में करना चाहिए। यही जीवन का सच्चा उद्देश्य है।

**( ये लेखक के निजी विचार हैं )**

# आवारा कुत्तों का बढ़ता आतंक, बच्चों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा



वीरेन ठाकुर
स्वतंत्र लेखक
virenlara@gmail.com

पंजाब, हरियाणा और दिल्ली जैसे राज्यों में आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ रहा है और यह अब बच्चों और आम नागरिकों की सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन गया है। हाल की घटनाओं ने इस समस्या की भयावहता को उजागर कर दिया है।

हाल के दिनों में पंजाब के श्री फतेहगढ़ साहिब के गांव लखनपुर में एक खेत मजदूर की तीन वर्षीय बच्ची को आवारा और खूंखार कुत्तों ने नोच–नोच कर मार डाला। बच्ची मौके पर ही दम तोड़ गई। यह घटना न केवल स्थानीय लोगों के लिए बल्कि पूरे राज्य के लिए चेतावनी स्वरूप है कि आवारा कुत्तों की समस्या अब नियंत्रण से बाहर हो रही है।

राज्य में पिछले दो हफ्तों में कुत्तों के हमले से यह तीसरी बच्ची की मौत है। इससे पहले 27 फरवरी को कपूरथला जिले के सुल्तानपुर लोधी के गांव गिल्ला गाखाला में आठ वर्षीय बच्चे की कुत्तों ने जान ले ली। उसी दिन संगरूर में छह वर्षीय बच्चे पर भी आवारा कुत्तों ने जानलेवा हमला किया, जिससे उसके शरीर पर 25 से अधिक गंभीर जख्म हुए। 5 मार्च को गुरदासपुर जिले के धारीवाल में दो वर्षीय बच्चे को भी इसी प्रकार के हमले का सामना करना पड़ा, जिसमें उसकी जान चली गई।

इन घटनाओं की प्रमुख वजह बच्चों की सुरक्षा में लापरवाही और उनके आस–पास सुरक्षित वातावरण की कमी है। लखनपुर की बच्ची उसी समय पानी भरने गई अपनी मां के पीछे खेलते–खेलते गई थी। इसी दौरान झुंड ने उस पर हमला कर दिया। जब मां दौड़ी, तब तक बहुत देर हो चुकी थी। इस प्रकार मासूम बच्चों की जान पर खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है।

दिल्ली में 2025–26 में आवारा कुत्तों के हमले चरम पर थे। प्रतिदिन लगभग 2,000 काटने के मामले दर्ज किए गए और पूरे वर्ष में 35,000 से अधिक घटनाएं हुईं। इन आंकड़ों से यह स्पष्ट है कि केवल शहर ही नहीं, ग्रामीण क्षेत्रों में भी यह समस्या गंभीर है। हरियाणा में भी स्थिति भयावह रही। जनवरी 2020 से अगस्त 2025 के बीच 7 जिलों में 4.86 लाख से अधिक डॉग बाइट के मामले दर्ज किए गए। अकेले फरीदाबाद में अक्टूबर से दिसंबर 2025 तक 6,520 मामले सामने आए। गुरुग्राम और फरीदाबाद में समस्या सबसे गंभीर रही।

सुप्रीम कोर्ट ने नवंबर 2025 में आवारा कुत्तों पर ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए सभी राज्यों को निर्देश दिया कि शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, रेलवे स्टेशन और बस अड्डों से आवारा कुत्तों को तत्काल हटाया जाए। इसके लिए उन्हें शेल्टर होम में शिफ्ट करने, सार्वजनिक स्थानों पर फीडिंग पर रोक लगाने और अलग फीडिंग स्थल बनाने का आदेश दिया गया। अदालत ने स्पष्ट किया कि यह केवल कुत्तों के कल्याण का मामला नहीं है, बल्कि जन सुरक्षा का मामला है।

फिर भी अदालत के निर्देशों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए स्थानीय प्रशासन की सक्रिय भूमिका और समाज की जागरूकता आवश्यक है। यदि इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो मासूम बच्चों की जान को खतरा बना रहेगा। आवारा कुत्तों की समस्या न केवल बच्चों के लिए बल्कि वृद्धों और आम नागरिकों के लिए भी गंभीर चुनौती बन चुकी है।

समस्या का समाधान केवल कठोर कानूनों या अदालत के आदेशों से नहीं होगा। इसके लिए सरकार और स्थानीय निकायों को शेल्टर होम, फीडिंग पॉइंट और पशु नियंत्रण के उपायों को प्रभावी रूप से लागू करना होगा। ससमाज को भी जागरूक होना होगा कि आवारा कुत्तों को अनियंत्रित छोड़ना न केवल जानलेवा है बल्कि समाज के लिए खतरा भी है।

**( ये लेखक के निजी विचार हैं )**

**अनंत ज्ञान**

प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज–2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर–176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई–मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

# भजन-कीर्तन व भंडारे से महकेगा चतुर्भुजा मंदिर

## स्थानीय भजन मंडलियों के अलावा बाहर से आने वाले कलाकार भी देंगे अपनी प्रस्तुतियां

अनंत ज्ञान

**अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर।** श्रीदेवी चतुर्भुजा मंदिर सुधार समिति द्वारा चैत्र नवरात्रों के पावन अवसर पर चतुर्भुजा माता मंदिर में भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। समिति के प्रधान रतन चंद ठाकुर एवं प्रेस सचिव मनोहर ठाकुर ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि 19 मार्च से आरंभ हो रहे नवरात्रों के दौरान मंदिर में श्रद्धा और आस्था का विशेष वातावरण देखने को मिलेगा।

उन्होंने बताया कि नवरात्रों के नौ दिनों तक प्रतिदिन सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान दूर-दराज से आने वाले हजारों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। भंडारे की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए समिति द्वारा विशेष प्रबंध किए गए हैं, ताकि किसी भी श्रद्धालु को असुविधा का सामना न करना पड़े। इसके साथ ही मंदिर परिसर में लगातार भजन-कीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहेगा। स्थानीय भजन मंडलियों के अलावा बाहर से आने वाले कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति होगी। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि चतुर्भुजा माता मंदिर की प्राचीन मान्यता है कि महाभारत काल में पांडवों ने अपने अज्ञातवास के दौरान इस मंदिर की स्थापना की थी। यही कारण है कि यह मंदिर क्षेत्र ही नहीं बल्कि दूर-दूर तक श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बना हुआ है। माता चतुर्भुजा को लाखों लोग अपनी कुलदेवी के रूप में पूजते हैं और वर्षभर यहां श्रद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। उन्होंने बताया कि विवाह जैसे शुभ कार्यों के पश्चात नवविवाहित जोड़े बैंड-बाजों के साथ मंदिर में जातर लेकर पहुंचते हैं और माता के दरबार में हाजिरी लगाकर आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। यह परंपरा वर्षों से चली आ रही है और आज भी उतनी ही श्रद्धा के साथ निभाई जा रही है। अंत में समिति ने समस्त क्षेत्रवासियों एवं श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे नवरात्रों के इस पावन पर्व पर अधिक से अधिक संख्या में मंदिर पहुंचकर धर्म लाभ अर्जित करें तथा आयोजन को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। साथ ही मंदिर परिसर में स्वच्छता बनाए रखने की अपील की।

### आंखों की रोशनी व संतान सुख का मिलता लाभ

**स्थानीय** मान्यताओं के अनुसार, आंखों की रोशनी से संबंधित समस्याओं से पीड़ित श्रद्धालु यहां सच्चे मन से प्रार्थना करते हैं तो उन्हें लाभ प्राप्त होता है। इसके अतिरिक्त संतान सुख की कामना लेकर भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर में पहुंचते हैं और माता के चरणों में शीश नवाकर अपनी मनोकामनाएं व्यक्त करते हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि माता चतुर्भुजा सच्चे मन से की गई हर प्रार्थना को स्वीकार करती हैं।समिति ने बताया कि जो भी श्रद्धालु यहां आकर मनोकामना करते हैं और उनकी इच्छा पूर्ण हो जाती है, वे पुनः मंदिर में आकर श्रद्धापूर्वक माता का धन्यवाद करते हैं और विशेष पूजा-अर्चना करवाते हैं। नवरात्रों के दौरान ऐसे श्रद्धालुओं की संख्या भी अधिक रहती है।

# आज माता के जयकारों से गूंजेगा नौबाही

## नवरात्र पर मंदिर बनेगा श्रद्धा का केंद्र, जागरण में भजन-कीर्तन से जागेगी भक्ति

अनंत ज्ञान

**रितेश चौहान, सरकाघाट।** आस्था और श्रद्धा के संगम का केंद्र बनने जा रहा माता श्री नौबाही देवी जी का पावन मंदिर, जहां 19 मार्च से चैत्र नवरात्रों का शुभारंभ पूरे विधि-विधान और भक्ति भाव के साथ किया जाएगा। मंदिर अधिकारी एवं तहसीलदार सरकाघाट मनीश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि इस पावन अवसर पर मंदिर परिसर में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों और पूजा-अर्चना का आयोजन किया जाएगा, जिसमें क्षेत्रभर से श्रद्धालुओं के उमड़ने की संभावना है और पूरा क्षेत्र भक्ति रस में सराबोर नजर आएगा। नवरात्रों के प्रथम दिन 19 मार्च को सायं 6 बजे से माता की चौकी यानी जागरण का विशेष आयोजन किया जाएगा, जिसमें भजन-कीर्तन के माध्यम से माता की महिमा का गुणगान होगा और रातभर श्रद्धालु भक्ति में लीन रहेंगे, जिससे वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो उठेगा। मंदिर प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही है, ताकि दूर-दराज से आने वाले भक्तगण आसानी से दर्शन कर सकें और किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, इसके साथ ही साफ-सफाई, सुरक्षा और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मंदिर अधिकारी ने समस्त क्षेत्रवासियों और श्रद्धालुओं से आग्रह किया है कि वे इस पुण्य अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर माता का आशीर्वाद प्राप्त करें और धार्मिक आयोजनों में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें, उन्होंने यह भी कहा कि इस प्रकार के धार्मिक आयोजन न केवल आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार करते हैं बल्कि समाज में आपसी भाईचारे और सौहार्द को भी मजबूत बनाते हैं, जिससे सामाजिक एकता को नई दिशा मिलती है।

# सिर्फ पढ़ाई से नहीं, नैतिक शिक्षा से ही समाज बनेगा सशक्त : प्रीतम पाल

मुख्यातिथि न्यायमूर्ति प्रीतम पाल पौधरोपण करते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, मंडी।** डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर मंडी में बुधवार को डीएवी कॉलेज प्रबंधन समिति, नई दिल्ली के उपाध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रीतम पाल का शुभागमन हुआ। विद्यालय प्रांगण में पहुंचने पर मुख्य अतिथि का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य केएस गुलेरिया ने उन्हें पुष्प गुच्छ भेंट कर और पारंपरिक हिमाचली टोपी व शॉल पहनाकर उनका अभिनंदन किया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ न्यायमूर्ति द्वारा परिसर में पौधरोपण के साथ हुआ, जिसके माध्यम से उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

न्यायमूर्ति प्रीतम पाल ने स्कूल की शैक्षणिक उपलब्धियों और विद्यार्थियों के चारित्रिक निर्माण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल साक्षरता तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसमें नैतिक मूल्यों का समावेश अनिवार्य है। प्रधानाचार्य केएस गुलेरिया ने मुख्य अतिथि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि न्यायमूर्ति जैसी विभूति का सान्निध्य विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए नई ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि विद्यालय अपनी गौरवशाली विरासत को अक्षुण्ण रखते हुए विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा।

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के विभिन्न डीएवी विद्यालयों से प्रधानाचार्य जिसमें डीएवी ग्रयोह से संजीव ठाकुर, सुंदरनगर से मोहित, गोहर से चंद्रेश्वर शर्मा, नेरचौक से प्रशांत शर्मा, जोगिंद्रनगर से संजय ठाकुर, कटराइं से चंद्रिका मल्होत्रा, जमथल से दीपिका शर्मा, मनाली से अनीता वर्मा तथा डीएवी पण्डोह से वंदना कपूर जिन्होंने इस सत्र से डीएवी पण्डोह का कार्यभार संभाला और एआरओ जोन सी एवं डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर मंडी के प्रधानाचार्य केएस गुलेरिया सहितस्टाफ व अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

# वार्ड-5 में अवैध पार्किंग से रोज लग रहा जाम, लोगों का जीना हुआ मुहाल

## कुनालग सड़क पर ट्रैफिक व्यवस्था चरमराई, प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग

अनंत ज्ञान

**रितेश चौहान, सरकाघाट।** शहर के सबसे व्यस्त वार्ड नंबर-5 कुनालग की सड़क पर बेतरतीब और अवैध पार्किंग के कारण रोजाना जाम की स्थिति बनी रहती है। इससे न केवल स्थानीय लोगों, बल्कि स्कूली बच्चों और बाहर से आने वाले लोगों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क के दोनों ओर वाहनों को अवैध रूप से खड़ा कर दिया जाता है, जिससे मार्ग संकरा हो जाता है और वाहनों की आवाजाही बाधित होती है।

हैरानी की बात यह है कि इस समस्या के समाधान के लिए अब तक ट्रैफिक पुलिस द्वारा कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। वार्ड-5 में नर्सिंग कॉलेज, आबकारी एवं कराधान विभाग, बीएसएनएल कार्यालय, रोजगार कार्यालय और राशन डिपो जैसे कई महत्वपूर्ण संस्थान स्थित हैं। इसके बावजूद यहां यातायात व्यवस्था बेहद खराब बनी हुई है। क्षेत्र में दो पेड पार्किंग भी मौजूद हैं, लेकिन वहां तक पहुंचना भी लोगों के लिए चुनौती बना हुआ है। इसका खामियाजा खासकर नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं और सरकारी कार्यालयों में आने-जाने वाले लोगों को भुगतना पड़ता है। पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष और पार्षद संदीप वशिष्ठ ने बताया कि उनके कार्यकाल में यहां पेड पार्किंग के साथ-साथ छोटी-छोटी पार्किंग सुविधाएं भी विकसित की गई थीं, लेकिन नगर परिषद द्वारा उनका सही रखरखाव नहीं किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस समस्या के बारे में कई बार ट्रैफिक पुलिस को अवगत कराया गया, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकला है।

वहीं, नर्सिंग कॉलेज के एचओडी अतुल शर्मा, अनूप बनयाल, वरिष्ठ पूर्व पार्षद विपिन कौशल, अधिवक्ता केके हंसराज, ठाकुर वर्मा, कैप्टन रघुराम, रतन पाल ठाकुर, संजीव शर्मा और नीलम नेगी सहित अन्य लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध पार्किंग पर सख्ती से रोक लगाई जाए और नियम तोड़ने वालों के चालान किए जाएं। इस संबंध में एसएचओ सरकाघाट रजनीश ठाकुर ने आश्वासन दिया कि वीरवार से वार्ड की सड़कों पर अवैध रूप से वाहन खड़े नहीं होने दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ट्रैफिक पुलिस को सख्त कार्रवाई के निर्देश जारी किए जा रहे हैं।

वार्ड-5 में सड़क किनारे अवैध रूप से खड़े वाहन। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान मुद्दा

# देव परंपरा के प्रति सराहनीय कार्यों के लिए उपायुक्त अपूर्व देवगन सम्मानित

देवता कमेटी के पदाधिकारी डीसी को सम्मानित करते हुए। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, मंडी।** सर्व देवता सेवा समिति जिला मंडी की कार्यकारिणी द्वारा उपायुक्त अपूर्व देवगन को देव परंपरा और देवी-देवताओं के प्रति उनकी उत्कृष्ट कार्यशैली के लिए सम्मानित किया गया। समिति ने कहा कि पिछले तीन अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि मेलों के सफल आयोजन में उपायुक्त की भूमिका अत्यंत सराहनीय रही है। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि पहली शिवरात्रि के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा देवताओं के मंदिरों के समीप सामुदायिक भवन निर्माण हेतु आधा बीघा भूमि देने की घोषणा की गई थी। इस घोषणा को अमलीजामा पहनाने के लिए उपायुक्त ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से मामले तैयार करने के निर्देश दिए और निर्धारित समयावधि में कई मामलों को स्वीकृति भी प्रदान की। इसके अतिरिक्त सर्व देवता समिति और आम जनमानस की मांग पर पंजीकृत देवी-देवताओं को पड्डल मैदान में बैठने के लिए स्थायी स्थान उपलब्ध करवाया गया, जिसकी कारदारों और श्रद्धालुओं ने भूरि-भूरि प्रशंसा की।

इस अवसर पर बैठक में भीम चंद सरोच, तीर्थ राज, हुकम चंद, राजू राम, गोविंद ठाकुर, दिनेश शर्मा, सुरेंद्र, राजेंद्र गुलेरिया, घनश्याम, तोलू राम, लेखराज पटियाल, खीमा राम, रेवती राम, डिक पाल शर्मा, इंद्र सिंह, वाले राम, गुलाब ठाकुर सहित कई उपस्थित रहे।

# छह दिन बाद गुमशुदा महिला सुरक्षित बरामद, पति के सुपुर्द

पुलिस के साथ गुमशुदा महिला। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

**अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर।** पुलिस थाना जोगिंद्रनगर ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गुमशुदा महिला को सुरक्षित बरामद कर परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। जानकारी के अनुसार 12 मार्च को रीना राणा (23), निवासी गांव हरियाली, डाकघर तरामट, तहसील जोगिंद्रनगर के संबंध में उसके पति विकास राणा द्वारा गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए महिला की तलाश शुरू कर दी। पुलिस दल ने विभिन्न संभावित स्थानों पर लगातार खोजबीन जारी रखी और अंतत: 18 मार्च को रात्रि करीब 1 बजे रिवालसर क्षेत्र से महिला को सुरक्षित बरामद कर लिया। इस अभियान में सहायक उप निरीक्षक बंसी, सिपाही नरेश व महिला सिपाही आशा शामिल रहे। बरामदगी के बाद महिला के बयान मायका व ससुराल पक्ष की मौजूदगी में दर्ज किए गए, जिसमें उसने स्वेच्छा से अपने पति के साथ रहने की इच्छा जताई। इसके उपरांत आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर महिला को उसके पति के सुपुर्द कर दिया गया।

# कॉलेजों के एकीकरण से सुदृढ़ होगी उच्च शिक्षा व्यवस्था: संघ

**अनंत ज्ञान, मंडी।** हिमाचल प्रदेश राजकीय महाविद्यालय शिक्षक संघ ने राज्य सरकार द्वारा कम विद्यार्थी संख्या वाले महाविद्यालयों के विलय तथा शिक्षकों के समायोजन के माध्यम से किए जा रहे एकीकरण के निर्णय का स्वागत करते हुए इसे उच्च शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया है। संघ की अध्यक्ष डॉ. बनीता सकलानी ने कहा कि इस नीति से स्थापित महाविद्यालयों में पर्याप्त शिक्षक और संसाधन उपलब्ध होंगे, जिससे शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया की गुणवत्ता में सुधार होगा और सार्वजनिक धन का समुचित उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यूनतम विद्यार्थी संख्या 75 निर्धारित की जाए या 100, संघ सरकार के अंतिम निर्णय का पूर्ण समर्थन करता है। साथ ही उन्होंने आग्रह किया कि एकीकरण की प्रक्रिया वास्तविक छात्र उपस्थिति, विशेष रूप से विश्वविद्यालय परीक्षाओं में सम्मिलित होने वाले विद्यार्थियों की संख्या के आधार पर की जाए, ताकि नामांकन आंकड़ों में किसी प्रकार की हेरफेर न हो सके। संघ ने विज्ञान, वाणिज्य और मानविकी विषयों के लिए विशेषीकृत महाविद्यालय स्थापित करने का भी समर्थन करते हुए कहा कि इससे विषय-विशेष उत्कृष्टता को बढ़ावा मिलेगा और अधिक प्रतिस्पर्धी शैक्षणिक वातावरण तैयार होगा। शिक्षक समुदाय ने इन सुधारों के क्रियान्वयन में राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन भी दिया है।

# सरकाघाट के गांवों में गैस की भारी किल्लत एजेंसी के बाहर लग रही लंबी-लंबी कतारें

अनंत ज्ञान

**सरकाघाट।** जिला मंडी के उपमंडल सरकाघाट में घरेलू गैस वितरण व्यवस्था अव्यवस्थित होती नजर आ रही है। शहर में जहां गैस सिलेंडर कई कई दिनों बाद या यूं कहें कि जुगाड से उपलब्ध हो रहे हैं, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले दो-तीन महीनों से गैस की सप्लाई ठप होने से लोग परेशान हैं। मजबूरन ग्रामीण उपभोक्ता गैस लेने के लिए सरकाघाट पहुंच रहे हैं। बुधवार को जमसाई स्थित गैस एजेंसी के बाहर लोगों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। भीड़ इतनी बढ़ गई कि स्थिति को संभालने के लिए पुलिस बुलानी पड़ी। जिन उपभोक्ताओं ने पहले गैस बुक करवाई थी, वे ओटीपी के माध्यम से सिलेंडर ले रहे थे, जबकि कई लोग मौके पर ही बुकिंग कर गैस प्राप्त कर रहे थे।

ग्रामीणों का आरोप है कि उनके क्षेत्रों में लंबे समय से गैस नहीं पहुंच रही। ग्राम पंचायत चौक ब्रारता के हेम सिंह चौहान ने बताया कि जाजर कुकैण गांव में दिवाली के बाद गैस नहीं आई। वहीं कौहण के मधुसूदन और थाणा पंचायत के दीवान चंद ने भी तीन माह से गैस सप्लाई न होने की बात कही।

समाजिक कार्यकर्ता सुनील कुमार ने कहा कि 'जब शहर में गैस की आपूर्ति सुचारू रूप से हो रही है तो गांवों को नजरअंदाज करना गलत है। यदि ओटीपी प्रणाली में दिक्कत आ रही है तो पहले की तरह तुरंत गैस उपलब्ध करवाई जानी चाहिए। वहीं समाजिक कार्यकर्ता रमेश भारद्वाज ने भी चिंता जताते हुए कहा कि 'गैस वितरण में पारदर्शिता नहीं है, जिससे आम उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं। प्रशासन को इस पर सख्त कदम उठाने चाहिए। लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि बाहरी लोगों को बिना दस्तावेज गैस मिल रही है और काले बाजार में सिलेंडर बेचे जा रहे हैं। साथ ही ढाबों और होटलों में घरेलू सिलेंडरों के उपयोग की शिकायतें भी सामने आई हैं।

खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के निरीक्षक देशराज ने कहा कि गैस की कोई कमी नहीं है और वितरण में गड़बड़ी पर विभाग नजर रखे हुए है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि शहर और गांवों के लिए रूट चार्ट बनाकर नियमित गैस आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

## न्यूज ब्रीफ

### हवन पाठ के साथ डीएवी स्कूल की शुरुआत

**अनंत ज्ञान, पंडोह।** पंडोह में शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ी इबारत बुधवार को डीएवी पब्लिक स्कूल के शुभारंभ के रूप में अंकित की गई। इस डीएवी स्कूल का विधि-विधान के साथ बुधवार को हवन पाठ किया गया। जिसमें डीएवी सीएमसी के वाईस चेयरमैन सेवानिवृत्त जस्टिस प्रितम पाल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। उन्होंने कहा कि डीएवी पब्लिक स्कूल अपने आप सफल भविष्य की गारंटी हैं। इस अवसर पर बीबीएमबी के अधिकारी व स्थानीय गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

### संजय जम्वाल को मिली अध्यक्ष की कमान

**अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर।** जोगिंद्रनगर क्षेत्र के भालारिहड़ा में 25 व 26 मार्च को शारदा माता मंदिर में अष्टमी और नवमी के अवसर पर भव्य मेले का आयोजन किया जाएगा। इसके सफल संचालन को लेकर आयोजित बैठक में मेला कमेटी का गठन किया गया, जिसमें संजय जम्वाल को अध्यक्ष, दीपा कुमारी को सचिव, अंकित कुमार को कोषाध्यक्ष, रीमा देवी को उपाध्यक्ष तथा अजय कुमार को सहसचिव चुना गया। कमेटी ने मेले की रूपरेखा तैयार करते हुए सांस्कृतिक, खेलकूद व सामाजिक कार्यक्रमों के आयोजन का निर्णय लिया। अध्यक्ष संजय जमवाल ने बताया कि मेले में स्थानीय प्रतिभाओं को मंच दिया जाएगा। उन्होंने व्यापारियों से भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि स्टॉल लगाने के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, जिससे अधिक लोग जुड़ सकें।

### उपायुक्त ने किया युवाओं का मार्गदर्शन

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी।** मंडी में जिला प्रशासन द्वारा सिविल सेवाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए 'भविष्य सेतु' कार्यक्रम के अंतर्गत सिविल सर्विसिज प्रीमियर वर्कशॉप आयोजित की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता उपायुक्त अपूर्व देवगन ने की। उन्होंने युवाओं को अनुशासन, धैर्य और सकारात्मक सोच के साथ तैयारी करने का मार्गदर्शन दिया। कार्यशाला में डॉ. जितेंद्र चंदेल और डॉ. मनु वर्मा ने पाठ्यक्रम, परीक्षा पैटर्न, उत्तर लेखन कौशल, समय प्रबंधन और वैकल्पिक विषय चयन सहित अन्य महत्वपूर्ण पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। डाउट क्लियरिंग और प्रश्न-उत्तर सत्र में अभ्यर्थियों ने अपनी शंकाओं का समाधान पाया। जिला रोजगार अधिकारी अरविन्द सिंह चौहान सहित कई अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जिन्होंने कार्यक्रम से करियर मार्गदर्शन प्राप्त किया।

### लघु शिवरात्रि मेला: कलाकारों के ऑडिशन 27 से

**अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर।** जोगिंद्रनगर में 1 से 5 अप्रैल तक आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय लघु शिवरात्रि मेले के लिए कलाकारों के ऑडिशन 27 और 28 मार्च को होंगे। यह ऑडिशन मिनी सचिवालय परिसर के सभागार में सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक आयोजित किए जाएंगे। मेला समिति अध्यक्ष एवं एसडीएम मनीश चौधरी ने बताया कि 27 मार्च को जिला मंडी के कलाकार, जबकि 28 मार्च को प्रदेश के अन्य जिलों के कलाकार भाग ले सकेंगे। चयनित कलाकारों को चार सांस्कृतिक संध्याओं में प्रस्तुति का अवसर मिलेगा। ऑडिशन प्रक्रिया के संचालन हेतु तहसीलदार जोगिंद्रनगर के नेतृत्व में समिति गठित की गई है।

### मेला बनांदर 10-12 अप्रैल को होगा आयोजित

**अनंत ज्ञान, जोगिंद्रनगर।** जोगिंद्रनगर क्षेत्र का प्रसिद्ध मेला बनांदर इस वर्ष 10, 11 और 12 अप्रैल को धूमधाम से आयोजित किया जाएगा। मेला कमेटी ने इसकी तैयारियां तेज कर दी हैं और व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोजन को सफल बनाने के लिए एक आम सभा बुलाई गई है, जिसमें कार्यक्रमों और अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा होगी। कमेटी के प्रधान अनित कुमार ठाकुर ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह मेला क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान है और जनसहभागिता से इसे और भव्य बनाया जाएगा।

**निर्देश** जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक एडीसी की अध्यक्षता में आयोजित

# सभी बैंक ऋण वितरण में लाएं तेजी: गुरसिमर

जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक की अध्यक्षता करते एडीसी गुरसिमर सिंह। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, मंडी।** जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक अतिरिक्त उपायुक्त गुरसिमर सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें जिले में संचालित विभिन्न बैंकिंग योजनाओं और वित्तीय समावेशन कार्यक्रमों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

अतिरिक्त उपायुक्त ने सभी बैंकों को निर्देश दिए कि वे ऋण वितरण में तेजी लाएं और विशेष रूप से स्वरोजगार योजनाओं, किसान क्रेडिट कार्ड तथा महिला स्वयं सहायता समूहों को प्राथमिकता दें, ताकि पात्र लाभार्थियों तक सरकार की योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचाना सुनिश्चित हो।

उन्होंने उपस्थित सभी विभागों के अधिकारियों को एक सप्ताह में अपने-अपने विभाग से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम की सूची उपलब्ध करवाने के भी निर्देश दिए ताकि लोगों को ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण केंद्र (आरसेटी) के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें स्वावलंबी बनाया जा सके। अतिरिक्त उपायुक्त ने कहा कि सभी बैंक व संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें ताकि जिले में आर्थिक विकास को और गति मिल सके।

बैठक में बताया कि आरसेटी द्वारा अप्रैल से दिसंबर, 2025 तक 16 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 488 लोगों को प्रशिक्षित किया गया। इन प्रशिक्षण शिविरों में आचार मसाला, टेलरिंग, मशरूम उत्पादन, जूट उत्पादन, खिलौने, मोमबत्ती उत्पादन, मधुमक्खी पालन आदि का प्रशिक्षण दिया गया।

अग्रणी जिला प्रबंधक चंद्र प्रकाश ने बताया कि जिले में बैंकों द्वारा विभिन्न सरकारी योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री जन धन योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना के तहत कार्य कर अधिक से अधिक लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और बैंक प्रतिनिधियों ने भी अपने-अपने विचार साझा किए और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया।

इस अवसर पर नगर निगम मंडी के आयुक्त रोहित राठौर, जिला विकास अधिकारी जी.सी. पाठक, एलबीओ आरबीआई तरूण चौधरी, मुख्य प्रबंधक, पीएनबी वृत्त कार्यालय मंडी रोहित कुमार, डीडीएम नाबार्ड राकेश वर्मा सहित विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि तथा जिला अधिकारी उपस्थित थे।

# जोगिंद्रनगर में वर्मा ज्वेलर्स की एंटीक ज्वेलरी प्रदर्शनी शुरू, 21 तक चलेगी

वर्मा ज्वेलर्स की एंटीक ज्वेलरी प्रदर्शनी में उमड़ी भीड़। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

**जोगिंद्रनगर।** एंटीक और आकर्षक आभूषणों के शौकीनों के लिए जोगिंद्रनगर में विशेष अवसर आया है। सोलन के वर्मा ज्वेलर्स द्वारा स्थानीय होटल अंशदीप में चार दिवसीय ज्वेलरी प्रदर्शनी का बुधवार को शुभारंभ हुआ, जो 21 मार्च तक जारी रहेगी।

वर्मा ज्वेलर्स के प्रतिनिधि शीषपाल वर्मा ने बताया कि यह प्रतिष्ठान हिमाचल प्रदेश के प्रमुख ज्वैलर्स में शामिल है और अब तक लाखों ग्राहकों को अपनी सेवाएं प्रदान कर चुका है। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में ग्राहकों के लिए सोने, चांदी और हीरे के आधुनिक व एंटीक डिजाइनों की विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध करवाई गई है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों की सुविधा के लिए स्थल पर ही ज्वेलरी की शुद्धता जांचने हेतु विशेष मशीन की व्यवस्था भी की गई है, जिससे लोग अपनी पुरानी या नई ज्वेलरी की जांच करवा सकते हैं। प्रदर्शनी के दौरान विशेष आकर्षक ऑफर भी दिए जा रहे हैं। सोने के आभूषणों की 75 हजार रुपए की खरीद पर तथा हीरे के आभूषणों की 50 हजार रुपए की खरीद पर ग्राहकों को 100 मिलीग्राम का सोने का सिक्का निशुल्क प्रदान किया जा रहा है। प्रदर्शनी के पहले दिन स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला और बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर खरीदारी की। आयोजकों को उम्मीद है कि आगामी दिनों में भी प्रदर्शनी में अच्छी भीड़ उमड़ेगी।

## चैत्र नवरात्र से पहले दुल्हन सा सजा मां नयना देवी का दरबार

अनंत ज्ञान

**अरुण डोगरा रीतू, ब्यूरो बिलासपुर।** हिमाचल प्रदेश के विश्व विख्यात शक्तिपीठ श्री नयना देवी मंदिर में चैत्र नवरात्र के मद्देनजर भव्य सजावट का कार्य जोरों पर है। मंदिर परिसर को दुल्हन की तरह सजाने के लिए दिल्ली से आए लगभग 40 कारीगर दिन-रात जुटे हुए हैं व माता के दरबार को दिव्य रूप देने में लगे हैं। कारीगरों द्वारा दरबार को रंग-बिरंगे फूलों, आकर्षक लड़ियों व रोशनी से सजाया जा रहा है। इस वर्ष सजावट का जिम्मा पंजाब के खन्ना की एक समाजसेवी संस्था ने उठाया है, जो पूरी श्रद्धा व समर्पण के साथ इस कार्य को अंजाम दे रही है।



लाइनों में लगकर दर्शन करते श्रद्धालु। अनंत ज्ञान

इस बार की सजावट की खासियत यह है कि इसमें कोलकाता के विशेष फूलों के साथ-साथ विदेशी फूलों का भी प्रयोग किया जा रहा है। नवरात्र के आगमन को लेकर मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं में खास उत्साह देखने को मिल रहा है। हर वर्ष की भांति इस बार भी माता के दरबार को रंग-बिरंगी लाइटों और फूलों से भव्य रूप दिया जा रहा है, जो दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुओं के मन में आस्था और आध्यात्मिकता की अलौकिक अनुभूति जगाता है। **ऐतिहासिक महत्व:** मां नयना देवी मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक प्रमुख शक्तिपीठ माना जाता है। मान्यता है कि यहां माता सती के नेत्र (नयन) गिरे थे, जिस कारण इस स्थान का नाम नयना देवी पड़ा। समुद्र तल से लगभग 1200 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह मंदिर सदियों से आस्था का केंद्र रहा है और हर वर्ष लाखों श्रद्धालु यहां माथा टेकने पहुंचते हैं। विशेषकर चैत्र व आश्विन नवरात्र में यहां श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। पंजाब के खन्ना से आए श्रद्धालु रोमी ने बताया कि सजावट के लिए देश के विभिन्न हिस्सों से विशेष फूल मंगवाए गए हैं, जिनमें कोलकाता और विदेशी फूल शामिल हैं, ताकि माता के दरबार को और अधिक भव्य एवं आकर्षक स्वरूप दिया जा सके।

**नवरात्र स्पेशल:** चिंतपूर्णी में श्रद्धालुओं को मिलेंगे सुगम दर्शन, चप्पे-चप्पे पर रहेगी तीसरी आंख की नजर

## 50 लाख के फूलों से महका मां चिंतपूर्णी दरबार, 24 घंटे खुले रहेंगे कपाट

अनंत ज्ञान

**चिंतपूर्णी।** विश्व विख्यात शक्तिपीठ श्री चिंतपूर्णी मंदिर में आज से पावन चैत्र नवरात्र मेले का विधिवत आगाज हो रहा है। मंदिर न्यास और जिला प्रशासन ने श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए सभी पुख्ता प्रबंध पूरे कर लिए हैं।

इस वर्ष मेले का आकर्षण दोगुना है, क्योंकि मंदिर के साथ-साथ मुख्य बाजार को भी दुल्हन की तरह सजाया गया है। आस्था के इस महापर्व पर मां के दरबार की सुंदरता देखते ही बन रही है। दिल्ली के श्रद्धालु प्रवीण क्वात्रा द्वारा निशुल्क सेवा के रूप में करीब 50 लाख रुपए के विदेशी फूलों से पूरे परिसर को महकाया गया है। खास बात यह है कि इस बार लिफ्ट मार्ग, गेट नंबर 1, 2 और 3 के साथ-साथ मुख्य बाजार को भी रंग-बिरंगे फूलों और दूधिया रोशनी (लेड लाइट्स) से जगमगाया गया है। भारी भीड़ की संभावना को देखते हुए मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए 24 घंटे खुले रहेंगे। केवल रात्रि के समय साफ-सफाई के लिए एक घंटे


मां चिंतपूर्णी।

के लिए दर्शन रोके जाएंगे। प्रशासन ने व्यवस्था को सरल बनाने के लिए 'सुगम दर्शन प्रणाली' जारी रखी है। सामान्य पास: 500 प्रति व्यक्ति। बुजुर्ग एवं दिव्यांग: 100 (एक सहायक के साथ)। **सुरक्षा घेरा:** 4 सेक्टर और 300 जवान। मेला अधिकारी एवं एसडीएम अंब पारस अग्रवाल और डीएसपी अंब ने सुरक्षा व्यवस्था का जिम्मा संभाल लिया है। पूरे मेला क्षेत्र को 4 सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक सेक्टर में नायब तहसीलदार स्तर के मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए 300 पुलिस व होमगार्ड जवान मुस्तैद हैं, जबकि हर गतिविधि पर सीसीटीवी कैमरों के जरिए नजर रखी जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यातायात और लंगर व्यवस्था में कड़ाई बरती गई है। **यातायात:** भरवाईं से आगे भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। भीड़ बढ़ने पर रूट की बसों को भी भरवाईं में रोककर ट्रांजिट बस स्टैंड से संचालित किया जाएगा। **लंगर:** लंगर लगाने वाली संस्थाओं के लिए अनुमति अनिवार्य है। इसके लिए 10,000 धरोहर राशि और 10,000 लंगर शुल्क निर्धारित किया गया है। **सुविधाएं:** ओल्ड बस स्टैंड और बाबा श्री माईदास सदन में निशुल्क दवा व पेयजल काउंटर स्थापित किए गए हैं। मेला अधिकारी पारस अग्रवाल और मंदिर अधिकारी संजीव प्रभाकर ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करें और शांतिपूर्ण तरीके से मां के दर्शन कर पुण्य के भागी बनें। माता श्री चिंतपूर्णी मंदिर में चैत्र नवरात्र मेले के दौरान लोगों की सुविधा और सुचारू कानून व्यवस्था के लिए 19 से 27 मार्च तक विशेष व्यवस्था लागू रहेगी। इसे लेकर जिला दंडाधिकारी जतिन लाल ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आदेश जारी किए हैं। जारी आदेश के मुताबिक मेले के दौरान कानून व्यवस्था में तैनात जवानों को छोड़कर किसी भी व्यक्ति द्वारा हथियार लेकर चलने पर पूर्ण पाबंदी रहेगी।

## न्यूज ब्रीफ

### 616 ग्राम चरस के साथ छह युवक गिरफ्तार

**अनंत ज्ञान, घुमारवीं।** नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस थाना घुमारवीं की टीम ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए 616 ग्राम चरस के साथ छह युवकों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई कीरतपुर-नेरचौक फोरलेन पर स्थित बलोह मल्यावर लिंक रोड पर की गई। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम नियमित गश्त पर थी। इसी दौरान पुलिस ने शक के आधार पर दो कारों को जांच के लिए रोका। दोनों वाहनों में कुल छह युवक सवार थे। तलाशी के दौरान एक कार का परिचालक सीट के नीचे रखे एक पाउच से 616 ग्राम चरस बरामद हुई। आरोपियों की पहचान जसवीर निवासी जिला जींद (हरियाणा), छबील ठाकुर निवासी जिला कुल्लू, आयुष निवासी भांबला जिला मंडी, नितिन कुमार निवासी जिला हमीरपुर, प्रदीप निवासी जिला जींद (हरियाणा) व गिरिराज निवासी जिला कुल्लू के रूप में हुई है। घुमारवीं पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले की गहनता से पड़ताल कर रही है, ताकि नशे के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों का भी पता लगाया जा सके। डीएसपी घुमारवीं विशाल वर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि क्षेत्र में नशे के अवैध कारोबार पर सख्ती से अंकुश लगाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा और इसमें संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

### घुमारवीं में स्वास्थ्य सेवाओं को मिला बढ़ावा

**अनंत ज्ञान, घुमारवीं।** क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत सिविल अस्पताल घुमारवीं को अत्याधुनिक एनेस्थीसिया वर्क स्टेशन और लैप्रोस्कोपिक सर्जरी सेट उपलब्ध करवाया। ये दोनों मशीनें नवीनतम तकनीक से लैस हैं, जो मरीजों को सुरक्षित और बेहतर उपचार सुनिश्चित करेंगी। इस पहल का समन्वय बीएमओ और जनरल सर्जन द्वारा किया। नई सुविधाओं के साथ अब अस्पताल में पित्ताशय और स्त्री रोगों की लैप्रोस्कोपिक सर्जरी संभव हो सकेगी। इससे मरीजों को कम दर्द, छोटे चीरे और शीघ्र रिकवरी का लाभ मिलेगा, जिससे क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं में उल्लेखनीय सुधार होगा।

### बिलासपुर परिवर्तन की कहानी डॉक्यूमेंट्री का लोकार्पण

**अनंत ज्ञान, बिलासपुर।** मंत्री राजेश धर्माणी ने बिलासपुर की सांस्कृतिक विरासत और विकास को प्रदर्शित करने वाली डॉक्यूमेंट्री का लोकार्पण किया और जिला प्रशासन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि यह फिल्म युवाओं को अपने इतिहास और जड़ों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। डॉक्यूमेंट्री में बिलासपुर के ऐतिहासिक स्थलों, स्थानीय संस्कृति और सामाजिक विकास को दर्शाया गया है। मंत्री ने उम्मीद जताई कि इससे नई पीढ़ी में अपने शहर के प्रति सम्मान और जागरूकता बढ़ेगी।

### ऋषभ शर्मा मिस्टर व शिवाली बनी मिस फेयरवेल

**अनंत ज्ञान, बिलासपुर।** श्री रामानुज संस्कृत महाविद्यालय, पंजगाई में आयोजित फेयरवेल समारोह में ऋषभ शर्मा को मिस्टर फेयरवेल और शिवाली शर्मा को मिस फेयरवेल के खिताब से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर छात्रों, शिक्षकों और अतिथियों ने समारोह में भाग लिया और विजेताओं को उनके योगदान और व्यक्तित्व के लिए बधाई दी। फेयरवेल ने विद्यार्थियों के साथ यादगार पलों और खुशी का माहौल भी बनाया।

### बिलासपुर कॉलेज की डिजिटल लाइब्रेरी का वर्चुअल उद्घाटन

**अनंत ज्ञान, बिलासपुर।** राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर की डिजिटल लाइब्रेरी, स्टडी सेंटर, वर्चुअल क्लासरूम व आईसीटी इंफ्रास्ट्रक्चर का मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू द्वारा वर्चुअल उद्घाटन किया गया। इस दौरान कॉलेज की लाइब्रेरी को प्रदेश स्तर पर तीसरा स्थान और एक लाख रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई। प्राचार्य डॉ. पीएस.कटवाल ने बताया कि यह उपलब्धि उच्च शिक्षा विभाग व रूसा के तहत आयोजित 'रिफॉर्म्स इन हायर एजुकेशन' कॉन्फ्रेंस के दौरान मिली। महाविद्यालय की डिजिटल लाइब्रेरी आधुनिक सुविधाओं से युक्त है, जिसमें टैब, ऑटोमेशन सिस्टम और ऑनलाइन संसाधनों की सुविधा उपलब्ध है। इस अवसर पर उपप्राचार्य प्रो. प्रेमजीत को मुख्यमंत्री द्वारा सम्मानित किया गया, जबकि उत्कृष्ट कार्य के लिए सहायक लाइब्रेरियन अरविंद्रा चंदेल और रेनू चंदेल को भी सम्मानित किया गया।

### रविवार तक बंद रहेगी सरकारी लैब

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर।** क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर में स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक बनाने की दिशा में अहम कदम उठाया जा रहा है। अस्पताल की सरकारी टेस्ट लैब को नए पब्लिक इंटीग्रेटेड हेल्थ लैब केंद्र में स्थानांतरित किया जा रहा है, जिसके चलते रविवार तक लैब सेवाएं अस्थायी रूप से बंद रहेंगी। प्रशासन के अनुसार, पुरानी लैब की सभी मशीनें नए भवन में शिफ्ट की जा रही हैं। नई लैब में अत्याधुनिक उपकरणों के माध्यम से पैथोलॉजी सहित विभिन्न जांच सेवाएं अधिक सटीक और तेज होंगी। इससे मरीजों को एक ही स्थान पर सभी सुविधाएं मिलेंगी। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एके सिंह ने बताया कि सोमवार से सेवाएं सुचारू रूप से शुरू होंगी और लोगों से सहयोग की अपील की है।

### मनजिंदर का नवोदय विद्यालय में चयन

**अनंत ज्ञान, बद्दूही।** राजकीय प्राथमिक पाठशाला नारी के होनहार छात्र मनजिंदर सिंह पुत्र रसवीर सिंह निवासी गांव नंगल सलांगड़ी का चयन नवोदय विद्यालय के लिए हुआ है। इस उपलब्धि से विद्यालय, परिवार और क्षेत्र में खुशी की लहर है। विद्यालय पहुंचने पर छात्र का अध्यापकों द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर पाठशाला के सेवानिवृत्त केंद्रीय मुख्य शिक्षक व राज्य पुरस्कार से सम्मानित सतेंद्र मिन्हास विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए मनजिंदर सिंह से प्रेरणा लेकर कड़ी मेहनत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान पाठशाला के इंचार्ज अध्यापक अनिल कुमार, दीपक कुमार, सुमन कुमारी सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी उपस्थित रहे।

### ऊना कॉलेज में दो दिवसीय नेशनल सेमिनार आज से

**अनंत ज्ञान, ऊना।** राजकीय महाविद्यालय ऊना में 19 और 20 मार्च 2026 को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इसके मुख्य अतिथि विशाल रघुवंशी होंगे। कॉलेज की प्राचार्या डॉ. मीता शर्मा ने बताया कि यह आयोजन महाविद्यालय के इकोनामिक्स विभाग द्वारा और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई.सी.एस.एस.आर) के सहयोग से किया जा रहा है। संगोष्ठी का उद्देश्य शोध एवं विचार-विमर्श को बढ़ावा देना और शिक्षाविद, शोधार्थियों व विद्यार्थियों को अपने अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान करना है। इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में लगभग 150 प्राध्यापक और शोधार्थी भाग लेंगे, जिनमें हिमाचल प्रदेश के अलावा 9 अन्य राज्यों के प्रतिभागी शामिल होंगे। कॉलेज प्रशासन द्वारा सभी तैयारियां और कमेटियों का गठन पूरा कर लिया गया है।

## जनगणना के आंकड़े सरकार की नीतियों व योजनाओं के निर्धारण की आधारशिला : डीसी

अनंत ज्ञान

**ऊना।** जनगणना देश का सबसे महत्वपूर्ण सांख्यिकीय कार्य है, जिसके आंकड़े विकास योजनाओं की आधारशिला तैयार करते हैं तथा सरकार को जनहित में प्रभावी नीतियां बनाने में सक्षम बनाते हैं।

यह बात डीसी ऊना जतिन लाल ने जनगणना-2027 के सफल संचालन के लिए आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य कर्मचारियों को नवीन तकनीकों, डिजिटल साधनों तथा जनगणना की प्रक्रिया से भली-भांति अवगत करवाना है, ताकि कार्य सुचारू व त्रुटिरहित ढंग से संपन्न हो सके। उन्होंने प्रशिक्षुओं से आह्वान किया कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता, निष्ठा, ईमानदारी और सजगता के साथ करें ताकि फील्ड में प्रत्येक व्यक्ति और परिवार के सही आंकड़े दर्ज हो सके। डीसी ने कहा कि जनगणना केवल एक प्रशासनिक कार्य नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने का अवसर है। उन्होंने सभी अधिकारियों व कर्मचारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने और जनगणना 2027 को सफल बनाने में अपना पूर्ण योगदान देने का आह्वान किया और फील्ड में कार्य करते समय व्यवहार कुशलता के साथ समयबद्ध कार्य निष्पादन पर भी बल दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतिम दिन बुधवार को डिग्री कॉलेज ऊना की कंप्यूटर लैब में प्रैक्टिकल सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र में प्रशिक्षुओं को जनगणना कार्य से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं का व्यावहारिक अभ्यास करवाया गया, जिससे वे धरातल स्तर पर कार्य करने के लिए पूर्णत: सक्षम बन सके। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों ने प्रतिभागियों को मोबाइल ऐप और सेंसस मैनेजमेंट एंड मॉनिटरिंग सिस्टम के उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया।

### हरोली में चल रहे विकास कार्यों का लिया जायजा


डीसी जतिन लाल और अन्य विभागीय अधिकारी हरोली क्षेत्र में विकास कार्यों की प्रगति देखते हुए। अनंत ज्ञान

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना।** हरोली विधानसभा क्षेत्र में विकास परियोजनाओं को गति देने के उद्देश्य से डीस जतिन लाल ने विभिन्न निर्माणाधीन व प्रस्तावित कार्यों का निरीक्षण किया।

उन्होंने रोड़ा में ट्रैफिक पार्क, हरोली कॉलेज, खड्ड क्षेत्र के इंडोर स्टेडियम, जल शक्ति विभाग विश्राम गृह, पंडोगा रोपवे और पंडोगा-त्युड़ी पुल स्थल का दौरा कर प्रगति की समीक्षा की। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित मानकों के अनुसार तय समयसीमा में पूरे किए जाएं। उन्होंने गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता न करने की हिदायत दी। उन्होंने बताया कि ये परियोजनाएं क्षेत्र के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। मुकेश अग्निहोत्री के दिशा-निर्देशों में कार्यों की निरंतर निगरानी की जा रही है, जिससे आमजन को शीघ्र लाभ मिल सके।

## श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, एक की मौत 25 घायल, हरी नगर में हुआ दर्दनाक हादसा

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, ऊना।** जिले के बंगाणा उपमंडल के अंतर्गत हरी नगर में श्रद्धालुओं से भरी एक बस के पलटने से बड़ा हादसा हो गया। इस दर्दनाक दुर्घटना में एक श्रद्धालु की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि करीब 25 लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई व लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पंजाब के जालंधर से श्रद्धालु एक निजी बस में सवार होकर शाहतलाई स्थित धार्मिक स्थल पर माथा टेकने जा रहे थे, जैसे ही बस हरी नगर के समीप पहुंची, अचानक चालक संतुलन खो बैठा व बस अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसा इतना भयावह था कि बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन व पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं। राहत व बचाव कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया गया। इसमें स्थानीय लोगों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग किया। घायलों को बस से बाहर निकालकर एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र थानाकलां और क्षेत्रीय अस्पताल ऊना पहुंचाया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

डीएसपी अजय ठाकुर ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और तत्काल राहत कार्य शुरू करवाया। उन्होंने कहा कि घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद अस्पतालों में भर्ती किया गया है तथा उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है। फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक तौर पर बस के अनियंत्रित होने की बात सामने आई है, हालांकि पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहन जांच कर रही है। मृतक और घायलों की पहचान की प्रक्रिया जारी है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल आधिकारिक जानकारी पर ही भरोसा करें। इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है।

## हीरापुर में जल अर्पण महोत्सव राष्ट्रपति सम्मान पर जताया गर्व

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, बिलासपुर।** बिलासपुर की ग्राम पंचायत हीरापुर में निवर्तमान प्रधान प्रताप ठाकुर की अध्यक्षता में जल अर्पण महोत्सव आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में जल शक्ति विभाग झंडूता के अधिशाषी अभियंता सतीश शर्मा मुख्यातिथि रहे, जबकि अमन ठाकुर और जरनैल विशेषातिथि के रूप में उपस्थित रहे। मंत्रोच्चारण व कलश पूजन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अधिकारियों ने बताया कि यह महोत्सव जल शक्ति मंत्रालय की पहल है, जिसका उद्देश्य 'हर घर जल' योजना को मजबूत करना और जल संरक्षण को बढ़ावा देना है। इस दौरान यह भी बताया गया कि उत्कृष्ट जल सेवाओं के लिए हीरापुर पंचायत को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया गया है। यह सम्मान 11 मार्च को दिल्ली में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। अंत में प्रताप ठाकुर ने सभी का आभार जताते हुए इसे पूरे गांव के लिए गर्व का विषय बताया।


जल अर्पण महोत्सव में मौजूद लोग। अनंत ज्ञान

## शोभित आईटीआई चलोला में 100 से अधिक लोगों ने करवाई स्वास्थ्य जांच



अनंत ज्ञान

**ऊना।** विद्यार्थियों व स्थानीय समुदाय के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए शोभित आईटीआई चलोला में एक विशेष स्वास्थ्य जागरूकता एवं निशुल्क जांच शिविर का आयोजन किया गया।

इस शिविर का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना तथा समय रहते बीमारियों की पहचान सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी ऊना के अध्यक्ष देशराज गौतम ने विशेष रूप से भाग लिया। इस शिविर में आईटीआई के स्टूडेंट्स सहित लगभग 100 लोगों ने भाग लेकर अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। शिविर में सरकारी चिकित्सकों की टीम ने विद्यार्थियों और स्थानीय निवासियों के स्वास्थ्य की विस्तृत जांच की। इस दौरान एक्स-रे, ब्लड टेस्ट सहित सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण किए गए तथा उपस्थित लोगों को आवश्यक चिकित्सीय परामर्श भी प्रदान किया गया। विशेषज्ञों ने संतुलित आहार, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर विशेष बल दिया। देशराज गौतम ने कहा कि स्वास्थ्य शिविर विद्यार्थियों व आमजन के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध होते हैं। उन्होंने भविष्य में भी ऐसे जनकल्याणकारी कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित होने चाहिए ताकि अधिक से अधिक लोग समय पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकें। उन्होंने लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने का आग्रह किया।

### वाहन शोरूम की टीनपोश छत से गिरकर दो प्रशिक्षु घायल

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, ऊना।** जनपद ऊना में इंटर्नशिप के दौरान दो आईटीआई प्रशिक्षु गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस थाना ऊना क्षेत्र के टाटा मोटर्स बहडाला में प्रशिक्षण ले रहे साहिल कुमार (18) निवासी अंब और कुलविंदर (19) निवासी जट्टपुर संतोषगढ़, जिला ऊना वर्कशाप की टीनपोश छत से गिर गए। घटना के तुरंत बाद संस्थान परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारियों ने दोनों को तुरंत क्षेत्रीय अस्पताल ऊना पहुंचाया। घायलों की टांगों में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई है। अस्पताल के एमएस डॉ. संजय मनकोटिया ने बताया कि चिकित्सकों की टीम ने सभी आवश्यक जांचें कर दी हैं और उनका उपचार जारी है। उनकी हालत फिलहाल स्थिर है, लेकिन एहतियातन निगरानी जारी है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। घायलों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। घटना ने इंटर्नशिप कार्यक्रम में सुरक्षा उपायों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

### युवक रहस्यमयी हालात में लापता, परिजन परेशान

**अनंत ज्ञान, अंब।** थाना अंब क्षेत्र के गांव अंदौरा अपर का निवासी मंदीप सिंह उर्फ दीपू, पुत्र सुखदेव सिंह, 16 मार्च की रात लगभग 10 बजे से लापता है। परिवार के अनुसार वह अपने कुछ दोस्तों के साथ अंब-गगरेट रोड पर स्वां नदी के पास बन रहे नए पुल के पास बने अहाते में खाने गया था व वहीं आखिरी बार देखा गया। इसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं मिला। मंदीप जिस मोटरसाइकिल पर गया था, उसे दोस्तों ने घर के कुछ दूरी पर छोड़ दिया था, लेकिन उसकी स्थिति के बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। परिवार इस अचानक लापता होने से गहरे सदमे में है और पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं। उन्होंने आम लोगों से अपील की है कि यदि किसी को मंदीप के बारे में कोई जानकारी मिले, तो तुरंत अंब पुलिस को सूचित करें। डीएसपी अंब अनिल पटियाल ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। तीन टीमें अलग-अलग स्थानों पर तलाश कर रही हैं। मोबाइल नंबर बंद होने के कारण जांच में थोड़ी देरी हो रही है, लेकिन पुलिस आश्वस्त है कि जल्द ही मंदीप को ढूंढ लिया जाएगा। घटना ने क्षेत्र में सुरक्षा और सतर्कता की आवश्यकता पर भी ध्यान खींचा है।

### गुरुकुल स्कूल का परीक्षा परिणाम रहा सौ प्रतिशत

**अनंत ज्ञान, अंब।** गुरुकुल इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल कटोहड़ कलां में नॉन बोर्ड कक्षाओं का वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। परिणाम घोषणा के अवसर पर स्कूल में खुशी और उत्साह का माहौल देखा गया। कक्षा 6 से 9 तक और कक्षा 11 (साइंस व कॉमर्स) में विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा 6 में आशीष, इवाना और उत्कर्ष ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 7 में अपेक्षा, सत्यम और अनिका, कक्षा 8 में आरव शर्मा, कीर्ति ठाकुर और अक्षिता तथा कक्षा 9 में आदित्य वशिष्ठ, प्रथम एवं मितुल ने शीर्ष स्थान हासिल किया। कक्षा 11 में भव्या (साइंस) और पलक (कॉमर्स) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। स्कूल के प्रबंधक निदेशक राजेश गौतम, निदेशक ज्योति गौतम, प्रिंसिपल डायरेक्टर डीपी राय और प्रिंसिपल संतोष कुमारी ने सभी छात्रों को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

### ऊना में घरेलू गैस सप्लाई के लिए रूट चार्ट जारी

**अनंत ज्ञान, ऊना।** जिला दंडाधिकारी जतिन लाल ने हिमाचल प्रदेश खाद्य, नागरिक आपूर्ति व उपभोक्ता मामले विभाग के निर्देशों के पालन में जिले की सभी एलपीजी गैस एजेंसियों के लिए रूट चार्ट जारी किया है। इसका उद्देश्य उपभोक्ताओं को घर-द्वार व फोकल पॉइंट्स पर घरेलू गैस सिलेंडरों की समयबद्ध आपूर्ति सुनिश्चित करना है और किसी भी प्रकार की अफवाह से बचाना है। जतिन लाल ने सभी एजेंसियों को निर्देश दिए हैं कि वे रूट चार्ट का कड़ाई से पालन करें, वाहनों पर पब्लिक अनाउंसमेंट सिस्टम (लाउडस्पीकर) लगाएं, आपूर्ति बाधित होने पर ग्राम पंचायत और खाद्य निरीक्षक को सूचित करें, और उपभोक्ताओं को उचित कैश मेमो प्रदान करें। रूट चार्ट का उल्लंघन करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विभिन्न गैस एजेंसियों जैसे मैसर्ज कमल, बंगाणा, शहीद सुनील, सुगम, हिमाचल प्रदेश स्टेट सिविल सप्लाई, दीपक और भारत गैस सर्विस द्वारा सोमवार से रविवार तक निर्धारित क्षेत्रों में सिलेंडरों की आपूर्ति का विस्तृत कार्यक्रम भी जारी किया। इसमें उपभोक्ताओं को वितरण के दिन और क्षेत्रों की जानकारी दी गई है, जबकि प्रत्येक एजेंसी के रविवार को अवकाश रहेगा। इस कदम से उपभोक्ताओं को गैस आपूर्ति में असुविधा नहीं होगी और पूरे जिले में घरेलू गैस वितरण सुव्यवस्थित तरीके से किया जाएगा।

**आयोजन** नलवाड़ी मेला नाट्य उत्सव : 3. कलाकारों को मिला मंच, संस्कृति को बढ़ावा

## 'द बियर' व 'खाली प्लेट ' का हुआ सफल मंचन

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, बिलासपुर।** राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेले के अवसर पर नाट्य उत्सव का भी आयोजन किया जा रहा है। नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक व औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने गत देर सायं भाषा, कला एवं संस्कृति विभाग सभागार में नाट्य उत्सव का विधिवत शुभारंभ किया।

नाट्य उत्सव के पहले दिन दो नाटकों 'द बियर' और 'खाली ' का सफल मंचन किया गया। 'द बियर' नाटक की प्रस्तुति द बिगिनर्स, शिमला द्वारा की गई, जिसका निर्देशन कपिल देव शर्मा ने किया। इसमें अधिराज शर्मा, कार्तिक शर्मा, अमृतांश, पालक और पायल ने मंच पर अभिनय किया, जबकि रोहित कुमार और सृष्टि ने बैकस्टेज दायित्वों का निर्वहन किया। इसी प्रकार 'खाली पेट' नाटक की प्रस्तुति व्यासपुर रंगमंच, व्यासपुर द्वारा की गई। इस नाटक का लेखन मोहम्मद इनामुल्ला ने किया है, जबकि विनोद शर्मा व शिवांगी रघु ने अभिनय प्रस्तुत किया। नाट्य उत्सव के दूसरे दिन भी दो नाटकों का मंचन किया जाएगा, जिनमें 'एक लड़की पांच दीवाने' तथा 'जहर' शामिल हैं।

इस अवसर पर तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा कि राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेले के दौरान नाट्य उत्सव जैसे कार्यक्रमों के आयोजन से जहां कला और संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन को बल मिलता है, वहीं कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक उत्कृष्ट मंच भी प्राप्त होता है। डीसी एवं राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष राहुल कुमार ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। मंच संचालक अरुण डोगरा रीतू और डॉ. शालिनी शर्मा ने किया। इस अवसर पर मंत्री की धर्मपत्नी सोनिका धर्माणी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।


दीप प्रज्वलित कर उत्सव की शुरुआत करते मुख्यातिथि। अनंत ज्ञान

### लुहणु घाट में सतलुज महाआरती का आयोजन

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, बिलासपुर।** राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेले के पावन अवसर पर लुहणु घाट में आयोजित सतलुज महा आरती में नगर व ग्राम नियोजन, आवास, तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक व औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री राजेश धर्माणी ने शिरकत कर विधिवत पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर उन्होंने जिला व प्रदेश वासियों की सुख-शांति, समृद्धि व खुशहाली की कामना की। सतलुज तट पर आयोजित इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति रही, जिससे पूरा वातावरण भक्ति और आस्था से ओत-प्रोत हो गया। इस दौरान राज्य स्तरीय नलवाड़ी मेला के अध्यक्ष एवं उपायुक्त राहुल कुमार ने मंत्री राजेश धर्माणी को स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के माध्यम से क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक परंपरा को सुदृढ़ करने के साथ-साथ प्रकृति को सहेजने के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने की एक अनूठी पहल के साथ यह आयोजन किया गया।

# कुल्लू व लाहौल-स्पीति में बारिश-बर्फबारी का क्रम जारी

अनंत ज्ञान

**कमलेश वर्मा, कुल्लू/केलांग।** कुल्लू व लाहौल-स्पीति जिले में एक बार फिर बारिश-बर्फबारी का सिलसिला शुरू हो गया है। दोनों जिलों के सभी ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी बर्फबारी हो रही है, जबकि लाहौल-स्पीति के निचले क्षेत्रों में बर्फबारी जारी है। कुल्लू जिला निचले क्षेत्रों में जहां बुधवार दिनभर धूप खिली रही वहीं, शाम के समय से बारिश का दौर शुरू हो गया है। वहीं, बारिश व बर्फबारी से दोनों जिलों में एक बार फिर से प्रचंड ठंड बढ़ गई है और कुल्लू में जहां लोग गर्मी के चलते गर्म कपड़े समेटने लगे थे वहीं एक बार फिर से तंदूर, हीटर जल गए हैं।

उधर, पर्यटन नगरी मनाली में बर्फबारी के बाद से पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। बुधवार को फोर बाई फोर वाहनों के लिए सोलंगनाला बहाल रहा और सामान्य वाहनों को नाग मंदिर तक जाने की अनुमति दी गई थी। पर्यटकों ने बुधवार को सोलंगनाला में बर्फ के बीच खूब मस्ती की। होटलियर एसोसिएशन के अध्यक्ष रोशन ठाकुर ने बताया कि ताजा बर्फबारी के बाद मनाली में पर्यटकों की चहल कदमी बढ़ गई है। उन्होंने उम्मीद जताते हुए कहा कि आने वाले दिनों में पर्यटकों की आमद और बढ़ेगी। उधर, कुल्लू व लाहौल-स्पीति जिला में लगातार हो रही बारिश बर्फबारी से जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। कई सड़कें बाधित हैं जबकि डीटीआर प्रभावित होने से कई गांव भी अंधेरे में डूब गए हैं। उधर, डीसी कुल्लू अनुराग चंद्र शर्मा व डीसी लाहुल स्पीति किरण भड़ाना ने पर्यटकों व स्थानीय लोगों से जिला प्रशासन की ओर से जारी एडवाइजरी की पालना करने की अपील की है।

ऊंचाई वाले क्षेत्रों में हो रही बर्फबारी। अनंत ज्ञान

## बर्फबारी से बागवानों के खिले चेहरे

**एम बोकटापा, मनाली।** हिमाचल प्रदेश के पर्यटन नगरी मनाली व आसपास के इलाकों में हुई ताजा बर्फबारी से यहां के पर्यटन कारोबारी और स्थानीय लोग काफी खुश हैं। यह बर्फबारी उनके कारोबार और फसलों के लिए संजीवनी बनकर आई है। इस बर्फबारी से मनाली के तापमान में भारी गिरावट देखने को मिली है। वहीं, बुधवार को फिर बारिश का क्रम शुरू हो गया है। मौसम के बदले मिजाज को देखकर ऐसा लग रहा है मानो यहां पर अभी गर्मियों की नहीं, बल्कि सर्दियों की शुरुआत हुई है। मार्च महीने में हुई यह बर्फबारी यहां के पाकृतिक जलस्त्रोतों और गलेशियरों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है। स्थानीय निवासी फतेह चंद का कहना है कि वह बर्फबारी का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। क्योंकि इस वर्ष काफी कम मात्रा में बर्फबारी हुई है, ऐसे में बीते दिन हुई यह बर्फबारी उनके लिए काफी फायदेमंद है। उनका कहना है कि इस बर्फबारी के बाद मिट्टी में भी नमी आ गई है और अब लोग खेतीबाड़ी संबंधी काम में जुट गए हैं। मनाली होटलियर एसोसिएशन के अध्यक्ष रोशन ठाकुर और पर्यटन कारोबारी चमन कपूर का कहना है कि यह बर्फबारी मनाली के पर्यटन कारोबार के लिए अति महत्वपूर्ण है। उनका कहना है कि इस बर्फबारी का फायदा आगामी गर्मियों के पर्यटन सीजन में भी मिलेगा। उनका कहना है कि मनाली एक अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल है और ऐसे में यहां पर सैलानी हर साल भारी संख्या में बर्फ के दीदार के लिए पहुंचते हैं। किंतु इस वर्ष सर्दियों के दिनों में यहां पर काफी कम बर्फबारी हुई थी ऐसे में सभी को अपने कारोबार की चिंता भी सताने लगी थी। उनका कहना है कि मार्च के महीने में हुई यह बर्फबारी उनके पर्यटन कारोबार के लिए संजीवनी बनकर आई है। वहीं, मनाली टैक्सी यूनियन के अध्यक्ष राजा ठाकुर का कहना है कि घाटी में मार्च के महीने में हुई यह बर्फबारी का लाभ आगामी गर्मियों के पर्यटन सीजन में मिलेगा। उनका कहना है कि जितनी ज्यादा बर्फबारी आजकल के दिनों में होगी वह उनके कारोबार के लिए उतनी फायदेमंद साबित होगी। उनका कहना है कि इस बर्फबारी से जो पर्यटक यहां पर घूमने के लिए आए हैं। वह भी यहां पर बर्फ देखकर काफी खुश हैं।

# हुड़दंगी पर्यटकों पर पुलिस ने कसा शिकंजा, काटा 3500 का चालान

अनंत ज्ञान

**मनाली।** पर्यटन नगरी मनाली में अक्सर कुछ पर्यटक हुड़दंग मचाकर माहौल खराब करते हैं। ऐसा ही एक मामला माल रोड स्थित आईबेक्स चौक पर देर रात पेश आया। हुड़दंग मचाने वाले पर्यटकों के खिलाफ पुलिस ने सख्त कार्रवाई की गई है। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश से आए कुछ पर्यटकों ने अपनी गाड़ी में जोर-जोर से साउंड सिस्टम बजाकर सार्वजनिक शांति भंग की, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ है।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन को चिन्हित किया और भारी भरकम चालान काट कर अनुशासन का कड़ा संदेश दिया। जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात उत्तर प्रदेश नंबर की एक गाड़ी में सवार कुछ युवक आईबेक्स चौक के पास सड़क किनारे वाहन खड़ा कर ऊंची आवाज में संगीत बजा रहे थे और शोर-शराबा कर रहे थे। इस घटना का वीडियो किसी ने इंटरनेट मीडिया पर साझा कर दिया, जो देखते ही देखते वायरल हो गया। वीडियो सामने आते ही पुलिस हरकत में आई और यातायात नियमों की अवहेलना करने पर पर्यटकों का 3500 रुपए का चालान काट दिया। डीएसपी मनाली केडी शर्मा ने इस कार्रवाई को सड़क सुरक्षा और सार्वजनिक अनुशासन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बताया है।

पुलिस का स्पष्ट कहना है कि पर्यटन स्थलों पर हुड़दंग और स्थानीय शांति को भंग करने वाले कृत्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मनाली डीएसपी केडी ने कहा, 'यातायात नियमों और सार्वजनिक अनुशासन की अनदेखी किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। हम पर्यटकों का स्वागत करते हैं, लेकिन उनसे अपील है कि वे देवभूमि की मर्यादा और सुरक्षा नियमों का सम्मान करें।

# कुल्लू को पर्यटन हब बनाने की दिशा में किया जाए कार्य

## ब्राह्मण जन कल्याण सभा ने डीसी से की शिष्टाचार भेंट, विकास को लेकर जताई उम्मीद

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, कुल्लू।** देवभूमि कुल्लू को पर्यटन हब व धार्मिक पर्यटन को नई दिशा देने की मांग तेज हो गई है।

इसी कड़ी में ब्राह्मण जन कल्याण सभा के एक प्रतिनिधिमंडल ने डीसी अनुराग चंद्र शर्मा से शिष्टाचार भेंट कर जिले में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की अपील की। यह प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष मनमोहन गौतम की अगुवाई में डीसी कार्यालय पहुंचा। इस अवसर पर मनमोहन गौतम ने कहा कि कुल्लू जिला देवी-देवताओं की भूमि के रूप में देशभर में प्रसिद्ध है, लेकिन यहां कई ऐसे धार्मिक व प्राकृतिक स्थल हैं, जो अभी भी पर्यटन के मानचित्र पर पूरी तरह से नहीं आ पाए हैं। उन्होंने कहा कि इन अनछुए स्थलों को विकसित कर पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनाया जा सकता है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जिले में एक युवा और ऊर्जावान उपायुक्त के आने से विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। मनमोहन गौतम ने कहा कि यदि प्रशासन इस दिशा में ठोस कदम उठाता है, तो इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। सभा ने यह भी सुझाव दिया कि पर्यटन के विकास से मनाली जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों पर बढ़ रहे पर्यटकों के दबाव को भी कम किया जा सकता है। पर्यटक जिले के अन्य धार्मिक और प्राकृतिक स्थलों की ओर भी आकर्षित होंगे, जिससे पर्यटन का संतुलित विकास संभव होगा।

डीसी से भेंट करता सभा का प्रतिनिधिमंडल। अनंत ज्ञान

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि उनके पास धार्मिक पर्यटन को विकसित करने के लिए एक विस्तृत खाका तैयार है, जिसे प्रशासन के साथ साझा किया जा सकता है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि इस योजना पर गंभीरता से विचार कर इसे धरातल पर उतारा जाए, ताकि देवभूमि कुल्लू की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को और सशक्त बनाया जा सके।

# गश्त के दौरान बड़ी कामयाबी, 962 ग्राम चरस के साथ जयपुर के 3 युवक गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, कुल्लू।** जिला कुल्लू के अंतर्गत मणिकर्ण क्षेत्र में पुलिस ने नशा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 962 ग्राम चरस (कैनाबिस) बरामद की है।

यह सफलता जरी पुलिस चौकी की टीम को डुंखरा चौक पर लगाए गए विशेष नाके के दौरान मिली। जानकारी के अनुसार, पुलिस टीम ने नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध वाहन (आरजे60-सीएच 2951) को जांच के लिए रोका। तलाशी के दौरान गाड़ी में सवार जयपुर (राजस्थान) के तीन युवकों के कब्जे से कुल 962 ग्राम चरस बरामद की गई। इस मामले में पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना मणिकर्ण में तीनों आरोपियों के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम की धारा 20 व 29 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि बरामद नशा कहां से लाया गया था व इसे किस नेटवर्क के माध्यम से सप्लाई किया जा रहा था। आरोपियों की पहचान उदित शर्मा (26), कुशल अवस्थी (22) व ऋत्विक के रूप में हुई है। उधर, एसपी कुल्लू ने बताया कि इस कार्रवाई को नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अंजाम दिया गया है। मामले में गहन जांच जारी है व जल्द ही पूरे नेटवर्क का खुलासा होने की संभावना जताई जा रही है। इस कार्रवाई से क्षेत्र में नशा तस्करों के खिलाफ कड़ा संदेश गया है कि पुलिस अवैध गतिविधियों के खिलाफ पूरी तरह सतर्क और सक्रिय है।

## विश्व धरोहर की राह पर सतपुड़ा, तीर्थन घाटी में बना रणनीति का खाका

# यूनेस्को नामांकन को लेकर हुई उच्चस्तरीय चर्चा

अनंत ज्ञान

**तीर्थन।** जिला कुल्लू की तीर्थन घाटी में एक परामर्श बैठक का आयोजन किया गया।

इसमें सतपुड़ा टाइगर रिजर्व को यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल करने की प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। यह बैठक देहरादून स्थित वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित की गई थी।इस बैठक में मध्य प्रदेश वन विभाग और मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड के अधिकारियों ने ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क के अधिकारियों के साथ मिलकर नामांकन प्रक्रिया की समीक्षा की। साथ ही, विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त करने के लिए आवश्यक रणनीतियों और तैयारियों पर विचार-विमर्श किया गया।बैठक के दौरान ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क प्रशासन ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किस प्रकार मजबूत संरक्षण व्यवस्था, वैज्ञानिक दस्तावेजीकरण और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी इस उपलब्धि को हासिल करने में अहम साबित होती है।पार्क के निदेशक संदीप शर्मा और डीएफओ सचिन शर्मा ने विस्तार से जानकारी देते हुए मध्य प्रदेश की टीम को कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उन्होंने बताया कि विश्व धरोहर का दर्जा प्राप्त करने के लिए प्राकृतिक संपदा का संरक्षण, स्पष्ट दस्तावेज और सतत पर्यटन मॉडल बेहद जरूरी होते हैं।बैठक में एल. कृष्णमूर्ति, राखी नंदा, प्रशांत सिंह बघेल, दिलीप कुमार यादव सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। इसके अलावा वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के डॉ. भूमेश सिंह भदौरिया, डॉ. गौतम तालुकदार और उनकी टीम ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई।तीर्थन घाटी में यह यह कार्यक्रम एक पारंपरिक काठकुनी शैली में बने बुटीक स्टे 'सनशाइन हिमालयन कॉटेज' में आयजित किया गया। प्रतिभागियों ने यहां की पारंपरिक वास्तुकला की सराहना की और जालोरी दर्रे में हुई ताज़ा बर्फबारी का आनंद भी लिया।दौरे के दौरान टीम ने तीर्थन घाटी में बर्ड वाचिंग, फिशिंग और स्थानीय ट्राउट मछली फार्म का निरीक्षण किया और क्षेत्र में चल रही सामुदायिक आधारित ईको-टूरिज्म पहलों को करीब से समझा। इस अवसर पर ईकोटूरिज्म विशेषज्ञ अंकित सूद ने भी अपने सुझाव साझा किए।कार्यक्रम के अंत में प्रतिभागियों ने हिमाचली संस्कृति का अनुभव करते हुए पारंपरिक नाटी नृत्य और धाम का आनंद लिया।

## न्यूज ब्रीफ

### पीएनबी आरसेटी ने प्रशिक्षित किए 24 प्रतिभागी

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू।** पंजाब नेशनल बैंक द्वारा संचालित ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (पीएनबी आरसेटी) में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन व उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में खादी व ग्रामोद्योग बोर्ड कुल्लू व लाहौल-स्पीति, जिला उद्योग केंद्र कुल्लू तथा खादी व ग्रामोद्योग आयोग शिमला से 24 प्रशिक्षु उद्यमियों को प्रशिक्षण के लिए प्रायोजित किया गया। 10 दिनों तक चले प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को सफल उद्यमी बनने के लिए आवश्यक कौशल, आत्मविश्वास, अवसरों की पहचान, गुणवत्ता प्रबंधन व संवाद कौशल की जानकारी दी गई। समापन अवसर पर विकास अधिकारी विवेक शर्मा मुख्यातिथि रहे। उन्होंने स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी देते हुए युवाओं को सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। अंत में प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

### नशे के बढ़ते प्रभाव पर चिंता जताई

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू।** डीसी अनुराग चंद्र शर्मा ने बुधवार को स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं, कार्यक्रमों व अभियानों की विस्तृत समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने समय-समय पर योजनाओं की प्रगति की समग्र समीक्षा करने पर जोर देते हुए नशीले पदार्थों के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त की ओर व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नशे के कारण एचआईवी/एड्स जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है, इसलिए युवाओं में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। बैठक में अधिकारियों ने टीबी मुक्त भारत अभियान, चिट्टा मुक्त हिमाचल, राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, टीकाकरण अभियान व आयुष्मान भारत जैसी योजनाओं की जानकारी दी। डॉ. श्रुति ने बताया कि वर्ष 2024-25 में टीबी रोगियों की संख्या में कमी आई है। वहीं, डॉ. सत्यव्रत वैद्य ने नशा मुक्ति व पुनर्वास सेवाओं पर प्रकाश डाला। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रंजीत ने बताया कि तेगुबेहड़ में 16 करोड़ रुपए की लागत से क्रिटिकल केयर यूनिट स्थापित की जा रही है। बैठक में एडीसी अश्वनी कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# भाजपाई पहले सांसद से पूछें सवाल, फिर विधायक पर उठाएं अंगुली : प्रवीण ठाकुर

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, कुल्लू।** युवा कांग्रेस पदाधिकारी एवं पूर्व बीडीसी सदस्य प्रवीण ठाकुर ने विधायक सुंदर सिंह ठाकुर पर आरोप लगाने वाले भाजपा नेताओं पर कड़ा पलटवार किया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के कुछ नेता बिना तथ्यों के विधायक पर अनाप-शनाप बयानबाजी कर रहे हैं, जो पूरी तरह अनुचित है। प्रवीण ने कहा कि विधायक सुंदर सिंह ठाकुर ने मणिकर्ण घाटी में विकास कार्यों को प्राथमिकता दी है और क्षेत्र में सड़कों, पेयजल, बिजली सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं को सुदृढ़ करने के लिए लगातार प्रयास किए हैं। इसके बावजूद भाजपा के नेता राजनीतिक द्वेष के चलते उनकी छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि विधायक पर सवाल उठाने से पहले उन्हें मंडी लोकसभा क्षेत्र की सांसद कंगना रणौत से जवाब मांगना चाहिए। प्रवीण ने सवाल किया कि आपदा से प्रभावित मणिकर्ण घाटी के लिए सांसद ने अब तक क्या ठोस कदम उठाए हैं और कितनी आर्थिक सहायता उपलब्ध करवाई है। प्रवीण ने कहा कि आपदा के समय जनप्रतिनिधियों का दायित्व होता है कि वे प्रभावित लोगों के साथ खड़े होकर राहत एवं पुनर्वास कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि सांसद इस दिशा में अपेक्षित योगदान देने में विफल रही हैं, जबकि क्षेत्र की जनता को उनकी ओर से काफी उम्मीदें थीं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता जनता के मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए अनावश्यक बयानबाजी कर रहे हैं। अगर भाजपा वास्तव में क्षेत्र के विकास के प्रति गंभीर है, तो उसे सकारात्मक राजनीति करते हुए जनहित के कार्यों पर ध्यान देना चाहिए। अंत में प्रवीण ने कहा कि मणिकर्ण घाटी के लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करने दिया जाएगा और विकास कार्यों को निरंतर गति दी जाएगी।

## राजनीतिक दबाव के चलते विभाग को भेजा जा रहा पंचायत फंड

# डीसी से मिले जनप्रतिनिधि, जताया कड़ा विरोध

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, कुल्लू।** 15वें वित्त आयोग के टाइड फंड को जल शक्ति विभाग के लिए स्थानांतरित करने को लेकर जनप्रतिनिधि विफर गए हैं। बुधवार को निवर्तमान जिला परिषद सदस्य रेखा गुलेरिया की अध्यक्षता में जनप्रतिनिधि उपायुक्त कुल्लू से मिले और इसका कड़ा विरोध जताया।

उन्होंने कहा कि यह फंड राजनीतिक दबाव के चलते विभाग को भेजा जा रहा है, जबकि इस फंड के माध्यम से पंचायतें अपने स्तर पर विकास कार्य करती है, लेकिन जब से पंचायत में प्रशासक लगे हैं उसके बाद से यह फंड डाइवर्ट करने का काम शुरू किया गया है, जो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर यह प्रक्रिया नहीं रोकी गई तो जनप्रतिनिधि विभाग का घेराव करेंगे। इस मौके पर निवर्तमान जिला परिषद सदस्य रेखा गुलेरिया ने कहा कि 15वें वित्त आयोग की राशि पर सुक्खू सरकार ने डाका डाला है। पंचायतों से टाइड फंड वापस लेकर केंद्र सरकार द्वारा भेजी गई राशि को जल शक्ति विभाग में स्थानांतरित करना बेहद शर्मनाक है। उन्होंने कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर पर आरोप लगाते हुए कहा कि विधायक को इस समस्या से कोई लेना देना नहीं है उनको बस एक ही बात दिखती है रोपवे। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर पूरा कुल्लू विधानसभा क्षेत्र ठप है। उन्होंने कहा कि दशहरा उत्सव में लड़ाइयां हो रही हैं, अस्पताल की स्थिति खराब है। आपदा में पूरा विधानसभा क्षेत्र प्रभावित हुआ है, सड़कों की हालत खस्ता है, स्कूल जर्जर हैं उनकी ओर विधायक ध्यान नहीं दे रहे और और कार्यों में मस्त हैं। उन्होंने कहा कि हम विधायक से यह जानना चाहते हैं कि इसके पीछे उनकी मंशा क्या है। वहीं, चौपाड़सा पंचायत की पूर्व प्रधान बिमला ठाकुर ने कहा कि कुल्लू विधानसभा क्षेत्र में हालात खराब हैं। आपदा को इतना समय बीत गया लेकिन अभी तक सड़कों की हालत नहीं सुधरी। उन्होंने कहा कि लगघाटी में चार पांच रूटों पर अभी तक बसें नहीं चल रहीं हैं जिस कारण लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कुल्लू के विधायक सुंदर सिंह ठाकुर से आग्रह किया है कि संबंधित विभाग को शीघ्र ही इन सड़कों की हालत सुधारने और यातायात के लिए लोगों की सुविधा हेतु कोई उचित प्रबंध करने के निर्देश दिए जाएं, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

डीसी को समस्या संबंधी ज्ञापन सौंपता जनप्रतिनिधिमंडल। अनंत ज्ञान

# नुक्कड़ नाटक से बाल विवाह के दुष्प्रभावों को दर्शाया

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू।** जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कुल्लू द्वारा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रायसन (कुल्लू) में बाल विवाह एवं बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के बारे जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। जागरूकता कार्यक्रम कार्यक्रम में कक्षा 9वीं एवं 10वीं के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विषय पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर बाल विवाह के दुष्प्रभावों को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, कुल्लू की सचिव आभा चौहान ने विद्यार्थियों को बाल विवाह के कारणों, इसके दुष्परिणामों तथा संबंधित कानूनी प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने विद्यार्थियों को इस कुरीति के खिलाफ जागरूक रहने और समाज में इसके उन्मूलन के लिए आगे आने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य हंसराज आचार्य सहित अन्य शिक्षकगण भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और उन्होंने भी विद्यार्थियों को इस विषय पर जागरूक किया।

**आयोजन** केलांग अस्पताल की रोगी कल्याण समिति की बैठक उपायुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित हुई

# अस्पताल संपर्क सड़क मार्ग को चौड़ा व जल्द ठीक करे विभाग: डीसी

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, केलांग।** क्षेत्रीय अस्पताल केलांग की रोगी कल्याण समिति की बैठक उपायुक्त कार्यालय सभागार में आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता उपायुक्त एवं समिति अध्यक्षा किरण भड़ाना ने की। बैठक में अस्पताल की चिकित्सा सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता, भवन मरम्मत, स्वच्छता और रोगियों की मूलभूत जरूरतों पर विस्तार से चर्चा की गई।

उपायुक्त ने निर्देश दिए कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को बेहतर उपचार और सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि रोगी कल्याण समिति का उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही और सेवा गुणवत्ता को बढ़ाना है। उन्होंने लोक निर्माण विभाग को अस्पताल के संपर्क मार्ग के सुधार और लिफ्ट से जुड़े सिविल कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए तथा अगली बैठक में इलेक्ट्रिक विंग के अधिकारियों को शामिल करने को कहा। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा अस्पताल में बाल रोग, नेत्र रोग, अल्ट्रासाउंड और एनेस्थीसिया विशेषज्ञों की तैनाती की गई है, जिससे स्थानीय लोगों को घर के नजदीक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। वित्तीय जानकारी देते हुए बताया गया कि चालू वित्त वर्ष में समिति द्वारा 24.34 लाख रुपए खर्च किए गए, जबकि वर्ष 2026-27 के लिए 47.36 लाख रुपए का बजट स्वीकृत किया गया। वर्ष 2025-26 में 22 लाख से अधिक आय अर्जित हुई और आगामी वर्ष में लगभग 36.80 लाख आय का अनुमान है। अप्रैल 2025 से फरवरी 2026 तक अस्पताल में 12,895 मरीजों को उपचार दिया गया। उपायुक्त ने निर्देश दिए कि समिति की बैठक वर्ष में दो बार आयोजित की जाए ताकि विकास कार्य समय पर पूरे हो सकें। बैठक में बीना देवी, सोनम जांगपों सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान अधिकारियों से चर्चा करती डीसी। अनंत ज्ञान

## अनावश्यक एलपीजी सिलेंडर बुकिंग व जमाखोरी से बचने के लिए करेंगे जागरूक : किरण भड़ाना

**अनंत ज्ञान ब्यूरो, केलांग।** डीसी एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण अध्यक्ष लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना ने जिले में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों के सुव्यवस्थित व न्यायसंगत वितरण को सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यालय आदेश जारी किया है।

यह आदेश हिमाचल प्रदेश सरकार के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में वर्तमान आपूर्ति सीमाओं को ध्यान में रखते हुए लागू किया गया है, ताकि आवश्यक सेवाओं की निरंतरता बनी रहे, जमाखोरी पर रोक लगे तथा संसाधनों का समान वितरण सुनिश्चित किया जा सके। जारी आदेश के अनुसार वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडरों का वितरण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। प्रथम प्राथमिकता के अंतर्गत शैक्षणिक संस्थानों व अस्पतालों को उनकी आवश्यकता के अनुसार अधिकतम 100 प्रतिशत तक आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी, जिसके लिए कुल आवंटन का 37 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। द्वितीय प्राथमिकता में होटल, रेस्टोरेंट एवं ढाबों को 36 प्रतिशत आवंटन किया गया है। तृतीय, चतुर्थ व पंचम प्राथमिकता श्रेणियों में क्रमशः सामाजिक आयोजन/कार्यक्रम, औषधि उद्योग तथा सरकारी/सार्वजनिक उपक्रम/कॉर्पोरेट एवं औद्योगिक इकाइयों, अतिथि गृहों व कैंटीनों को प्रत्येक को 9-9 प्रतिशत आपूर्ति निर्धारित की गई है। वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति औसत दैनिक खपत के अधिकतम 20 प्रतिशत तक सीमित रहेगी। वितरण केवल 19 किलोग्राम, 47.5 किलोग्राम एवं 425 किलोग्राम श्रेणी के सिलेंडरों में ही किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जमाखोरी की रोकथाम के लिए उपभोक्ताओं को उनके पिछले तीन माह के औसत उपभोग के आधार पर ही सिलेंडर उपलब्ध कराए जाएंगे।

# मनाली कांग्रेस ने राजकिशन गौड़ की 16वीं पुण्यतिथि मनाई

**अनंत ज्ञान, पतलीकूहल/मनाली।** पूर्व मंत्री स्वर्गीय राजकिशन गौड़ की 16वीं पुण्यतिथि के अवसर पर मनाली कांग्रेस द्वारा कटराईं रेस्ट हाउस में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित नेताओं व कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके सामाजिक व राजनीतिक योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर जिला परिषद के निवर्तमान अध्यक्ष बीर सिंह ठाकुर सहित सुनील, आलमी देवी, दुर्गा, सुनील, विक्की, राजकुमार, डोला, शंभू, गंगा ठाकुर, बाबा, गोकल सहगल, पुष्पा, अनिल और चमन ठाकुर सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय गौड़ के बताए मार्ग पर चलने और जनसेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय राजकिशन गौड़ को एक ईमानदार और सादगीपूर्ण नेता के रूप में जाना जाता था।

# क्रॉस कंट्री कार रैली में शुभम ने झटका चौथा स्थान, बढ़ाया मान

अनंत ज्ञान

**ब्यूरो, कुल्लू।** हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के युवा प्रतिभा शुभम ने क्रॉस कंट्री कार रैली में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथा स्थान हासिल कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है।

यह रोमांचक रैली चंडीगढ़ में आयोजित की गई, जिसमें देशभर से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। करीब 500 किलोमीटर लंबी इस चुनौतीपूर्ण रैली का रूट चंडीगढ़ से शुरू होकर पंजाब और ऊना होते हुए पुनः चंडीगढ़ तक तय किया गया। कठिन मार्ग, बदलते मौसम और प्रतिस्पर्धा के दबाव के बावजूद शुभम ने धैर्य व कौशल का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए टॉप-5 में अपनी जगह बनाई। शुभम ने बताया कि इस प्रतियोगिता में देशभर से 30 से अधिक कार प्रतिभागियों ने भाग लिया, जबकि टू-व्हीलर श्रेणी में भी 25 से 30 प्रतिभागी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि मुकाबला बेहद कड़ा था, लेकिन लगातार फोकस व मेहनत के दम पर वे यह उपलब्धि हासिल करने में सफल रहे।

उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने परिवार, मित्रों व समर्थकों को दिया, जिनके सहयोग व उत्साहवर्धन ने उन्हें इस मुकाम तक पहुंचने में मदद की। शुभम की इस उपलब्धि पर कुल्लू क्षेत्र में खुशी की लहर है व स्थानीय लोगों ने इसे युवाओं के लिए प्रेरणादायक बताया है। यह सफलता न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि क्षेत्र के अन्य युवाओं को भी खेलों और साहसिक गतिविधियों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी।

# हिंदू नववर्ष और चैत्र नवरात्र के लिए सज गया माता शूलिनी का दरबार

## सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम, आज से उमड़ेगा श्रद्धालुओं का हुजूम, नौ स्वरूपों का होगा गुणगान

शूलिनी माता मंदिर।

अनंत ज्ञान

**सोलन।** हिंदू नववर्ष और चैत्र नवरात्रि का पर्व आस्था, भक्ति और शक्ति की उपासना का सबसे पवित्र समय माना जाता है। मान्यता है कि नवरात्रि के इन नौ दिनों में मां दुर्गा पृथ्वी पर अपने भक्तों के बीच आती हैं और उनकी सच्ची श्रद्धा से की गई प्रार्थनाओं को स्वीकार करती हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र नवरात्रि की शुरुआत 19 मार्च गुरुवार से होगी और इसका समापन 27 मार्च शुक्रवार को होगा। पूरे नौ दिनों तक चलने वाले इस पर्व में मां दुर्गा के नौ अलग-अलग स्वरूपों की पूजा की जाती है। हर दिन देवी के एक विशेष रूप को समर्पित होता है और उसी के अनुसार भक्त पूजा-अर्चना करते हैं। इन दिनों श्रद्धालु व्रत रखते हैं, मां दुर्गा की आरती करते हैं और घरों में कलश स्थापना कर देवी का आह्वान करते हैं। चैत्र नवरात्रि नवरात्रि के अवसर पर सोलन की अधिष्ठात्री देवी मां शूलिनी के दरबार को भव्य रूप से सजाया गया है।

भगवती मां दुर्गा के नवरात्रि को लेकर भक्तजनों में खासा उत्साह देखने को मिलता है। इस बार भी हमेशा की तरह भक्तों की भारी भीड़ उमड़ने की उम्मीद है। प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं, ताकि त्योहार शांतिपूर्ण और सुरक्षित तरीके से मनाया जा सके। नवरात्रि के नौ दिन तक मां के जयकारों और पूजा-पाठ से शूलिनी मंदिर के दरबार में भरपूर रौनक रहने वाली है। इस बार हजारों को संख्या में श्रद्धालु देवी दर्शन को पहुंचने की सम्भावना है। नवरात्री को लेकर शूलिनी मंदिर दुल्हन की तरह सजाया गया है। श्रद्धालुओं को माता के दर्शन में करने में आसानी हो इसके लिए मंदिर के द्वार पर होमगार्ड के जवान तैनात रहेंगे ।बता दें कि शूलिनी देवी सोलन सहित आसपास के क्षेत्र की कुलदेवी हैं। मंदिर के पुजारी का कहना है कि इस बार बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन को पहुंच सकते हैं। विशेष धार्मिक उत्सव मंडल एवं नव दुर्गा संकीर्तन मंडल द्वारा माता के नौ स्वरूपों का गुणगान किया जाएगा। इसी तरह शहर के अन्य देवी मंदिरों को भी नवरात्री पर्व को लेकर विशेष रूप से सजाया गया है।

### मां शूलिनी बघाट रियासत की कुलदेवी

**मंदिर** के पुजारी नरेश शर्मा ने बताया कि मां शूलिनी बघाट रियासत के शासकों की कुल श्रेष्ठा देवी मानी जाती हैं। मंदिर में माता शूलिनी के अतिरिक्त शिरगुल देवता, माली देवता इत्यादि की प्रतिमाएं मौजूद हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार माता शूलिनी 7 बहनों में से एक हैं। अन्य बहनें हिंगलाज देवी, जेठी ज्वाला जी, लुगासना देवी, नैना देवी और तारा देवी के नाम से विख्यात हैं। माता शूलिनी देवी के नाम से सोलन शहर का नामकरण हुआ था जबकि मां शूलिनी की अपार कृपा से दिन-प्रतिदिन समृद्धि की ओर अग्रसर हो रहा है।

*गर्भगृह में विराजमान माता शूलिनी देवी और अन्य देवी देवता।*

**सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम:** डीसी डीसी सोलन मनमोहन शर्मा ने बताया कि नवरात्री के दौरान मंदिर के आसपास और मुख्य द्वार पर पुलिस बल, होमगार्ड, स्वयंसेवकों की तैनाती रहेगी। श्रद्धालुओं के प्रवेश और निकलने के मार्ग निर्धारित होते हैं। सीसीटीवी से भी शरारती तत्वों पर नजर रखी जाएगी।

## न्यूज ब्रीफ

### अर्की नगर में कल धूमधाम से होगा सनातन नववर्ष का स्वागत

**अनंत ज्ञान, अर्की।** हिंदू जागृति मंच अर्की द्वारा वीरवार 19 मार्च, 2026 को अर्की नगर में सनातन नववर्ष का स्वागत धूमधाम से किया जाएगा। इस दौरान नए बस अड्डे के समीप भजन-संकीर्तन का आयोजन होगा तथा हलवा चने का प्रसाद बनाकर भक्तों में वितरित किया जाएगा। इसी दिन प्रातः 5 बजे से अर्की नगर में प्रभात फेरी भी निकाली जाएगी। गत दिवस हिंदू जागृति मंच द्वारा आयोजित बैठक में यह निर्णय लिया गया। मंच के महासचिव विजय भारद्वाज ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सनातन नववर्ष का स्वागत करने की योजना है। उन्होंने बताया कि मंच द्वारा स्थानीय समाज के सहयोग से पिछले 29 वर्षों से विक्रमी संवत् का स्वागत किया जा रहा है।

### जलशक्ति विभाग की 3 स्कीमों से कलपुर्जे चुराने वाले 5 आरोपी धरे, एफआईआर दर्ज

**अनंत ज्ञान, नाहन।** नाहन विधानसभा क्षेत्र में जलशक्ति विभाग की लिफ्ट इरिगेशन स्कीम मल्लोंवाला भुड़, कून व खजूरना के पंप हाउस से मोटरें, गेट वाल, कॉपर केवलें, पाइप फिटिंग आदि कलपुर्जे चुराने के मामले में पुलिस अब तक 5 आरोपियों को दबोच चुकी है। आरोपी लगातार अपनी लोकेशन बदल रहे थे। एसपी एनएस नेगी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ पुलिस स्टेशन नाहन में बीएनएस की धारा 331(4), 305 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। एसपी ने बताया कि मामले में कार्रवाई के लिए एसआईटी टीम गठित की गई गई थी। एसपी ने बताया कि मामले में अभी तक पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है ।

### तीन शराबियों ने बिजली विभाग का एसडीओ पीटा, कपड़े भी फाड़े

**अनंत ज्ञान, नाहन।** सड़क किनारे बैठे तीन शराबियों ने रात ड्यूटी से वापस आ रहे बिजली विभाग के एक एसडीओ को धुन डाला। यह घटना बीती रात गिरि नगर पावर हाउस में तैनात असिस्टेंट इंजीनियर के साथ घटी। पुलिस को मिली शिकायत के मुताबिक आरोपियों ने ड्यूटी से वापस लौट रहे रनजीत सिंह पुत्र दया राम की आंख में टार्च की रोशनी मारी, रनजीत सिंह ने कारण पूछा तो एकाएक पिटाई शुरू कर दी। आरोपियों ने एसडीओ के कपड़े भी फाड़ दिए। एसडीओ की शिकायत पर माजरा पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। एसपी ने बताया कि मारपीट के दौरान अभियंता के सिर में चोट लगी। एसपी ने बताया कि आरोपियों की पहचान की जा रही है, जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

### केंद्रीय स्वास्थ्य आसूचना ब्यूरो टीम ने किया स्वास्थ्य संस्थानों का किया औचक निरीक्षण

**अनंत ज्ञान, सोलन।** केंद्रीय स्वास्थ्य आसूचना ब्यूरो (सीबीएचआई) की उप-निदेशक दीक्षा सचदेवा की अध्यक्षता में 16 से 18 मार्च तक सोलन के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों का औचक निरीक्षण किया गया। यह जानकारी स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता ने दी। उन्होंने कहा कि तीन स्तरीय टीम द्वारा यह निरीक्षण जिला के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में किया गया। टीम द्वारा 16 मार्च को महर्षि मारकंडेश्वर विश्वविद्यालय, कुमारहट्टी में आईसीडी पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भी करवाया गया। इस कार्यशाला में 150 चिकित्सकों ने भाग लिया। 17 मार्च को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र देवठी तथा क्षेत्रीय अस्पताल सोलन का निरीक्षण किया गया। 18 मार्च को नागरिक अस्पताल नालागढ़ तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धर्मपुर का निरीक्षण किया गया। तदोपरांत 18 मार्च को मुख्य चिकित्सा अधिकारी सोलन कार्यालय में मासिक प्रगति समीक्षा बैठक का भी निरीक्षण किया गया।

### अथर्व विश्वविद्यालय ने 2026-27 सत्र के लिए एडमिशन की घोषणा की

**अनंत ज्ञान, नाहन।** अथर्व विश्वविद्यालय में 2026-27 सत्र के लिए एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसमें यूजीसी द्वारा मान्यता प्राप्त बीटेक, एमटेक, पीएचडी, बीबीए/एमबीए, होटल मैनेजमेंट, बीसीए/एमसीए, बी. डिजाइन, फैशन, फिल्म और टीवी आदि पाठ्यक्रमों के लिए एडमिशन लिया जा रहा है। उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा, सुसज्जित भवन, अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस प्रयोगशालाएं, उत्कृष्ट शिक्षक, सर्वोत्तम शैक्षणिक वातावरण के साथ-साथ प्रतिष्ठित कंपनियों में इंटर्नशिप और प्लेसमेंट की सुविधाएं उपलब्ध हैं।

### एनपीए रिकवरी पर असंतोष, ठोस कदम न उठे तो कोर्ट जाएगी जमाकर्ता-शेयरधारक फोरम

# बघाट अर्बन बैंक को बचाने के लिए निजी बैंक में मर्जर ही विकल्प : फोरम

अनंत ज्ञान

**आर मोहन चौहान, सोलन।** बघाट अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड की खराब वित्तीय स्थिति को लेकर जमाकर्ताओं और शेयरधारकों में रोष बढ़ता जा रहा है। एनपीए रिकवरी संतोषजनक न होने से शेयरधारकों का सब्र जवाब देने लगा है। जमाकर्ता एवं शेयरधारक फोरम ने बैंक प्रबंधन, एआरसीएस और आरबीआई द्वारा अब तक किए गए प्रयासों पर असंतोष जताते हुए प्रदेश सरकार की उदासीनता पर भी नाराजगी व्यक्त की है। फोरम के सलाहकार एवं पूर्व मंत्री एमएन सोफत और अध्यक्ष सोम प्रकाश गुप्ता ने पत्रकार वार्ता में बैंक प्रबंधन पर तीखा हमला बोलते हुए बैंक को बचाने के लिए इसे किसी निजी बैंक में मर्ज करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि 11,000 से अधिक शेयरधारक और 77,000 जमाकर्ता इस स्थिति से प्रभावित हैं। सोफत ने बताया कि आरबीआई के प्रतिबंधों के चलते जमाकर्ताओं की निकासी सीमा मात्र 10,000 रुपए तय कर दी गई, जिससे लोगों को खासकर शादी और त्योहारों के समय भारी परेशानी झेलनी पड़ी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार, आरबीआई और बैंक प्रबंधन ने जल्द ठोस कदम नहीं उठाए, तो फोरम न्याय के लिए अदालत का रुख करेगा। पिछले छह महीनों में 138 करोड़ रुपए के एनपीए के मुकाबले केवल 26 करोड़ की रिकवरी ने स्थिति को और चिंताजनक बना दिया है।

पत्रकार वार्ता करते बैंक जमाकर्ता और शेयरधारक फोरम के पदाधिकारी। अनंत ज्ञान

### फोरम ने प्रबंधन के समक्ष उठाई मांगें

**फोरम** ने बैंक प्रबंधन से मांग की है कि सरकार इक्विटी भागीदारी के माध्यम से तत्काल बेलआउट पैकेज दे और बैंक का किसी मजबूत सहकारी बैंक के साथ विलय किया जाए। एनपीए बन चुके ऋणों की जांच के लिए एसआईटी गठन और लंबित एजीएम शीघ्र आयोजित करने की भी मांग उठाई गई है। फोरम ने ज्ञापनों के जरिए राज्य व केंद्र सरकार, आरबीआई और प्रबंधन से हस्तक्षेप की अपील की है। उनका कहना है कि 8 अप्रैल, 2026 की समयसीमा नजदीक है, जबकि बैंक का एनपीए 112.64 करोड़, सीआरएआर -14.28% और कुल घाटा 77 करोड़ पहुंच चुका है।

### सीआरएआर स्तरों को प्राप्त असंभव

**फोरम** का कहना है कि तय समयसीमा में सीआरएआर स्तर हासिल करना संभव नहीं दिख रहा, इसलिए बैंक का किसी मजबूत सहकारी बैंक में विलय ही व्यावहारिक समाधान है। यह प्रक्रिया पारदर्शी हो और सभी हितधारकों की भागीदारी से हो। फोरम ने खर्चों में कटौती और घाटे वाली शाखाओं को बंद करने का सुझाव दिया है। साथ ही प्रबंधन को विफल बताते हुए पूर्णकालिक प्रशासक की तत्काल नियुक्ति की मांग की है।

### त्रिलोकपुर में चैत्र नवरात्र मेले की भव्य शुरुआत

# 3000 घी के दीपों से सजेगा शिव तालाब

## शिव-गौरा महाआरती होगी मुख्य आकर्षण

अनंत ज्ञान

**एसपी जैरथ, नाहन।** उत्तर भारत के प्रसिद्ध शक्तिपीठ श्री महामाया बाला सुंदरी मंदिर त्रिलोकपुर में इस वर्ष चैत्र नवरात्र मेले विशेष भव्यता के साथ आयोजित किए जा रहे हैं। इस बार मेले का मुख्य आकर्षण पहली बार शिव तालाब में 3000 देसी घी के दीप प्रज्ज्वलित कर आयोजित की जाने वाली शिव-गौरा महाआरती होगी, जो श्रद्धालुओं को एक अलौकिक अनुभव प्रदान करेगी।

मंदिर न्यास के संयुक्त आयुक्त एवं एसडीएम नाहन राजीव सांख्यान ने जानकारी देते हुए बताया कि यह विशेष महाआरती 19 मार्च, 26 मार्च और 1 अप्रैल को आयोजित की जाएगी। इसके अतिरिक्त शिव तालाब में नौका विहार की सुविधा भी इस बार श्रद्धालुओं के लिए एक नया आकर्षण होगी।

*सुरक्षा और सुविधाओं के पुख्ता इंतजाम*

**200 सीसीटीवी कैमरे**
*मेला क्षेत्र की निगरानी के लिए लगभग 200 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं।*

**सुरक्षा व्यवस्था**
70 पुलिस जवान, 150 होमगार्ड और 150 निजी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की गई है।

***मंदिर न्यास के करीब 500 कर्मचारी व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने में जुटे रहेंगे।***

**पार्किंग की व्यवस्था**
हीमुडा की 86 बीघा भूमि सहित सरकारी और निजी जमीन पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है, जहां लगभग 200 भारी वाहन, 1000 कारें और 1000 से अधिक दोपहिया वाहन खड़े किए जा सकेंगे।

**मेला क्षेत्र छह ब्लॉक में विभाजित**
मेला क्षेत्र को छह ब्लॉकों में विभाजित किया गया है और केवल चिन्हित स्थानों पर ही लंगर लगाने की अनुमति दी जाएगी।

***निजी लंगर के लिए न्यूनतम 5000 रुपए शुल्क निर्धारित किया है। फूड सेफ्टी विभाग को खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच के निर्देश दिए गए हैं।***

*मंदिर न्यास को इस बार दुकानों, झूलों और पार्किंग आवंटन से लगभग 25 लाख रुपए की आय प्राप्त हुई है। शौचालय और अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी विशेष प्रबंध किया गया है।*

### शटरिंग उतारते समय सेफ्टी बेल्ट की रस्सी टूटने से मजदूर की मौत

**अनंत ज्ञान, सोलन।** थाना कंडाघाट के तहत निर्माणाधीन ब्रिज में लगी शटरिंग उतारते समय सेफ्टी बेल्ट की रस्सी टूट जाने से एक मजदूर की मृत्यु हो गई। जानकारी के मुताबिक अशोक राम पुत्र रामब्रत राम, निवासी गांव भादुमा, डाकघर सतवाहिनी, तहसील उटारी रोड जिला पलामू झारखंड व उम्र 32 साल हाल बेल्डर एबीएस कंपनी सुंदरनगर जिला मंडी ने शिकायत दर्ज करवाई कि इंद्र सिंह व नागेश कुमार ब्रिज में ऊपर लगी शटरिंग उतार रहे थे। अचानक नागेश कुमार की सेफ्टी बेल्ट से बंधी रस्सी टुट गई, जिससे नागेश ऊपर से सीधा नीचे जमीन पर गिर गया। इस हादसे से नागेश कुमार की मृत्यु हो गई। इस सदर्भ में पुलिस थाना कंडाघाट में मामला दर्ज आगामी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

# मटर के दाम गिरने से किसानों में मायूसी

## राजगढ़ में 25-30 रुपए तक सिमटे भाव

### अन्य राज्यों की आवक से टूटा बाजार, लागत निकालना भी चुनौती

अनंत ज्ञान

**राजगढ़।** मध्यप्रदेश सहित अन्य राज्यों से मटर की भारी आवक होने से गिरिपार के राजगढ़ क्षेत्र में उत्पादित किए जाने वाला मटर कम दाम पर बिक रहा है, जिससे किसान काफी मायूस हैं।

बता दें इन दिनों राजगढ़ क्षेत्र से मटर की फसल प्रदेश की सबसे बड़ी मंडी सोलन व राजगढ़ कस्बा की स्थानीय मंडियों में पहुंच रही है, परंतु बीते एक सप्ताह से मटर का रेट औसतन 25 से 30 रुपए प्रति किलोग्राम रहा है । अनेक किसानों का कहना है कि अगेती मटर की फसल ओलावृष्टि से मटर की फलियों का रंग सफेद हो गया था और अब पछेती मटर की फसल के भाव न होने से इस बार बीज की कीमत भी नहीं निकल पाना मुश्किल है। विनोद कुमार आढ़ती राजगढ़ का कहना है कि बीते कुछ दिनों से मटर के दाम स्थिर चल रहे हैं। चूंकि अन्य राज्यों से मटर की आवक काफी हो रही है।

इनका कहना है कि मैदानी इलाकों में मटर की फसल अंतिम चरण पर है। जैसे ही अन्य राज्यों से मटर आना बंद हो जाएगा मटर के दाम में एकदम उछाल आ जाएगा। उन्होंने बताया कि हाल ही में मटर 25 से 28 रुपए और करसोग क्षेत्र का मटर 30 रुपए बिक रहा है । बता दें कि इस बार सर्दियों में कम बारिश होने के चलते मटर की फसल काफी प्रभावित हुई है। राजगढ़ क्षेत्र की अधिकांश पंचायतों से मटर प्रदेश की सबसे बड़ी सब्जी मंडी सोलन में भेजा जाता है।

सब्जी मंडियों में पहुंचा पहाड़ी मटर और किसान मटर भरते। अनंत ज्ञान

### पेंशन भुगतान में देरी से सेवानिवृत्त कर्मी परेशान

# सरकार ने वादाखिलाफी की, आर्थिक संकट से जूझ रहे रिटायर्ड कर्मी : अरुष

अनंत ज्ञान

**सोलन।** भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य (आईटी विभाग) अरुष गुप्ता ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि पेंशन और कर्मचारियों के देयों के भुगतान में लगातार हो रही देरी से सेवानिवृत्त कर्मचारी गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति सरकार की असंवेदनशीलता और विफलता को दर्शाती है। अरुष गुप्ता ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले वादा किया था कि पहली ही कैबिनेट में बोर्ड एवं निगमों के कर्मचारियों की पेंशन जारी कर दी जाएगी, लेकिन साढ़े तीन वर्ष बीत जाने के बाद भी यह वादा पूरा नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार हर बार वित्तीय संकट का हवाला देकर अपनी जिम्मेदारियों से बचने का प्रयास करती है, जबकि अपने खर्चों में किसी प्रकार की कटौती नहीं करती। यदि सरकार के पास अपने प्रबंधन और प्राथमिकताओं को सही ढंग से तय करने की इच्छा होती, तो सेवानिवृत्त कर्मचारियों को इस तरह परेशान नहीं होना पड़ता। उन्होंने सोलन के विधायक धनी राम शांडिल से भी प्रश्न किया कि वे अपने क्षेत्र के कर्मचारियों और पेंशनरों की समस्याओं को लेकर अब तक क्या कदम उठा पाए हैं। उन्होंने कहा कि जनता अपने जनप्रतिनिधियों से उत्तर चाहती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र ही इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए, तो भाजपा इस मुद्दे को लेकर सड़कों पर उतरकर प्रदेशभर में आंदोलन करेगी।

### नालागढ़ फायरिंग कांड से उजागर हुई प्रदेश में बढ़ता 'गुंडा राज' : विनय

**अनंत ज्ञान, नाहन।** भाजपा प्रदेश प्रवक्ता विनय गुप्ता ने नालागढ़ में दिनदहाड़े हुई फायरिंग की घटना को लेकर कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह घटना केवल एक आपराधिक वारदात नहीं, बल्कि प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था का स्पष्ट उदाहरण है। उन्होंने बताया कि नालागढ़ जैसे प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र में दिन के उजाले में देसी कट्टे से फायरिंग होना बेहद गंभीर और चिंताजनक है। विनय गुप्ता ने आरोप लगाया कि हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान अपराधों में लगातार वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक ढिलाई और कानून-व्यवस्था की कमजोर पकड़ के कारण असामाजिक तत्वों को खुली छूट मिल रही है। सरकार की निष्क्रियता के चलते प्रदेश में अपराध का ग्राफ तेजी से ऊपर जा रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने सरकार से मांग की कि नालागढ़ फायरिंग मामले में तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए।

### एचआरटीसी की लचर व्यवस्था उजागर

# बीच सड़क में खराब हुई बस चालक-परिचालक ने की ठीक

अनंत ज्ञान

**कृष्ण रघुवंशी, अर्की।** हिमाचल प्रदेश में हिमाचल पथ परिवहन निगम की वर्तमान स्थिति एक बार पुनः सवालों के घेरे में आ गई है। हाल ही में अर्की-कुनिहार-जघुन रूट पर चल रही निगम की बस बीच सड़क में तकनीकी खराबी के चलते अचानक बंद हो गई, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

आप पार्टी प्रवक्ता प्रदेश अशोक चंदेल ने कहा कि यह घटना न केवल परिवहन व्यवस्था की खामियों को उजागर करती है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि निगम के बेड़े की हालत कितनी खराब हो चुकी है। उनका कहना है कि हालांकि इस मुश्किल घड़ी में बस के चालक और परिचालक ने अपनी जिम्मेदारी और कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए मेहनत से बस को मौके पर ही ठीक किया और यात्रियों को सुरक्षित गंतव्य तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने ने राज्य सरकार और संबंधित विभाग से मांग की हैं कि निगम की स्थिति को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

बस की मरम्मत करते चालक परिचालक। अनंत ज्ञान

### आपदा के समय प्रशिक्षित मानव संसाधन जरूरी : डीसी

**अनंत ज्ञान, सोलन।** उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने कहा कि आपदा पूर्व एवं उपरांत के समय में प्रशिक्षित श्रम शक्ति की उपलब्धता बहुमूल्य मानव जीवन तथा संसाधनों की समुचित सुरक्षा में महत्वपूर्ण सिद्ध होती है। मनमोहन शर्मा आज यहां ज़िला आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा युवा आपदा मित्रों को खोज एवं बचाव किट प्रदान करने के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। मनमोहन शर्मा ने कहा कि आपदा मित्र योजना का उद्देश्य युवाओं को विभिन्न आपदाओं के समय त्वरित कार्यवाही के लिए प्रशिक्षित करना है, ताकि जानो-माल की क्षति को न्यून किया जा सके। योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय कैडेट कोर, राष्ट्रीय सेवा योजना, भारत स्काउट एडं गाईड्स तथा नेहरू युवा केंद्र संगठन के युवाओं को आपदा मित्र के रूप में खोज एवं बचाव, प्राथमिक उपचार, आपातकालीन जीवनरक्षक तकनीक सीपीआर, अग्नि सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

### अवैध माइनिंग, नाइट माइनिंग और ब्लास्टिंग को लेकर डीसी को सौंपा ज्ञापन

# मौके का निरीक्षण कर मजिस्ट्रेट जांच की मांग

अनंत ज्ञान

**सोलन।** दालड़ाघाट में लगा अंबुजा अदानी सीमेंट प्लांट स्थानीय लोगों की परेशानी का कारण बन चुका है। यहां पर लगातार हो रही इलीगल माइनिंग, नाइट माइनिंग और ब्लास्टिंग से लोग परेशान है। पिछले तीन महीनों से मांगू, ग्याना, संगोई, सेवड़ा चंडी और कश्लोग पंचायत के लोग शांतिपूर्ण तरीके से यहां पर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं लेकिन अभी तक इस पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

अवैध खनन और ब्लास्टिंग की वजह से सीमेंट प्लांट के 300 मीटर के दायरे में आने वाले करीब 100 से ज्यादा घर आज प्रभावित हो रहे हैं। वहीं 90 डिग्री डेंजर जोन के भीतर आने वाले 150 घर पूरी तरह से प्रभावित हो चुके हैं। इसी के साथ अंबुजा अदानी सीमेंट प्लांट से जो पर्यावरण प्रभावित हो रहा है और धूल मिट्टी निकल रही है उससे करीब पांच पंचायत के 40000 लोग प्रभावित हो रहे हैं।

अपनी समस्याओं को लेकर मांगू, ग्याना संघाई, सेवड़ा चंडी और कश्लोग गांव के लोगों ने समिति का गठन कर उसे रजिस्टर करने के लिए डीसी सोलन मनमोहन शर्मा से मुलाकात की और मौके का निरीक्षण कर मजिस्ट्रेट जांच करने की भी आग्रह किया है।

प्रभावित लोगों में से स्थानीय युवक संदीप ठाकुर ने बताया कि 28 मई,1992 को यहां पर कंपनी ने सीमेंट प्लांट की शुरुआत की थी, लेकिन आज यह सीमेंट प्लांट के कारण वहां पर रहने वाले लोगों को खासी परेशानी हो रही है। लगातार अवैध खनन यहां पर किया जा रहा है। ब्लास्टिंग रात के समय में की जा रही है, जोकि लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा रही है। वहीं पर्यावरण भी इससे पूरी तरह से खराब हो चुका है।

डीसी को ज्ञापन सौंपते प्रभावित। अनंत ज्ञान

# इसराइल का ईरानी इंटेलिजेंस मिनिस्टर पर हमला

## साइबर हमलों के जिम्मेदार, अमेरिका ने बैन लगाया था

**एजेंसी, तेल अवीव/तेहरान**

**इसराइल** ने ईरान के के इंटेलिजेंस मिनिस्टर इस्माइल खातिब को निशाना बनाया है। यह दावा इजसराइली मीडिया ने किया है। इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। यह भी पता नहीं चल पाया है कि इस्माइल की मौत हुई है या नहीं। रिपोर्ट के मुताबिक इसराइली एयरस्ट्राइक में कितना नुकसान पहुंचा है, यह पता लगाया जा रहा है। अमेरिका ने 2022 में इस्माइल पर साइबर हमलों और मानवाधिकार उल्लंघन के आरोप लगाते हुए कई प्रतिबंध लगाए थे। उनका आरोप था कि वे ईरान की खुफिया गतिविधियों में अहम भूमिका निभाते हैं और कई विवादित ऑपरेशनों से जुड़े रहे हैं।

इससे पहले इजराइल ने सोमवार रात को ईरान के सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी और बसीज कमांडर गुलामरेजा सुल्तानी को निशाना बनाया था, जिसमें दोनों अधिकारियों की मौत हो गई। इस्माइल खातिब ईरान की सुरक्षा के लिए बेहद अहम व्यक्ति माने जाते हैं। वे देश की आंतरिक सुरक्षा, विदेशों में जासूसी और राजनीतिक कंट्रोल बढ़ाने का काम करते हैं। इस्माइल खातिब ईरान की सुरक्षा के लिए बेहद अहम व्यक्ति माने जाते हैं। वे देश की आंतरिक सुरक्षा, विदेशों में जासूसी और राजनीतिक कंट्रोल बढ़ाने का काम करते हैं। (अनंत ज्ञान)

### बहरीन बोला- अब तक 130 ईरानी मिसाइलें मार गिराईं

**बहरीन** ने दावा किया कि उसने ईरान के हमलों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए अब तक 130 मिसाइलें और 234 ड्रोन मार गिराए हैं। बहरीन डिफेंस फोर्स के मुताबिक, एयर डिफेंस सिस्टम ने जंग शुरू होने के बाद से लगातार हो रहे हमलों को सफलतापूर्वक रोका है। गौरतलब है कि इससे पहले भी बहरीन कई बार बड़ी संख्या में मिसाइल और ड्रोन इंटरसेप्ट करने का दावा कर चुका है, जिससे साफ है कि खाड़ी क्षेत्र में हमलों का खतरा लगातार बना हुआ है।

**ईरान ने 4 अमेरिकी जासूसों को अरेस्ट किया:** ईरान के खुफिया मंत्रालय ने कहा कि उसने देशभर में चलाए गए एक बड़े सुरक्षा अभियान में कई राजशाही समर्थक सेल को खत्म किया है। अमेरिका के लिए काम कर रहे 4 जासूसों को गिरफ्तार किया गया है। तस्नीम समाचार एजेंसी के अनुसार इस अभियान में 26 जगहों में कुल 111 लोगों की पहचान कर उन्हें हिरासत में लिया गया है। साथ ही गिरफ्तार लोगों के पास से बड़ी मात्रा में हथियार भी बरामद किए गए हैं।

**लेबनान में इसराइली हमले में 12 लोगों की मौत:** लेबनान में इसराइल के हमले में 12 लोगों की मौत हो गई है और 41 लोग घायल हुए हैं। यह हमला शहर के केंद्रीय इलाके में हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोग रहते हैं, जिससे हताहतों की संख्या ज्यादा होने की आशंका जताई जा रही है।

### यूएई के कई इलाकों में फिर मिसाइल और ड्रोन हमले



**वेस्ट** एशिया में लगातार बढ़ रहे भू-राजनीतिक तनाव के बीच एक चिंताजनक घटना सामने आई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान से दागा गया एक प्रोजेक्टाइल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई ) में स्थित एक अहम सैन्य ठिकाने के पास आकर गिरा। अल मिनहाद एयर बेस के पास गिरा प्रोजेक्टाइल : यह घटना दुबई के दक्षिण में स्थित अल मिनहाद एयर बेस के पास हुई। यह बेस ऑस्ट्रेलिया के लिए रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है और साल 2003 से उसके सैन्य अभियानों का प्रमुख केंद्र रहा है। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि यह प्रोजेक्टाइल सिडनी के टाइम के अनुसार सुबह 9:15 बजे बेस के नजदीक गिरा। इस घटना में कोई भी ऑस्ट्रेलियाई सैनिक घायल नहीं हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी सैन्य कर्मी पूरी तरह सुरक्षित हैं। हालांकि, प्रोजेक्टाइल गिरने से बेस के आवासीय क्षेत्र और एक मेडिकल सुविधा को मामूली नुकसान पहुंचा है।

# पाकिस्तान को सस्ता तेल देने को तैयार रूस

**एजेंसी, इस्लामाबाद**

पाकिस्तान में रूसी राजदूत अल्बर्ट खोरेव ने कहा कि रूस पाकिस्तान को सस्ता तेल देने के लिए तैयार है। लेकिन अभी तक पाकिस्तान की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक मांग नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान खुद पहल करता है, तो रूस उसे कम कीमत पर तेल सप्लाई कर सकता है।

◆ **पाक के पास सिर्फ 11 दिन का ऑयल रिजर्व**

रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूसी कच्चे तेल की कीमत करीब 70 से 76 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यही कीमत 95 से 105 डॉलर प्रति बैरल के बीच है। वहीं, पाकिस्तान के पेट्रोलियम सचिव ने संसद की एक समिति को बताया कि देश के पास फिलहाल सिर्फ 11 दिन का कच्चा तेल बचा है। वहीं, पैट्रोल 321 पीकेआर (पाकिस्तानी रुपए) और डीजल 335 पीकेआर प्रति लीटर मिल रहा है। पाकिस्तान को रोजाना लगभग 5 से 6 लाख बैरल कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की जरूरत पड़ती है। पाकिस्तान सरकार ईरान से बात कर रही है, ताकि होर्मुज स्ट्रेट से तेल लाने की इजाजत मिल सके। अगर मंजूरी मिलती है, तो पाकिस्तान के चार जहाज इस रास्ते से तेल ला सकते हैं। साथ ही अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि 14 अप्रैल के बाद देश में गैस की भारी कमी हो सकती है, क्योंकि एलएनजी की सप्लाई भी प्रभावित हुई है। पाकिस्तान का करीब 70% तेल मिडिल ईस्ट से आता है, लेकिन जंग के कारण शिपिंग रूट और सप्लाई चेन पर असर पड़ा है। तेल की कीमतें भी तेजी से बढ़ी हैं। डीजल की कीमत 88 डॉलर से बढ़कर 187 डॉलर और पेट्रोल 74 डॉलर से बढ़कर 130 डॉलर तक पहुंच गया है। (अनंत ज्ञान)

## सेना ने राजौरी, डोडा और पुंछ में चलाया तलाशी अभियान

**एजेंसी, जम्मू।** सुरक्षाबलों ने जम्मू-कश्मीर के राजौरी, डोडा और पुंछ जिलों में विभिन्न स्थानों पर संदिग्ध आतंकवादियों की आवाजाही की रिपोर्ट के बाद तलाशी अभियान शुरू किया है। अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय लोगों ने दो संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधि की सूचना दी, जिसके बाद मंगलवार देर रात राजौरी के पाल्मा के पास खांडली और उसके आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया गया। संदिग्ध व्यक्तियों को नाले से होते हुए पास के जंगल की ओर जाते देखा गया। एक अधिकारी ने बताया कि अभी तक संदिग्ध व्यक्तियों से कोई संपर्क नहीं किया गया है। आतंकवादियों की आवाजाही की सूचना के बाद डोडा के मरमट के कई गांवों में भी इसी तरह के ऑपरेशन चल रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस और सेना ने डोडा के सरलिया इलाके और पुंछ जिले के दांडी धारा और अरी सरूती में भी तलाशी ली। (अनंत ज्ञान)

## सेंसेक्स में 633 अंक और निफ्टी में 197 अंक की तेजी



**एजेंसी, मुंबई।** शेयर बाजार में आज यानी 18 मार्च को तेजी रही। सेंसेक्स करीब 633 अंक (0.83%) चढ़कर 76,704 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 197 अंक (0.83%) की तेजी रही, यह 23,778 के स्तर पर पहुंच गया है। आईटी और रियल्टी शेयरों में खरीदारी दिखी। एसबीआई म्यूचुअल फंड ने अर्बन कंपनी में एडिशनल हिस्सेदारी खरीदी है। इसके बाद आज कंपनी के शेयर में 10% की तेजी रही। ये 122 रुपए के करीब बंद हुआ। एसबीआई म्यूचुअल फंड ने कंपनी में 632 करोड़ रुपए में अतिरिक्त 4% हिस्सेदारी खरीदी है। एनएसई पर 109.85 रुपए के औसत भाव से अर्बन कंपनी के 3,50,63,090 शेयर खरीदे। बीएसई पर एसबीआई म्यूचुअल फंड ने 109.83 रुपए के भाव से 2,24,93,959 शेयर खरीदे हैं। (अनंत ज्ञान)

# बस किराया बढ़ा तो बुजुर्ग को पार्सल करने की कोशिश

**एजेंसी, बेंगलुरु।** कर्नाटक के बेंगलुरु में एक परिवार ने बुजुर्ग को बोरे में बांधकर कूरियर से पार्सल करने की कोशिश की। परिवार ने यह कदम बस किराया बढ़ने के विरोध में उठाया। घटना मंगलवार शाम की है, जिसका वीडियो बुधवार को सामने आया। कूरियर सेंटर के कर्मचारियों को बोरे में हलचल दिखी तो उन्होंने उसे खोलकर देखा।

◆ **बेंगलुरु में कूरियर खुला तो जिंदा निकला**

अंदर से एक बुजुर्ग व्यक्ति निकला। इसके बाद कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के मुताबिक परिवार एक निजी कूरियर सेंटर पहुंचा और कहा कि वे बुजुर्ग को पार्सल करना चाहते हैं। बोरी में बंद होने के कारण बुजुर्ग को सांस लेने में दिक्कत होने लगी, जिससे स्थिति गंभीर हो गई। पुलिस की पूछताछ में बुजुर्ग की बेटी ने बताया कि यह पूरा मामला सोशल मीडिया रील बनाने के लिए किया गया था। परिवार ने बुजुर्ग को एक बोरी में डालकर यह स्टंट किया। परिवार ने पुलिस और लोगों से माफी मांगी। अधिकारियों ने कहा कि इस तरह का स्टंट किसी की जान को खतरे में डाल सकता है और इसके गंभीर कानूनी परिणाम हो सकते हैं। हालांकि पुलिस ने इस मामले में कोई केस दर्ज नहीं किया। परिवार से वीडियो के जरिए माफी मंगवाकर सख्त चेतावनी देकर छोड़ दिया। (अनंत ज्ञान)

# लारिजानी के ताबूत की पहली तस्वीर आई सामने

**एजेंसी, तेहरान**

**तेहरान** के शहीद स्मारक से ईरान के कद्दावर नेता और सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी तथा उनके बेटे मोर्तजा लारीजानी के शवों की कथित पहली तस्वीर वायरल हुई है. इजरायली एयरस्ट्राइक में शहीद हुए इन दोनों के ताबूत एक साथ रखे गए हैं, जहां अली लारीजानी का शव उनके बेटे की डेड बॉडी के ठीक बगल में दिखाई दे रहा है. यह तस्वीर ईरान में शोक की लहर पैदा कर रही है।

अली लारीजानी राजधानी तेहरान के उत्तर-पूर्व इलाके परदिस में स्थित अपनी बेटी के घर पर मौजूद थे, तभी इसरायल ने उन्हें टारगेट करके घातक हमला किया। इस हमले में उनके बेटे मोर्तजा लारीजानी के अलावा उनके डिप्टी अलीरेजा बायात और कई बॉडीगार्ड्स भी शहीद हो गए। (अनंत ज्ञान)




## चांदी तीन दिन में 18,138 सस्ती, 2.50 लाख पर आई



एजेंसी, नई दिल्ली। सोने-चांदी की कीमतों में बुधवार गिरावट दर्ज की गई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 2,177 रुपए घटकर 2.50 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 2.52 लाख रुपए किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 143 रुपए गिरकर 1.55 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 17 मार्च को सोना 1.56 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम था। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना तीन दिन में 4,778 और चांदी 18,138 सस्ती हुई है। (अनंत ज्ञान)

# फ्लाइट में 60% सीटों पर एडिशनल चार्ज खत्म

**एजेंसी, नई दिल्ली**

**सिविल** एविएशन मिनिस्ट्री ने घरेलू हवाई यात्रा को ज्यादा सुविधाजनक बनाने के लिए नए नियम जारी किए हैं। नए आदेश के मुताबिक एयरलाइंस को हर फ्लाइट में कम से कम 60% सीटें बिना किसी एक्स्ट्रा चार्ज के देनी होंगी। ये निर्देश घरेलू फ्लाइट्स पर लागू होंगे।

इसके अलावा एक ही पीएनआर (बुकिंग रेफरेंस) पर यात्रा करने वाले यात्रियों को एक साथ बिठाया जाएगा, बेहतर होगा कि उन्हें आस-पास की सीटों पर बिठाया जाए। मौजूदा नियमों में पैसेंजर्स के लिए 20% सीटें ही बिना एक्स्ट्रा चार्ज दिए बुक की जा सकती हैं, जबकि बाकी सीटों के लिए भुगतान करना पड़ता है। यह कदम इसलिए उठाए गए हैं क्योंकि एयरलाइंस सीट चुनने समेत कई सर्विसेस के लिए बहुता ज्यादा शुल्क वसूल रही हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभी एयरलाइंस सीटें

◆ **घरेलू उड़ानों में एक ही पीएनआर वाले यात्रियों को एक साथ सीट देनी होंगी**

चुनने पर 500 से 1200 रुपए एक्स्ट्रा चार्ज करती हैं।सिविल एविएशन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा घरेलू एविएशन मार्केट बन गया है। भारतीय एयरपोर्ट अब हर दिन 5 लाख से ज्यादा यात्रियों को संभाल रहे हैं। उड़ान योजना से भारत में हवाई यात्रा अब सिर्फ अमीर लोगों का अधिकार न रहकर, सभी के लिए सुलभ बन गई है।

देश में हवाई यात्रा को और भी आसान बनाने के लिए लगातार कोशिशें जारी हैं, जैसे उड़ान यात्री कैफे, जहां किफायती खाना मिलता है, फ्लाईब्रेरी में किताबें मुफ्त पढ़ने मिलती हैं और टर्मिनल पर फ्री वाई-फाई। (अनंत ज्ञान)

# स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने पर जोर

**अनंत ज्ञान**




**गुरनाम सागर, चंडीगढ़।** रयात बाहरा यूनिवर्सिटी ने स्कूल ऑफ लाइफ साइंसेज के नेतृत्व में जीवन विज्ञान, स्वास्थ्य व पर्यावरणीय स्थिरता विषय पर दो दिवसीय तीसरी अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस (आईसीएलएसएचईएस-2026) का आयोजन किया।

इस कॉन्फ्रेंस में देश भर से आए शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों व विशेषज्ञों ने स्वास्थ्य, जीवन विज्ञान और पर्यावरणीय स्थिरता से संबंधित उभरती चुनौतियों तथा नवाचारपूर्ण समाधानों पर विचार-विमर्श किया। यह कॉन्फ्रेंस रेड रिबन क्लब, पंजाब यूथ सर्विसेज, इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स सोसाइटी ऑफ इंडिया, पंजाब स्टेट काउंसिल फॉर साइंस एंड टेक्नोलॉजी (पीएससीएसटी), चंडीगढ़ तथा इनोवेशन मिशन पंजाब के सहयोग से आयोजित की गई। रयात बाहरा यूनिवर्सिटी, रयात बाहरा प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, होशियारपुर और बाहरा यूनिवर्सिटी, शिमला के चांसलर गुरविंदर सिंह बाहरा ने युवाओं में स्टार्टअप्स और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उद्यमशील सोच को बढ़ावा देने से रोजगारयोग्यता में वृद्धि हो सकती है तथा पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और सतत विकास को भी मजबूती मिलती है। प्रो. (डॉ.) सिमरजीत कौर (डीएसडब्ल्यू) ने विशिष्ट अतिथियों, वक्ताओं व प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कॉन्फ्रेंस की संक्षिप्त जानकारी प्रस्तुत की। इस अवसर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, पंजाब राज्य शाखा, चंडीगढ़ के सचिव-कम-मुख्य कार्यकारी शिवदुलार सिंह ढिल्लों ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में प्रो. (डॉ.) दपिंदर कौर बख्शी, संयुक्त निदेशक एवं प्रमुख, शोध व स्टार्टअप सुविधा प्रभाग, ने बौद्धिक संपदा अधिकारों, शोध संस्कृति और नवाचार आधारित विकास के महत्व पर प्रकाश डाला। वाइस चांसलर प्रो. (डॉ.) संजय कुमार ने विश्वविद्यालयों में शोध, नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देने वाले मजबूत इकोसिस्टम के निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों के बारे में भी बात की। इनोवेशन मिशन पंजाब के सीईओ एवं मिशन डायरेक्टर सोमवीर आनंद ने युवा नवप्रवर्तकों के लिए स्टार्टअप इकोसिस्टम में उपलब्ध अवसरों की जानकारी साझा की। कॉन्फ्रेंस में इंटीग्रम आईपी, मोहाली की संस्थापक एवं सीईओ डॉ. श्वेता सेन थलवाल ने शोध और उद्योग में बौद्धिक संपदा अधिकारों के महत्व पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया, जबकि कंटेंट फैक्टरी की संस्थापक एवं सीईओ रितिका सिंह ने स्टार्टअप्स के लिए डिजिटल ब्रांडिंग पर सत्र लिया। कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन सतत विकास लक्ष्यों पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई, जिसमें प्रो. (डॉ.) हरमिंदर पाल सिंह, डॉ. जगदीप सिंह दुआ, डॉ. स्वरणजीत सिंह तथा डॉ. लवनीत कुमार दुबे ने अपने विचार साझा किए।

## तीन पिस्तौल व 18 जिंदा कारतूस के साथ एक काबू

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़।** उचाना के बडौदा बाईपास पर सीआईए स्टाफ ने एक युवक को काबू कर उसके कब्जे से तीन पिस्तौल व 18 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। उचाना थाना पुलिस ने पकड़े गए आरोपित के खिलाफ शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपित से असलहा को लेकर पूछताछ कर रही है। सीआईए स्टाफ जींद के ईंचार्ज निरीक्षक अनुप सिंह ने बुधवार को बताया कि उनकी एक टीम मुख्य सिपाही अनुप सिंह के नेतृत्व में गश्त कर रही थी। तभी सूचना मिली कि एक युवक अवैध पिस्तौल लेकर बडोदा बाईपास उचाना कलां सड़क पर खड़ा हुआ है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची तो एक युवक पुलिस पार्टी को देख कर भागने लगा। पुलिस ने तत्परता से युवक को काबू कर लिया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से तीन पिस्तौल तथा 18 जिंदा कारतूस बरामद हुए। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए युवक की पहचान गांव पालवा हाल 40 फूटा रोड उचाना कलां निवासी पवन के रूप में हुई।

## खरड़ व माजरी के व्यापारियों की समस्याएं सुनने के लिए ट्रेडर्स कमीशन की बैठक

# एक माह के भीतर समस्याओं के समाधान का आश्वासन

**अनंत ज्ञान**




**चंडीगढ़।** पंजाब स्टेट ट्रेडर्स कमीशन ने करौरा में खरड़ और माजरी के व्यापारियों के साथ बैठक कर उनकी समस्याओं और मांगों को ध्यानपूर्वक सुना। कमीशन ने व्यापारियों द्वारा उठाए गए मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए यह आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं का समाधान एक माह के भीतर किया जाएगा। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली सरकार की व्यापार-हितैषी नीति को दोहराते हुए कमीशन ने राज्य में सुचारु और सुगम व्यापारिक माहौल सुनिश्चित करने की अपनी प्रतिबद्धता जताई। जिला स्तरीय ट्रेडर्स कमीशन के चेयरमैन रणजीत पाल सिंह, वाइस चेयरमैन तरलोचन सिंह बैदवान तथा खरड़ विधानसभा क्षेत्र के चेयरमैन यशपाल बंसल बैठक के दौरान उपस्थित रहे।

उन्होंने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि आज उठाए गए सभी मुद्दों का समयबद्ध तरीके से समाधान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि ट्रेडर्स कमीशन अब विधानसभा स्तर से लेकर जिला व राज्य स्तर तक एक सुनियोजित ढांचे के तहत कार्य करेगा, ताकि व्यापारियों की समस्याओं का समाधान जमीनी स्तर से ही सुनिश्चित किया जा सके। जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम खरड़ गुरमीत सिंह ने पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा कि सभी समस्याओं का समाधान निर्धारित समयावधि के भीतर किया जाएगा। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

इनमें डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस (खरड़ और मुल्लांपुर), स्टेट टैक्स विभाग (एसएएस नगर-1) के अधिकारी, टास्क फोर्स अधिकारी (नगर परिषद खरड़, कुराली और नयागांव), तहसीलदार/नायब तहसीलदार (खरड़ और माजरी), पुलिस थानों के एसएचओ (खरड़, माजरी, नयागांव और मुल्लांपुर), ब्लॉक विकास व पंचायत अधिकारी (खरड़ और माजरी), सहायक खाद्य आपूर्ति अधिकारी (खरड़), श्रम निरीक्षक (खरड़ और माजरी), डिप्टी जिला अधिकारी (पीएसपीसीएल), जल आपूर्ति एवं स्वच्छता तथा लोक निर्माण विभाग के उप मंडल अधिकारी, महाप्रबंधक (जिला उद्योग केंद्र, एसएएस नगर) तथा वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (खरड़ और माजरी) शामिल थे। प्रतिभागियों ने कहा कि यह सक्रिय पहल सरकार द्वारा व्यापारियों के साथ संवाद मजबूत करने और उनकी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक उदाहरण है।

## देशभर में 40 करोड़ की साइबर ठगी के गिरोह का भंडाफोड़

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़।** देशभर से 40 करोड़ की साइबर ठगी करने वाले गिरोह का गुरुग्राम साइबर क्राइम पुलिस की टीमों ने भंडाफोड़ किया है। आरोपी इंवेस्टमेंट, लोन, डिजिटल अरेस्ट, साइबर स्लेवरी व क्रेडिट कार्ड के नाम पर ठगी की वारदात को अंजाम देते थे। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि आरोपियों से चार लाख रुपए, 11 मोबाइल फोन व दो सिम कार्ड बरामद किए हैं। एसीपी साइबर क्राइम प्रियांशु दीवान की अगुवाई में साइबर क्राइम वेस्ट व साउथ थाना पुलिस की टीमों ने साइबर ठगी करने वालों पर शिकंजा कसा। उनके नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए दस आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों से चार लाख रुपये, 11 मोबाइल फोन व दो सिम कार्ड बरामद किए हैं। जिनका अवलोकन कराने पर सामने आया कि इन्होंने देश भर से 40 करोड़ रुपये की ऑनलाइन ठगी करने की वारदातों को अंजाम दिया था। आरोपियों के खिलफ देश भर में 3571 से अधिक शिकायतें, 96 केस दर्ज हैं।

**मंजूरी** सांसद संधू ने उठाया पहली बार घर खरीदने वालों और कामकाजी प्रोफेशनलों के लिए किफायती आवास का मुद्दा

# शहरी क्षेत्रों में अब तक वितरित किए गए 97.30 लाख घर: तोखन

**अनंत ज्ञान**

**गुरनाम सागर, चंडीगढ़।** केंद्र सरकार ने देश भर में युवाओं और कामकाजी प्रोफेशनल सहित योग्य शहरी लाभार्थियों के लिए 1.25 करोड़ से अधिक घरों को मंजूरी दी है, इनमें से 13.67 लाख घर 'प्रधानमंत्री आवास योजना - शहरी (पीएमएवाई-यू) 2.0' के तहत स्वीकृत किए गए हैं। 1.16 करोड़ घरों पर काम पहले ही शुरू हो चुका है और 97.30 लाख घर पूरे हो चुके हैं या लाभार्थियों को वितरित किए जा चुके हैं, जिसमें युवा वयस्क, पहली बार घर खरीदने वाले और कामकाजी प्रोफेशनल शामिल हैं। यह जानकारी आवास और शहरी मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री, तोखन साहू ने संसद में सांसद सतनाम सिंह संधू द्वारा पूछे एक प्रश्न के उत्तर में दी।

शहरी वयस्कों के लिए आवास से जुड़े अपने सवाल में, सांसद सतनाम सिंह संधू ने केंद्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय से उन कदमों के बारे में जानकारी मांगी, जो युवाओं, विशेषकर पहली बार घर खरीदने वालों के लिए



किफायती आवास सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए हैं। उन्होंने युवाओं और कामकाजी प्रोफेशनलों के लिए मौजूदा आवास योजनाओं, क्रेडिट तक पहुंच और किराये के आवास मॉडल के जरिए युवाओं में वित्तीय स्वतंत्रता को बढ़ावा देने के लिए उठाए गए उपायों और केंद्र सरकार की युवाओं पर केंद्रित विचाराधीन आवास नीति के बारे में भी पूछा। अपने जवाब में, आवास और शहरी मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री, तोखन साहू ने कहा कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा जमा किए गए प्रोजेक्ट प्रस्तावों के आधार पर, मंत्रालय ने देशभर में 1.25 करोड़ से अधिक घरों को मंजूरी दी है, जिसमें 13.67 लाख घर प्रधानमंत्री आवास योजना 2.0 के तहत मंजूर किए गए हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 116.57 लाख घरों का निर्माण कार्य पहले ही शुरू हो चुका है और 2 मार्च 2026 तक इनमें से 97.30 लाख पूरे हो चुके हैं या लाभार्थियों को सौंप दिए गए हैं।

केंद्रीय मंत्री तोखन साहू ने कहा कि क्योंकि 'जमीन' और 'निवासीकरण' राज्य के विषय हैं, इसलिए अपने नागरिकों, जिनमें युवा, पहली बार घर खरीदने वाले और कामकाजी प्रोफेशनल आदि शामिल हैं, के लिए आवास संबंधी योजनाओं को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा लागू किया जाता हैं। हालांकि मंत्रालय, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सहयोग करता है। 25 जून 2015 से 'प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी' (पीएमएवाई-यू) के तहत केंद्रीय सहायता प्रदान की जाती है, ताकि पूरे देश में युवाओं और कामकाजी पेशेवरों सहित शहरी क्षेत्र के पात्र लाभार्थियों को, पक्के घर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें। उन्होंने बताया कि 'पीएमएवाई-यू'के कार्यान्वयन अनुभवों के आधार पर, एमओएचयूए ने इस योजना को नया रूप देकर 1 सितंबर 2024 से पीएमएवाई-यू 2.0 से 'सभी के लिए आवास' मिशन शुरू किया है। इस मिशन के तहत अगले पांच वर्षों में 1 करोड़ अतिरिक्त योग्य लाभार्थियों को किफायती मूल्य पर घर बनाने, खरीदने और किराए पर लेने में मदद की जाएगी।

यह योजना चार स्तंभों (माध्यमों)- लाभार्थी-नेतृत्व वाला निर्माण (बीएलसी), साझेदारी में किफायती आवास (एएचपी), किफायती किराया आवास (एआरएच) और ब्याज सब्सिडी योजना (आईएसएस) के ज़रिए लागू की जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आईएसएस वर्टिकल (स्तंभ) के तहत, 9 लाख रुपये वार्षिक पारिवारिक आय वाले सभी योग्य लाभार्थियों, जिसमें युवा और कामकाजी पेशेवर शामिल हैं, 25 लाख रुपये तक के हाउसिंग लोन पर 4% ब्याज सब्सिडी प्राप्त कर सकते हैं, बशर्ते घर की कीमत 35 लाख रुपए तक हो। उन्होंने कहा कि इस योजना के अलावा, एमओएचयूए ने जुलाई 2020 में पीएमएवाई-यू के तहत एक सब-स्कीम 'अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स' शुरू की, ताकि शहरी प्रवासियों, छात्रों और युवा पेशेवरों को किफायती किराये के आवास उपलब्ध कराए जा सकें।

### पीएमएवाई-यू 2.0 में अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग वर्टिकल

**केंद्रीय** राज्य मंत्री तोखन साहू ने कहा कि एआरएचसी से मिली सीख के आधार पर, 'पीएमएवाई-यू' 2.0 के तहत अफोर्डेबल रेंटल हाउसिंग (एआरएच) का एक वर्टिकल बनाया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य लाभार्थियों के कार्यस्थलों और रोजगार क्षेत्रों के पास किराये के आवास बढ़ाकर, यह योजना यात्रा समय और खर्च कम करने, उत्पादकता और जीवन गुणवत्ता सुधारने, तथा अधिक समावेशी एवं सस्टेनेबल शहरी कम्युनिटी बनाना है।

## प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

**अनंत ज्ञान, चंडीगढ़।** चंडीगढ़ के सेक्टर-नौ में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के समय वह जिम से निकलकर अपनी फॉर्च्यूनर गाड़ी में बैठ रहा था कि तभी बाइक पर आए हमलावरों ने उस पर 12 राउंड फायरिंग कर दी। प्रॉपर्टी डीलर के पेट, छाती और बाजू पर गोलियां लगी। इसके बाद साथी उसे तुरंत फॉर्च्यूनर गाड़ी में ही डालकर पीजीआई लेकर गए लेकिन अस्पताल में पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। इस बीच इस हत्या की जिम्मेदारी गैंगस्टर लक्की पटियाल ने सोशल मीडिया पोस्ट डालकर ली है। प्रॉपर्टी डीलर की पहचान चरणप्रीत सिंह (31) निवासी गांव कुब्बाहेड़ी (मुल्लांपुर) के रूप में हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस को मौके से 12 खाली खोल बरामद हुए हैं। फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। प्रत्यक्षदर्शी ऑटो चालक ने बताया कि वह सवारी लेकर जा रहा था। जैसे ही वह सेक्टर 18 प्रेस लाइट पॉइंट पर पहुंचा तो उसने देखा कि दाहिनी तरफ सेक्टर 9 में एक युवक बाइक पर बैठा हुआ था। वह गाड़ी में बैठ रहे शख्स पर फायरिंग करने लगा।

# स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट ने अवैध हथियारों के साथ दो को पकड़ा

**अनंत ज्ञान**



**चंडीगढ़।** जिला पुलिस द्वारा अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट को सफलता मिली है।

टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दो युवकों को अवैध हथियारों सहित गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से दो देसी पिस्टल, दो मैगजीन और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट प्रभारी एसआई मुकेश कुमार के नेतृत्व में एएसआई शमशेर सिंह की टीम बुधवार को गश्त पर थी। टीम जब हिसार-चंडीगढ़ नेशनल हाईवे पर हरसोला कट के पास पहुंची, तो वहां तैनात सिपाही रवि को एक विश्वसनीय गुप्त सूचना मिली। सूचना में बताया गया कि राकेश निवासी तितरम और अंकित निवासी नरड़ अपने पास अवैध हथियार लेकर किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में हैं और हाईवे से गांव प्योदा की ओर जाने वाले रास्ते पर मौजूद हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने तुरंत रेडिंग पार्टी गठित कर मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर दोनों संदिग्ध युवक भागने का प्रयास करने लगे, लेकिन टीम ने तत्परता दिखाते हुए उन्हें काबू कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपनी पहचान राकेश निवासी तितरम और अंकित निवासी नरड़ के रूप में बताई। तलाशी के दौरान आरोपी राकेश के पास से एक देसी पिस्टल .32 बोर, एक मैगजीन और तीन जिंदा कारतूस बरामद हुए। वहीं आरोपी अंकित के कब्जे से एक देसी पिस्टल .32 बोर, एक मैगजीन और दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ थाना तितरम में मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक पूछताछ के बाद आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

## स्पोर्ट्स विंडो

### चैंपियन्स लीग: रीयाल मैड्रिड और पीएसजी क्वार्टर फाइनल में

**एजेंसी, मैनचेस्टर।** रीयाल मैड्रिड और पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने चैंपियंस लीग फुटबॉल टूर्नामेंट में क्रमशः मैनचेस्टर सिटी और चेल्सी की वापसी की उम्मीदों को खत्म करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। पहले चरण में तीन गोल की बढ़त हासिल करने के बाद रीयाल मैड्रिड ने विनिसियस जूनियर के दो गोल की मदद से मैनचेस्टर सिटी को उसकी सरजमीं पर 2-1 से हराकर कुल 5-1 के स्कोर से जीत दर्ज की। गत चैंपियन पीएसजी ने शुरुआती 14 मिनट में दो गोल दागने के बाद चेल्सी को 3-0 से हराया और कुल 8-2 के स्कोर से अंतिम आठ में जगह बनाई। (अनंत ज्ञान)

### आईपीएल में इस बार होंगे 84 मुकाबले 28 मार्च को होगा पहला मैच

**एजेंसी, नई दिल्ली।** बेंगलुरु में 28 मार्च को डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी और सनराइजर्स हैदराबाद के मैच से आईपीएल की शुरुआत होगी। जब बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में टॉस के लिए सिक्का उछलेगा, तो भारत में सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि एक 'त्योहार' की शुरुआत होगी। आईपीएल का 19वां सीजन अपने अब तक के सबसे भव्य और लंबे अवतार में हमारे सामने आ रहा है। यह सीजन पिछले 18 सालों के इतिहास से अलग है। इस बार 10 टीमों के बीच कुल 84 मुकाबले खेले जाएंगे, जो इसे अब तक का सबसे बड़ा सीजन बनाएंगे। पहले अधिकतम 74 मैच होते थे। 10 टीमों के बीच देशभर के 13 अलग-अलग वेन्यू पर 64 दिन चौके-छक्के का रोमांच नजर आएगा। नए सीजन के लिए सभी 10 टीमों ने तैयारियां तेज कर दी हैं और प्री-सीजन ट्रेनिंग कैंप के जरिए खिलाड़ी मैच मोड में आने की कोशिश कर रहे हैं। वर्ल्ड कप खत्म होने के ठीक 20 दिन बाद आईपीएल शुरू हो रहा है। ऐसे में बीसीसीआई और आईपीएल फ्रेंचाइजी मिलकर कई प्रमुख खिलाड़ियों के वर्कलोड पर नजर भी रख रही हैं। (अनंत ज्ञान)

### मारिन ने विश्व कप व एशियाई खेलों के लिए तैयारी की योजना बनाई

**एजेंसी, नई दिल्ली।** भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच शोर्ड मारिन इस साल होने वाले विश्व कप और एशियाई खेलों की टीम को तैयार करने के लिए विदेशी दौरों, मुकाबलों के अनुभव और राष्ट्रीय शिविर के मेल पर भरोसा कर रहे हैं। विश्व कप अगस्त में बेल्जियम और नीदरलैंड में होना है जबकि एशियाई खेल सितंबर में जापान में होंगे। भारतीय महिला टीम 15 से 21 जून तक ऑकलैंड में एफआईएच हॉकी नेशंस कप में हिस्सा लेगी। टीम के अमेरिका और अर्जेंटीना का दौरा करने तथा जर्मनी और नीदरलैंड के खिलाफ मैच खेलने का भी कार्यक्रम है। मारिन ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ''हमारा अमेरिका और अर्जेंटीना का दौरा है, न्यूजीलैंड में नेशंस कप है और जर्मनी में अभ्यास मैच हैं। हम नीदरलैंड में भी कुछ मैच खेलेंगे।'' उन्होंने कहा, ''ये पूर्व निर्धारित मुकाबले और हमारे शिविर मिलकर हमें विश्व कप और एशियाई खेलों के लिए तैयार होने के लिए मैच और ट्रेनिंग का एक बहुत अच्छा मेल देते हैं।'' विश्व कप में भारत को पूल डी में इंग्लैंड, चीन और दक्षिण अफ्रीका के साथ रखा गया है। इस ग्रुप में चीन दुनिया की चौथी नंबर की टीम है। इंग्लैंड की रैंकिंग छठी है जबकि भारत और दक्षिण अफ्रीका क्रमशः नौवें और 19वें स्थान पर हैं। मारिन ने कहा, ''यह एक बहुत ही प्रतिस्पर्धी और संतुलित पूल है। इसमें इंग्लैंड और चीन जैसी टीमें हैं जो अलग-अलग शैली और बहुत सारा अनुभव लेकर आती हैं, जबकि दक्षिण अफ्रीका हमेशा अप्रत्याशित होती है और अपने दिन पर खतरनाक साबित हो सकती है।'' भारत हाल ही में संपन्न एफआईएच विश्व कप क्वालीफायर में उपविजेता रहा था। उसे फाइनल में इंग्लैंड से हार का सामना करना पड़ा। (अनंत ज्ञान)

### खूबसूरत अंदाज में लॉरेन बेल

**इंग्लैंड।** इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल अपनी हाइट और तेज रफ्तार गेंदबाजी के लिए जानी जाती हैं। उन्हें 'द शार्द' के नाम से भी जाना जाता है। मैदान पर उनकी आक्रामक गेंदबाजी और स्टाइलिश लुक फैंस को काफी पसंद आता है।

## आईसीसी टी-20 रैंकिंग : अभिषेक लगातार 8 महीने से नंबर-1 बल्लेबाज

# बुमराह बिना मैच खेले टॉप-5 में

**एजेंसी, नई दिल्ली**

भारत के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने टी-20 बॉलर्स की रैंकिंग के टॉप-5 में वापसी कर ली है। वह बिना कोई मैच खेले टॉप-5 में पहुंच गए हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि टी-20 वर्ल्डकप के बाद हुई साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की 2 मैच की सीरीज में अफ्रीकी टीम में कॉर्बिन बॉश को मौका नहीं मिला है। इससे उन्हें रैंकिंग में नुकसान हुआ और वह छठे स्थान पर आ गए।

आईसीसी ने बुधवार को ताजा प्लेयर रैंकिंग जारी की, इसमें जसप्रीत 702 रेटिंग अंक के साथ पांचवें पहुंच गए। जसप्रीत टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे।

बैटर्स की रैंकिंग में ज्यादा बदलाव नहीं हुआ है। भारत के अभिषेक शर्मा (875 रेटिंग प्वॉइंट्स) टॉप पर हैं। वह जुलाई 2025 से टी-20 के नंबर-1 बल्लेबाज बने हुए हैं।

**कॉन्वे ने बैटर्स रैंकिंग में 4 स्थान की छलांग लगाई:** बल्लेबाजों की टी-20 रैंकिंग में भारत के अभिषेक शर्मा शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं। ईशान किशन भी पिछले हफ्ते की तरह दूसरे नंबर पर हैं। दोनों में सिर्फ 4 प्वॉइंट का अंतर है। न्यूजीलैंड के डेवोन कॉन्वे ने भी अपनी रैंकिंग में सुधार करते हुए चार स्थान की छलांग लगाई। अब वह 70वें नंबर पर पहुंच गए हैं।

**ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में कोई नया नाम नहीं:** ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में कोई नया नाम शामिल नहीं हुआ है। सैंटनर ही 9वें से 7वें स्थान पर पहुंच गए हैं। (अनंत ज्ञान)

### अफ्रीकी बॉलर बॉश के प्वॉइंट्स गिरने से फायदा

### बॉलर्स रैंकिंग में कीवी कप्तान सैंटनर को फायदा

**टी-20** इंटरनेशनल रैंकिंग में न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर को फायदा मिला है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली जा रही पांच मैचों की सीरीज के पहले 2 मुकाबलों में उन्होंने 3 विकेट लेने के साथ 35 रन भी बनाए, जिसकी बदौलत सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है। वहीं, अभी तीन मैच बाकी हैं। इस प्रदर्शन के दम पर सैंटनर गेंदबाजों की रैंकिंग में 11 स्थान की छलांग लगाकर 13वें नंबर पर पहुंच गए हैं। पिछले हफ्ते वह 24वें नंबर पर थे। टी-20 के ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी मिचेल सैंटनर करियर की बेस्ट रैंकिंग में पहुंच गए हैं। वे दो पायदान ऊपर चढ़कर सातवें स्थान पर आ गए हैं।

### वनडे रैंकिंग में सलमान आगा को 9 स्थान का फायदा

**वनडे** रैंकिंग में बांग्लादेश के कप्तान मेहदी हसन मिराज और पाकिस्तान के टी-20 कप्तान सलमान अली आगा को फायदा हुआ है। पाकिस्तान के सलमान अली आगा हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी वनडे में शतक लगाया था, इससे उन्होंने एक साथ 9 स्थानों की छलांग मारी है, इससे अब वे नौवें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनकी रेटिंग अब केएल राहुल के बराबर 664 हो गई है। बांग्लादेश के लिए इस हफ्ते सिर्फ मिराज के अलावा गेंदबाजों की सूची में तस्कीन अहमद ने 12 स्थान की बढ़त के साथ 28वां स्थान हासिल किया, जबकि मुस्तफिजूर रहमान 13 स्थान की छलांग लगाकर 47वें पायदान पर पहुंच गए।

### गेंदबाजी में मेहदी हसन को फायदा

**मेहदी** हसन ने पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने तीनों मैचों में कुल पांच विकेट लेकर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई, जिसकी बदौलत बांग्लादेश ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की। इससे मिराज वनडे बॉलर्स की ताजा रैंकिंग में 9 स्थान की छलांग लगाकर सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं 28 साल के मिराज ने ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में भी दो पायदान का सुधार किया है और अब वह इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर आ गए हैं।

# यानसेन देर से टीम से जुड़ेंगे रिकी पोंटिंग ने दी मंजूरी

**एजेंसी, नई दिल्ली**

पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने आईपीएल के लिए मार्को यानसेन के देर से आने को स्वीकृति दे दी है। उन्होंने ऐसा इसलिए किया क्योंकि यह दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर उन खिलाड़ियों के आखिरी समूह में शामिल था जो टी20 विश्व कप के बाद 'लॉजिस्टिक्स' से जुड़ी दिक्कतों के कारण भारत से देर से रवाना हुए थे।

दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज के खिलाड़ी विश्व कप में अपना सफर खत्म होने के बाद एक हफ्ते से अधिक समय तक भारत में ही फंसे रहे थे। वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरेन सैमी और दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज डेविड मिलर सहित कुछ खिलाड़ियों ने भारत से रवाना होने में हुई देरी पर नाराजगी भी जाहिर की थी। यह देरी पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण दुबई और अबु धाबी जैसे बड़े हवाई अड्डों पर सीमित उड़ानों की वजह से हुई थी। पंजाब किंग्स टीम के अहम सदस्य यानसेन 26 मार्च को टीम के साथ जुड़ेंगे। पोंटिंग और अधिकतर विदेशी खिलाड़ी 21 मार्च को टीम के साथ जुड़ने वाले हैं। अफगानिस्तान के ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई 23 मार्च को काबुल से टीम के साथ जुड़ेंगे। उनका देश इस समय पाकिस्तान के साथ संघर्ष में उलझा हुआ है।

पंजाब किंग्स के साथ अपने पहले ही साल में पोंटिंग और कप्तान श्रेयस अय्यर की जोड़ी ने पिछले सत्र में टीम को फाइनल तक पहुंचाया था। यह 2014 के बाद टीम का पहला फाइनल था। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, ''रिकी अपने खिलाड़ियों का पूरा साथ देते हैं। यह देखते हुए कि मार्को भारत से देर से रवाना हुए थे, वह इस बात को समझते हैं कि उन्हें घर पर कुछ समय बिताने का पूरा मौका मिलना चाहिए।'' इस लंबे कद के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने पिछले सत्र में 9.20 की इकोनॉमी रेट से 16 विकेट लिए थे। अय्यर के 19 मार्च को टीम के साथ जुड़ने की उम्मीद है। (अनंत ज्ञान)

# हंपी कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में खेलने को लेकर अब भी सुनिश्चित नहीं

**एजेंसी, नई दिल्ली**

भारतीय ग्रैंडमास्टर कोनेरू हंपी इस महीने साइप्रस में होने वाले प्रतिष्ठित कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में भाग लेने को लेकर अब भी असमंजस में हैं। उन्होंने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच सुरक्षा स्थिति को लेकर अपनी चिंताओं को दोहराया है।

28 मार्च से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट में विश्व चैंपियनशिप के दावेदार तय किए जाएंगे। हंपी ने सोशल मीडिया पर कहा कि चाहे वह टूर्नामेंट में खेलें या नहीं, अपनी भावनाएं व्यक्त करना जरूरी है।

हाल ही में साइप्रस में ड्रोन हमले की घटना के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। हालांकि, शतरंज की वैश्विक संस्था फिडे ने इन आशंकाओं को खारिज करते हुए कहा है कि स्थिति नियंत्रण में है और टूर्नामेंट की तैयारियां जारी हैं। हंपी के अलावा भारत की आर वैशाली और आर प्रज्ञानानंदा भी इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। (अनंत ज्ञान)

### पूरी जिंदगी नहीं खेल सकते इसलिए पढ़ाई जरूरी है: सिंधू

**एजेंसी, गुरुग्राम।** दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने उभरते खिलाड़ियों को पढ़ाई पर बराबर ध्यान देने की सलाह देते हुए कहा कि केवल खेल पर निर्भर रहना जोखिम भरा हो सकता है। गुरुग्राम में एक कार्यक्रम के दौरान सिंधू ने कहा कि कोई भी खिलाड़ी पूरी जिंदगी खेल नहीं सकता और एक चोट से करियर खत्म हो सकता है। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि 2015 में पैर में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण उनका करियर संकट में पड़ गया था और उन्हें छह महीने तक खेल से दूर रहना पड़ा। उन्होंने कहा कि शिक्षा जीवनभर साथ रहती है, जबकि खेल का करियर सीमित होता है। सिंधू ने बताया कि उन्होंने खुद एमबीए किया है और खेल के साथ पढ़ाई को संतुलित करना आसान नहीं था, लेकिन यह जरूरी है। सिंधू ने अभिभावकों और खिलाड़ियों से अपील की कि वे खेल के साथ पढ़ाई को नजरअंदाज न करें। (अनंत ज्ञान)

# भूपेंद्रपाल ठाकुर हिमाचल अचीवर अवॉर्ड से सम्मानित

## इंडिया टीम से दो बार किया प्रतिनिधित्व, कई राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में जीते स्वर्ण पदक

**अनंत ज्ञान**

**ब्यूरो, मंडी।** मंडी जिले के अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी भूपेंद्रपाल ठाकुर को शिमला में आयोजित हिमाचल अचीवर अवॉर्ड 2026 समारोह में सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में विधायक हरीश जनारथा ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत करते हुए विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया।

भूपेंद्रपाल ठाकुर ने अपनी मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के बल पर कबड्डी के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान बनाई है। वह भारत की ओर से दो बार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुके हैं, जिनमें श्रीलंका और इंडो-नेपाल कबड्डी प्रतियोगिताएं शामिल हैं। उन्होंने हाल ही में नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स (एनआईएस) से कबड्डी कोचिंग का प्रशिक्षण पूरा कर प्रमाणित कोच का दर्जा हासिल किया है।

इसके अलावा उन्हें नेशनल भवन सेंटर, नई दिल्ली द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार तथा युवा श्री अवॉर्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है। भूपेंद्र ने विभिन्न राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए कई स्वर्ण और रजत पदक अपने नाम किए हैं। उन्होंने कहा कि भविष्य में वह अपने खेल और कोचिंग के माध्यम से युवाओं को प्रेरित करने और कबड्डी को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

# शीर्ष-20 से शीर्ष-10 का सफर और भी अधिक मुश्किल होगा : अनाहत

**एजेंसी, मुंबई**

विश्व स्क्वाश रैंकिंग के शीर्ष-20 में जगह बनाने वाली सबसे कम उम्र की एशियाई खिलाड़ी बनने के बाद 17 साल की अनाहत सिंह जानती हैं कि शीर्ष-10 में जगह बनाना कहीं अधिक मुश्किल होगा, क्योंकि उन्हें शीर्ष स्तर पर लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

दीपिका पल्लीकल और जोशना चिनप्पा पीएसए रैंकिंग में 10वें स्थान तक पहुंची थीं, लेकिन उससे आगे नहीं बढ़ पाईं। विश्व रैंकिंग में 20वें स्थान पर मौजूद अनाहत कम उम्र और खास प्रतिभा के दम पर वह कर सकती हैं जो आज तक किसी भारतीय ने नहीं किया। अनाहत ने इंडियन ओपन के दौरान कहा, ''मुझे पता है कि यह काफी मुश्किल होने वाला है। शीर्ष-20 में जगह बनाना उतना मुश्किल नहीं था जितना शीर्ष-10 में जगह बनाना होगा क्योंकि अब जब आप इतने ऊंचे स्तर पर होते हैं तो एक भी पायदान ऊपर चढ़ना काफी मुश्किल होता है।'' उन्होंने कहा, ''मुझे पता है कि यह मुश्किल होगा और मुझे यह भी पता है कि इसमें काफी समय लगेगा। मैं कड़ी ट्रेनिंग करने, अपने खेल को बेहतर बनाने और शीर्ष खिलाड़ियों के साथ खेलने के लिए बहुत उत्साहित हूं।'' अनाहत ने स्वीकार किया कि अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें अपने कोच के साथ मिलकर अपनी योजनाओं और सफलता के फॉर्मूले पर फिर से विचार करने की भी जरूरत होगी।

उन्होंने कहा, ''अगर मुझे कभी ऐसा करना पड़ा तो यह बस अपने कोच से बात करने और उनसे आत्मविश्वास पाने के बारे में है। उन्हें पता होता है कि मैं किन चीजों की आदी हूं और मैं क्या कर रही हूं।'' (अनंत ज्ञान)

# भारत थॉमस-उबेर कप में चीन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के ग्रुप में

**एजेंसी, नई दिल्ली।** भारत की पुरुष और महिला बैडमिंटन टीमों को आगामी थॉमस और उबेर कप के लिए मुश्किल ड्रॉ मिला है, जिसमें दोनों को मौजूदा चैंपियन चीन के साथ एक ही ग्रुप में रखा गया है। विश्व बैडमिंटन महासंघ द्वारा घोषित ड्रॉ के अनुसार 24 अप्रैल से 3 मई तक डेनमार्क के हॉर्सेंस में होने वाले टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष टीम ग्रुप 'ए' में चीन, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के साथ खेलेगी। 2022 में ऐतिहासिक खिताब जीतने वाली भारतीय टीम को पिछली बार क्वार्टर फाइनल में चीन से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं, महिला टीम भी उबेर कप में चीन, डेनमार्क और यूक्रेन के साथ ग्रुप 'ए' में है। चीन की मजबूत टीम को देखते हुए भारत के सामने कड़ी चुनौती होगी। हालांकि, लक्ष्य सेन की शानदार फॉर्म से टीम को आत्मविश्वास मिला है। टूर्नामेंट में 16 टीमें चार-चार के ग्रुप में खेलेंगी, जहां हर ग्रुप से शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचेंगी।(अनंत ज्ञान)

# जोकिम लोव ने फुटबॉल विश्व कप को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंता जताई

**एजेंसी, कोलोन (जर्मनी)**

जर्मनी के पूर्व कोच जोकिम लोव ने अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा की मेजबानी में होने वाले फुटबॉल विश्व कप में सुरक्षा को लेकर चिंताएं जताई हैं।

कोलोन एक्सप्रेस समाचार पत्र ने लोव के हवाले से कहा, ''2018 में रूस में हुए विश्व कप से पहले भी बहस हुई थी और 2022 में कतर में हुए विश्व कप से पहले बहिष्कार की मांग उठी थी, लेकिन ऐसे देश में खेलना जो सक्रिय रूप से युद्ध में शामिल हो और भी अधिक खतरनाक है।''

उन्होंने कहा, ''वहां की राजनीतिक स्थिति टूर्नामेंट पर पूरी तरह से हावी हो सकती है।'' अमेरिका और इसरायल का ईरान के साथ युद्ध जारी है और पिछले महीने मैक्सिको की सेना द्वारा कार्टेल सरगना नेमेसियो रूबेन ओसेगुएरा सर्वांतेस को मारने के बाद हिंसा की एक लहर फैल गई थी। सर्वान्तेस को 'एल मेनचो' के नाम से जाना जाता था। ब्राजील में 2014 में जर्मनी को विश्व कप का खिताब दिलाने वाले लोव ने सोमवार शाम को एक कार्यक्रम में बात की। यह कार्यक्रम विश्व कप के पिछले सत्रों पर केंद्रित था जिसमें उनके साथ रेनर बोनहोफ ने शिरकत की जिन्होंने 1974 का टूर्नामेंट जीतने में पश्चिम जर्मनी की मदद की थी। इसके अलावा विश्व कप जीतने वाले अन्य खिलाड़ी भी मौजूद थे। उनकी बातचीत के अंत में ध्यान आने वाले टूर्नामेंट पर चला गया।

बोनहोफ ने कहा, ''मुझे तो यह भी नहीं पता कि आपको खेलना भी चाहिए या नहीं।'' उन्होंने सह-मेजबानों के बारे में कहा, ''मौजूदा हालात को देखते हुए मेरे लिए सिर्फ कनाडा ही एक तटस्थ देश है। मैं किसी भी विश्व कप का बहिष्कार नहीं करना चाहता। हमें फुटबॉल से बहुत प्यार है, लेकिन हमें सच में सुरक्षा उपायों के बारे में सोचना होगा जिन पर हमने अभी तक विचार नहीं किया है।'' (अनंत ज्ञान)

# कुलदीप यादव के रिसेप्शन में जुटे राजनीति और क्रिकेट के दिग्गज

**एजेंसी, लखनऊ**

भारत के मशहूर स्टार गेंदबाज कुलदीप यादव की शादी का लखनऊ में भव्य रिसेप्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। राजनीति और खेल जगत की विभिन्न हस्तियों से सजी इस महफिल में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और मुख्य विपक्षी दल समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ-साथ भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला और भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर सहित खेल जगत की कई हस्तियां शामिल हुईं।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के होटल 'द सेंट्रम' में आयोजित इस आलीशान रिसेप्शन पार्टी में कुलदीप अपनी दुल्हन वंशिका के साथ रोल्स-रॉयस विंटेज कार में सवार होकर पहुंचे। इस मौके पर कुलदीप ने काले रंग का बंद गला सूट तो वहीं वंशिका ने क्रीम रंग की साड़ी पहनी थी। सूत्रों के मुताबिक सीएम योगी नवविवाहित जोड़े को आशीर्वाद देने के लिए पहुंचे और इस दौरान कुलदीप ने उनके पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके अलावा अखिलेश यादव भी रिसेप्शन में पहुंचे। अखिलेश ने इस मौके पर नवविवाहित दंपती के साथ फोटो भी खिंचवाई। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना भी रिसेप्शन पार्टी में पहुंचे और कुलदीप को गले लगाकर उन्हें बधाई दी।

शास्त्रीय संगीत की सुगम धुन के बीच आयोजित रिसेप्शन पार्टी में बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला, गंभीर, भारत के स्टार ऑलराउंडर रविंद्र जडेजा, विस्फोटक बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल, विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन भी शामिल हुए। (अनंत ज्ञान)

## क्रिकेट — चक्रवर्ती-नारायण होंगे गेम चेंजर, ईडन की पिच पर फोकस जरूरी

# स्पिन से जीतेगी केकेआर: फाफ डु प्लेसी

**एजेंसी, नई दिल्ली**

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसी ने कहा है कि वरुण चक्रवर्ती का प्रदर्शन टी20 विश्व कप में भले ही कुछ खास नहीं रहा हो, लेकिन 28 मार्च से शुरू हो रहे आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के लिए यह भारतीय रहस्यमयी स्पिनर बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा।

इस टूर्नामेंट से संन्यास लेने से पहले चेन्नई सुपरकिंग्स, दिल्ली कैपिटल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलने वाले डु प्लेसी ने 'जियो हॉटस्टार' से कहा कि ईडन गार्डंस की पिच सुनील नारायण और चक्रवर्ती की गेंदबाजी के अनुकूल होनी चाहिए।

डु प्लेसी ने कहा, ''अगर मैं केकेआर टीम प्रबंधन का हिस्सा होता तो मैं ईडन गार्डन्स के मैदानकर्मियों से कहता कि पिच को स्पिन के अनुकूल बनाया जाए। केकेआर खुशकिस्मत है कि उसके पास चक्रवर्ती और नारायण जैसे दो शानदार गेंदबाज हैं।''

उन्होंने कहा, ''ये दोनों इस समय टी20 क्रिकेट के सबसे बेहतरीन स्पिनरों में से हैं। वरुण और नारायण, दोनों का प्रदर्शन असरदार होना जरूरी है। अगर वे ऐसी पिचों पर खेलते हैं जहां वे अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी नहीं कर पाते तो आप अपने इन दो सबसे बड़े हथियारों और अपनी सबसे बड़ी ताकत को खो देंगे।''

डु प्लेसी ने कहा, ''हां, वे किसी भी पिच पर अच्छी गेंदबाजी कर सकते हैं और बल्लेबाजों को परेशान कर सकते हैं, लेकिन इस आईपीएल में केकेआर की सफलता के लिए, चक्रवर्ती और नारायण को अपना जलवा दिखाना होगा। पिच को इन दोनों खिलाड़ियों को ध्यान में रखकर ही तैयार किया जाना चाहिए।'' टी20 विश्व कप में भारत की खिताबी जीत के दौरान चक्रवर्ती का प्रदर्शन औसत रहा था। उन्होंने 14 विकेट लिए लेकिन उनका इकोनॉमी रेट नौ से अधिक का रहा। पिछले सत्र में केकेआर की टीम अंक तालिका में नीचे से तीसरे स्थान पर रही थी और अपने 14 मैच में से सिर्फ पांच जीत पाई थी।

अजिंक्य रहाणे की कप्तानी वाली यह टीम 29 मार्च को मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। यह मैच मुंबई के घरेलू मैदान पर खेला जाएगा। डु प्लेसी ने कहा कि कैमरन ग्रीन भी टीम के लिए अहम साबित हो सकते हैं। हालांकि उन्होंने यह भी चेताया कि इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर पर अपनी 25.2 करोड़ रुपए की भारी-भरकम कीमत का बहुत अधिक दबाव होगा। (अनंत ज्ञान)

अनंत ज्ञान
दैनिक समाचार पत्र
'अनंत ज्ञान' की प्रति प्राप्त करने समाचार, विज्ञापन, शुभकामना संदेश एवं निविदा प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें।
''अनंत ज्ञान – आपकी आवाज, आपका समाचार पत्र''
शिमला सत्यदेव भारद्वाज, ब्यूरो चीफ, मो. 70181-60595
धर्मशाला राजेश कुमार, जिला प्रभारी, मो. 98164-48474
सोलन मोहन चौहान, जिला प्रभारी, मो. 94181-57519
मंडी अनिल शर्मा, ब्यूरो चीफ, मो. 94189-80288
हमीरपुर विक्रम ठटवालिया, ब्यूरो चीफ, मो. 94180-03422
बिलासपुर अरुण डोगरा, जिला प्रभारी, मो. 90159-09310
चंबा राहुल सहगल, वरिष्ठ संवाददाता, मो. 78278-66759
ऊना राजेश शर्मा, ब्यूरो चीफ, मो. 98163-96500
कुल्लू एवं लाहौल/स्पीति कमलेश वर्मा, जिला प्रभारी, मो. 86298-97600
पठानकोट अशोक ठाकुर, विशेष संवाददाता, मो. 94184-85666
चंडीगढ़/मोहाली गुरनाम सागर, स्टाफ रिपोर्टर, मो. 99153-26615
Head Office:- Plot No.8, Phase-II, Ind. Area Nagrota Bagwan, Distt. Kangra (H. P.)- 176047
Contact: 01892-299098, 98168-75517
Email: anantgyaanmedia@gmail.com